दैनिक
नवप्रदेश
आदित्यवर्ण तमसः परस्तात्
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर
3 राजधानी — आदिवासियों के अधिकारों के लिए...
4 अभिव्यक्ति — दिल्ली में भी एक हारती हुई लड़ाई लड़ रही...
9 मनोरंजन/व्यापार — कम उम्र के लड़कों संग रोमांस करना...
11 खेल — ब्लंडेल का शतक बेकार, आस्ट्रेलिया...

www.navpradesh.com
रायपुर, सोमवार 30 दिसम्बर, 2019, पौष शुक्ल पक्ष-चतुर्थी, विक्रम संवत-2075 वर्ष-08 अंक-315 पृष्ठ-12 मूल्य-3 रुपए
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, झारखंड, से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

एक बयानवीर खादी वाले ने आधे से ज्यादा खाकी वर्दी वालों को भ्रष्ट बताया है। मतलब आधे से कम पुलिस वाले ईमानदार है। नेताजी चाहते तो सभी पुलिसियों को भ्रष्ट बता सकते थे। किसकी मजाल है जो उनकी जुबान पकड़ता? वो तो पहले भी भारतीय आर्मी चीफ को गली का गुण्डा बता चुके है। जब मिलिट्री वाले उनका कुछ नहीं बिगाड़ सके तो पुलिस वाले किस खेत की मूली है? उक्त बड़बोले नेता यदि दूध के धुले है तो यह बताएं कि देश के स्वनाम धन्य नेता कितने ईमानदार है जो पांच साल में रोडपति से करोड़पति बन जाते हैं?

प्रदेश में तीन दिन में 9 डिग्री तक गिर चुका पारा, पर यह काफी नहीं

जनवरी के पहले हफ्ते में ठंड से और कांपेगा छत्तीसगढ़

■ बलरामपुर राज्य में सबसे ज्यादा ठंडा, पारा 1.9 डिग्री सेल्सियस

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। उत्तर से आ रही सर्द हवाओं के कारण छत्तीसगढ़ में भी तापमान में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। हाड़ कंपा देने वाली ठंड से प्रदेश के कई इलाकों में जनजीवन पर असर पड़ा है। शाम होने के बाद लोग जरूरी होने पर घरों से बाहर निकल रहे हैं। आलम ये है कि मौसम खुलने के बाद छत्तीसगढ़ में तीन दिन में यानी 26 दिसंबर से 29 दिसंबर तक 9 डिग्री तक पारा गिर चुका है। मौसम केंद्र, रायपुर से मिली जानकारी के अनुसार यह गिरावट अंतिम नहीं है।

जनवरी के पहले हफ्ते में सीजन के सबसे ठंडे दिन-रात अनुभव ■ शेष पृष्ठ 8 पर

स्थान- न्यूनतम तापमान डिग्री सेल्सियस में

बलरामपुर	-	1.9
अंबिकापुर	-	4.1
पेंड्रा रोड	-	4.2
बिलासपुर	-	6.5
जगदलपुर	-	9.2
रायपुर	-	9.8

1, 2 जनवरी को बारिश व ओलावृष्टि के भी आसार

मौसम केंद्र रायपुर के वैज्ञानिक एचपी चंद्रा के मुताबिक छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग में एक या दो जनवरी को एक-स्थानों पर बारिश व ओलावृष्टि के भी आसार है। जिसके बाद क्षेत्र में और अधिक ठंड अनुभव की जा सकती है।

मुंगेली जिले में 5 डिग्री पहुंचा पारा

मुंगेली। जिले में ठंड इस बार कहर ढा रही है तापमान गिरकर 5 डिग्री तक चला गया है। लगातार पड़ रहे कड़ाके की ठंड व तापमान में आई गिरावट ने पिछले 10 साल के रिकार्ड को तोड़ दिया है नगरपालिका के द्वारा चौक-चौराहों पर अलाव की व्यवस्था की गयी है, ■ शेष पृष्ठ 8 पर

राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के समापन समारोह में सीएम बघेल की बड़ी घोषणा

अगले साल से राज्योत्सव के साथ ही राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव

नवप्रदेश संवाददाता

5 दिन का होगा पूरा कार्यक्रम, दो दिन स्थानीय व तीन दिन छग के साथ ही अन्य राज्यों तथा विदेश से आने वाले कलाकार देंगे प्रस्तुति

रायपुर। अगले साल से राज्योत्सव के साथ ही तीन दिन के राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का आयोजन भी किया जाएगा। साइंस कॉलेज मैदान पर आयोजित राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के रविवार को हुए समापन समारोह में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने यह बड़ा ऐलान किया। वे कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि हर साल 1 नवंबर से तीन दिन का राज्योत्सव मनाया जाता है, जो अगले साल से पांच दिन का होगा। इसमें शुरू के दो दिन राज्योत्सव के तहत स्थानीय कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे जबकि बाकी के तीन राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव होगा। इसमें छत्तीसगढ़ के साथ ही देश के अन्य राज्यों के तथा विदेशी कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने अपना भाषण छत्तीसगढ़ी भाषा में ही दिया। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

विस अध्यक्ष डॉ. महंत बोले-यह अंतरराष्ट्रीय हो

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि व राज्य विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए मुख्यमंत्री बघेल, मंत्रिगणों व अफसरों को धन्यवाद दिया। उन्होंने समारोह के लोगो की ओर इशारा करते हुए कहा कि आगे से यहां राष्ट्रीय की जगह राष्ट्रीय लिखा होने के लिए प्रयास होने चाहिए। संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत ने स्वागत उद्बोधन दिया। मंच पर राज्य सरकार के मंत्री अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

विवाह व अन्य संस्कार वर्ग में छत्तीसगढ़ को पहला पुरस्कार

1. विवाह व अन्य संस्कार वर्ग में छत्तीसगढ़ के गौर माड़िया नृत्य दल को प्रथम पुरस्कार मिला है। जबकि इस वर्ग में तृतीय पुरस्कार (संयुक्त रूप से) प्राप्त किया है लद्दाख व सिक्किम ने। वहीं द्वितीय स्थान पर झारखंड रहा। सांत्वना पुरस्कार हिमाचल प्रदेश को दिया गया।
2. पारंपरिक त्योहार व अनुष्ठान वर्ग में सांत्वना पुरस्कार मध्यप्रदेश को दिया गया। तृतीय पुरस्कार संयुक्त रूप से आंध्र प्रदेश व महाराष्ट्र को प्राप्त हुआ है। इस वर्ग में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया है झारखंड ने। जबकि प्रथम पुरस्कार ■ शेष पृष्ठ 8 पर

आयोजन का महाराष्ट्र पर पड़ेगा प्रभाव : पटोले

समापन समारोह में बतौर अध्यक्ष मौजूद महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर नानाभाऊ पटोले ने कहा कि महाराष्ट्र छत्तीसगढ़ का पड़ोसी राज्य है। इस आयोजन का असर महाराष्ट्र पर भी पड़ेगा। महाराष्ट्र के 20 जिले आदिवासी बहुल हैं। हम महाराष्ट्र सरकार को ऐसे आयोजन करने के लिए सुझाव देंगे। पटोले ने इस आयोजन के लिए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। कहा कि ऊर्जावान मुख्यमंत्री बघेलजी की पहल से आदिवासियों की कला के संवर्धन में बड़ी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि नृत्य आदिवासियों की खास कला है, लेकिन युवा पीढ़ि में अब यह लुप्त होती जा रही है। छत्तीसगढ़ के राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के आयोजन से आदिवासी नृत्य का संवर्धन हो सकेगा। इससे आदिवासियों का

ये मिला पुरस्कार स्वरूप

प्रथम पुरस्कार- 5 लाख रु., प्रमाण पत्र व स्मृति चिह्न
द्वितीय पुरस्कार- 3 लाख रु., प्रमाण पत्र व स्मृति चिह्न
तृतीय पुरस्कार (संयुक्त)- 2 लाख रु., प्रमाण पत्र व स्मृति चिह्न
सांत्वना पुरस्कार- 25 हजार रु., प्रमाण पत्र व स्मृति चिह्न

सीएम हेमंत सोरेन की शपथ में एकजुट हुआ विपक्ष

■ सीएम भूपेश और सीएम ममता बैनर्जी की गुफ्तगू पर सब की नजर

रांची (ए.)। झामुमो नेता हेमंत सोरेन ने रविवार को झारखंड के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले ली। उन्हें रांची के मोरहाबादी मैदान में राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। समारोह में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी शामिल हुए। हेमंत सोरेन के अलावा कांग्रेस और आरजेडी के भी विधायकों ने मंत्री पद ■ शेष पृष्ठ 8 पर

ऐसे दिखाई विपक्ष ने ताकत

हेमंत के शपथ समारोह के दौरान मंच पर विपक्ष के तमाम बड़े नेता मौजूद रहे। नई सरकार के शपथ समारोह में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी, पूर्व राज्यसभा सांसद शरद यादव, राज्यसभा सांसद संजय सिंह, आरजेडी नेता तेजस्वी यादव, कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, सुबोध कांत सहाय, राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत समेत तमाम बड़े ■ शेष पृष्ठ 8 पर

सीएए का समर्थन, विधायक निलंबित

मायावती ने मप्र की बसपा एमएलए रमाबाई परिहार पर की कार्रवाई

नवप्रदेश ब्यूरो/भोपाल। बसपा प्रमुख मायावती ने रविवार को मध्य प्रदेश में अपनी विधायक रमाबाई परिहार को सीएए का समर्थन करने पर पार्टी से निलंबित कर दिया। मायावती ने इस मामले में ट्वीट कर कहा है कि पार्टी लाइन से अलग चलने को लेकर रमाबाई परिहार को पहले भी चेतावनी दी गई थी। माया ने कहा कि उनकी अनुशासनहीनता के चलते उन्हें पार्टी से निष्कासित किया जाता है। परिहार मध्य प्रदेश के पथेरिया से विधायक हैं। मायावती ने ट्वीट किया, 'बसपा अनुशासित पार्टी है और अनुशासन तोड़ने पर पार्टी के सांसद/विधायक आदि के खिलाफभी तुरंत कार्रवाई की जाती है। इसी क्रम में मध्य प्रदेश में पथेरिया से बीएसपी विधायक रमाबाई परिहार द्वारा सीएए का समर्थन करने पर उनको पार्टी से निलंबित कर दिया गया है।

खास खबर

श्रीलंकाई नौसेना ने किया 14 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार

पुड्डुकोट्टाई (वार्ता)। श्रीलंकाई नौसेना ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा का उल्लंघन कर अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में शनिवार रात 14 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया। तमिलनाडु मत्स्यिकी विभाग के अधिकारियों ने रविवार को मछुआरों की गिरफ्तारी की पुष्टि की और बताया कि गिरफ्तार किये गये सभी मछुआरे पुड्डुकोट्टाई जिले के जगदापत्तनम के निवासी थे। मछुआरों को डेल्फ्ट आईलैंड के उत्तर में समुद्र में मछली पकड़ने के दौरान गिरफ्तार किया गया।

देश में वही रहेंगे जो भारत माता की जय बोलेंगे : धर्मेंद्र प्रधान

पुणे(ए.)। केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने एनआरसी का विरोध करने वालों पर बड़ा हमला बोला है। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश में वे लोग ही रहेंगे, जो भारत माता की जय बोलेंगे। प्रधान ने यह बयान शनिवार को पुणे में आयोजित एक कार्यक्रम में दिया। वे भाजपा की छात्रा शाखा एबीवीपी के महाराष्ट्र स्टेट एनुअल कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। यह कॉन्फ्रेंस पुणे में 28 दिसंबर से शुरू हुई है और 30 दिसंबर तक चलेगी।

पेजावर मठ के प्रमुख विश्वेश तीर्थ स्वामी का निधन

उडुपी, (वार्ता)। कर्नाटक में पेजावर मठ के प्रमुख विश्वेश तीर्थ स्वामी का रविवार को निधन हो गया। वह 88 वर्ष के थे और काफी लंबे अर्से से अस्वस्थ चल रहे थे। सांस लेने में परेशानी की शिकायत के बाद उन्हें 20 दिसंबर को अस्पताल में भर्ती कराया गया था और तब से वह आईसीयू में थे। डॉक्टरों ने शनिवार को कहा था कि श्री तीर्थ की हालत गंभीर है।

प्रियंका को स्कूटी पर बिठाया, विधायक का कटा चालान

लखनऊ ए.। आम व्यक्ति हो या विशेष शख्सियत, कानून सबके लिए बराबर होना चाहिए। उत्तर प्रदेश की ट्रैफिक पुलिस ने राजस्थान के कांग्रेस विधायक धीरज गुर्जर पर 6,300 रुपये का जुर्माना लगाकर यही संदेश दिया है। गुर्जर ने शनिवार को कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी को बिठाकर हेल्मेट पहने बिना स्कूटी चलाई थी।प्रियंका गांधी कांग्रेस के 134वें स्थापना दिवस के मौके पर पार्टी की ओर से आयोजित संविधान 'बचाओ, देश बचाओ' कार्यक्रम का नेतृत्व करने लखनऊ में थीं।

कार्यक्रम के बाद वह स्कूटी पर बैठकर पूर्व आईपीएस एस आर दारापुरी के परिजन से मिलने पहुंचीं। दारापुरी को नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान हिंसा फैलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। स्कूटी राजस्थान के कांग्रेस विधायक धीरज गुर्जर चला रहे थे, लेकिन दोनों ने हेल्मेट नहीं पहन रखा था। अब ट्रैफिक पुलिस ने कानून की अवहेलना के लिए 6,300 रुपये का चालान काट दिया है। गौरतलब है कि सोशल मीडिया पर कई लोगों ने इस पर सवाल उठाया था।

प्रियंका से धक्कामुक्की, वाड्रा ने की निंदा

नई दिल्ली/नवप्रदेश। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के साथ उप्र पुलिस की धक्कामुक्की की उनके पति राबर्ट वाड्रा ने निंदा की है। उन्होंने इसके लिए उत्तर प्रदेश पुलिस की कड़े शब्दों में आलोचना की है। रॉबर्ट ने रविवार को ट्विटर पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए लिखा, 'महिला पुलिसकर्मियों ने प्रियंका से जैसी धक्का-मुक्की की है, मैं उससे बहुत व्यथित हूं। जहां एक महिला पुलिसकर्मी ■ शेष पृष्ठ 8 पर

केरल के राज्यपाल बोले- सुरक्षाकर्मी नहीं होते तो हमला कर देते हबीब

तिरुवनंतपुरम ए.। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने इंडियन हिस्ट्री कांग्रेस में हुए बवाल के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि अगर मंच पर सुरक्षाकर्मी मौजूद नहीं होते तो इतिहासकार इरफान हबीब उन पर हमला भी कर सकते थे।

गौरतलब है कि एक दिन पहले सीएए पर विचार रखते समय आरिफखान के भाषण को इरफान हबीब ने रोकने की कोशिश की थी। राज्यपाल ने शनिवार को हुई घटना के बारे में बताया, 'मंच पर मौजूद मलयाली साहित्य के प्रसिद्ध नाम शाहजहां मादमपर के विचार भी मुझसे अलग थे। वह मंच पर मौजूद सीनियर लोगों में से थे। मैंने उनसे कहा कि जो भी लोग विरोध और नारेबाजी कर रहे हैं, उन्हें मेरी तरफसे बातचीत का बुलावा भेजिए। वह गए और लौटकर बताया कि प्रदर्शनकारी बात करने नहीं, प्रदर्शन करने आए हैं। आरिफखान ने कहा, 'इसपर मैंने कहा कि जब आप बातचीत का दरवाजा बंद कर देते हैं तो फिर हिंसा और नफरत का माहौल शुरू हो जाता है।

गरमा-गरम

बड़ा सम्मान — **राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने नवाजा, अवॉर्ड ले बोले अमिताभ, अब आराम करूं?**

दादा साहब फाल्के पुरस्कार से 'बिग-बी' सम्मानित

नई दिल्ली (वार्ता)। बॉलिवुड के महानायक अमिताभ बच्चन को रविवार को प्रतिष्ठित दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम में उन्हें यह सम्मान दिया। अमिताभ बच्चन ने पुरस्कार लेने के बाद सभी का शुक्रिया अदा किया और यह भी साफ किया कि वह अभी रिटायर नहीं होने जा रहे हैं, अभी उन्हें काम मिल रहा है।

अमिताभ बच्चन ने कहा कि दादा साहब फाल्के पुरस्कार को देने की शुरुआत करीब 50 साल पहले हुई और मुझे इंडस्ट्री में काम करते हुए भी करीब 50 साल हो गए हैं। उन्होंने कहा, 'जब इस पुरस्कार की घोषणा हुई तो मेरे मन में एक संदेह उठा कि क्या कहीं ये संकेत है मेरे लिए कि भाई साहब ■ शेष पृष्ठ 8 पर

■ अमिताभ को अग्निपथ, ब्लैक, पा और पीकू सहित 4 नैशनल अवॉर्ड्स मिल चुके हैं

■ देश का दूसरा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान पद्म विभूषण भी हासिल

23 को समारोह में नहीं पहुंच पाए थे बच्चन

बता दें 23 दिसंबर को दिल्ली में आयोजित हुए 66वें राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में खराब तबियत के कारण अमिताभ बच्चन नहीं पहुंच सके थे। बिग बी ने ट्वीट कर कहा था, 'बुखार के कारण अस्वस्थ्य हूं। यात्रा की अनुमति नहीं है इसीलिए कल दिल्ली में राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में भाग नहीं ले सकूंगा।दुर्भाग्यपूर्ण, मुझे पछतावा है।

हिंसा नहीं फैलाएं, दें सुझाव : उपराष्ट्रपति

हैदराबाद/नई दिल्ली। क्या नागरिकता संशोधन कानून और राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर पर रायशुमारी के लिए विभिन्न मंचों पर नए सिरे से मंथन होगा? क्या सरकार विभिन्न समूहों के बीच विचार मंथन से बनी राय मानेगी? ऐसे सवाल इसलिए महत्वपूर्ण हो गए हैं क्योंकि उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन के बीच सीएए या एनपीआर जैसे नियमों एवं कानूनों के विरोध में हिंसा, तोड़फोड़ का रास्ता छोड़कर विचार-विमर्श का विकल्प अपनाने की सलाह दी है। नायडू ने कहा कि प्रदर्शनों में हिंसा की कोई जगह नहीं होनी चाहिए बल्कि ऐसे मुद्दों पर उच्चस्तरीय रचनात्मक विमर्श की जरूरत है। इतना ही नहीं, उपराष्ट्रपति ने केंद्र सरकार को भी विरोधियों की आशंकाओं को दूर करने की नसीहत दी। उन्होंने कहा, 'सीएए हो या एनपीआर, देश के लोगों को संवैधानिक सदनों (विधानमंडलों एवं संसद), बैठकों और मीडिया में इस बात पर प्रबुद्ध, सार्थक और रचनात्मक बहस करनी चाहिए कि यह कब आया, क्यों आया ■ शेष पृष्ठ 8 पर

हाड़ कंपकपाने वाली ठंड से 8 जनवरी तक राहत नहीं

- दिल्ली-एनसीआर में शीत लहर का कहर, 8 जनवरी तक राहत की उम्मीद नहीं
- 8 जनवरी तक तापमान सामान्य से 3 से 7 डिग्री तक कम बना रहेगा

नई दिल्ली (ए.)। ठंड हर रोज नए रेकॉर्ड तोड़ रही है। शनिवार को न सिर्फ इस सीजन की सबसे अधिक सर्दी रही, बल्कि 1992 के बाद पारा इतना नीचे गया। दिल्ली का न्यूनतम तापमान 2.4 डिग्री पर पहुंच गया, जोकि सामान्य से 5 डिग्री कम है। ऐसे में आपके मन में भी सवाल होगा कि इस शीत लहर से राहत कब मिलेगी तो जान लीजिए कि 8 जनवरी तक कोई उम्मीद नहीं है। मौसम विभाग ने साफ कर दिया है कि 8 जनवरी तक तापमान सामान्य से 3 से 7 डिग्री तक कम बना रहेगा। ठंड से बाकी जगहों का भी ऐसा ही हाल है। श्रीनगर में तापमान -5.8 डिग्री था। वहीं राजस्थान के सीकर में पारा -4 तक गिर गया था।

रेड अलर्ट जारी, रविवार सुबह कोहरा भी

रविवार को भी दिल्ली-एनसीआर में ठंड का कहर बना रहा। तापमान 6 बजे सुबह 5 डिग्री के करीब बना हुआ था। शीत लहर को देखते हुए मौसम विभाग ने शनिवार को ही रेड अलर्ट घोषित किया है। 8 जनवरी तक उत्तर और मध्य भारत में ऐसी ही ठंड बनी रहेगी। वहीं उससे अगले हफ्ते (9-15 जनवरी) की बात करें तो तापमान सामान्य से कम ही रहेगा। हालांकि, इतने आगे की मौसम विभाग की भविष्यवाणी कितनी सटीक होगी, इसपर संशय बना रहता है।

टूटेगा 118 साल का रेकॉर्ड

राजधानी में ठंड 118 साल का रेकॉर्ड तोड़ पाती है या नहीं यह देखना होगा। फिलहाल 28 दिसंबर तक अधिकतम औसत तापमान 19.2 डिग्री रहा है। यह 1901 से अबतक का दूसरा सबसे ठंडा दिसंबर होगा। सबसे ठंडा दिसंबर 1997 में हुआ था। तब औसत तापमान 17.3 डिग्री रहा था। दिल्ली में पिछले 15 दिनों से (14 दिसंबर से) शीतलहर का कहर जारी है। इसने 1997 के रेकॉर्ड को तोड़ दिया है। जब 13 दिन शीतलहर रही थी।

185 ट्रेनें लेट

दिल्ली के आसपास के इलाकों में कोहरे का असर यातायात पर भी है। रविवार को कोहरे की वजह से 185 ट्रेन लेट हैं। वहीं शनिवार को कोहरे के कारण ढ्ढत्रढ्ढ पर 150 से ज्यादा फ्लाइट्स लेट हुईं, 2 कैंसल करनी पड़ीं ,10 लैंड ही नहीं कर पाईं।

सीकर में तापमान -4, पेड़ पर बर्फ

मौसम पर बात करते हुए विभाग के प्रमुख मृत्युंजय महापात्रा ने कहा कि भविष्यवाणी के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर का तापमान अगले दो हफ्तों तक सामान्य से कम रहेगा। महापात्रा ने कहा कि उत्तरी मैदानी इलाकों में 31 दिसंबर से 3 जनवरी के बीच बारिश का भी अनुमान है। इस दौरान राजधानी में भी बारिश हो सकती है।

शीत लहर ने कैसे बनाया रेकॉर्ड

इसपर महापात्रा कहते हैं कि यह वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के आभाव की वजह से हुआ है। उन्होंने बताया, '11-12 जनवरी के बाद से कोई बड़ा वेस्टर्न डिस्टर्बेंस नहीं हुआ है। इसकी वजह से तापमान ज्यादा बदला नहीं है। इस वजह से शीतलहर इतना लंबे वक्त तक चल रही है।'

भाई की मौत की खबर मिलने के बाद भी प्रियंका गांधी की सुरक्षा में जुटी थीं सीओ अर्चना सिंह

लखनऊ(ए.)। परिवार में मौत पर उमड़ रही भावनाओं पर फर्ज को ऊपर रखते हुए सीओ अर्चना सिंह ने शनिवार को कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी की सुरक्षा व्यवस्था को संभाला। हालांकि ड्यूटी के दौरान हुए विवाद और प्रियंका गांधी की ओर से बदसलूकी और धक्कीमुक्की के आरोपों से अर्चना सिंह आहत हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शनिवार को ही उन्हें अपने चचेरे छोटे भाई की मौत की खबर मिली थी और वह उन्हें देखने के लिए जाना चाहती थीं। इसके लिए वह छुट्टी मांगने ही वाली थीं कि उन्हें प्रियंका की फ्लीट इंचार्ज के तौर पर तैनात कर दिया। भावनाओं पर फर्ज को तरजीह देते हुए अर्चना सिंह यह तय करने में जुट गईं कि किसी भी तरह से प्रियंका गांधी की सुरक्षा में कोई सेंध न लगे। इस संबंध में प्रकाशित एक मीडिया रिपोर्ट को ट्वीट करते हुए यूपी पुलिस ने इसकी पुष्टि की है।

बता दें कि प्रियंका गांधी की ओर से लगाए गए आरोपों को प्रशासन की ओर से भी खारिज किया गया था। लखनऊ के एसपी कलानिधि नैथानी ने कहा कि डॉ. अर्चना सिंह ने अडिशनल एसपी को सौंपी अपनी रिपोर्ट में प्रियंका गांधी की ओर से लगाए गए आरोपों को खारिज किया है।

एसपी सुप्रीमो अखिलेश यादव का बड़ा ऐलान, मैं एनपीआर फॉर्म नहीं भरूंगा

लखनऊ(ए.)। देशभर में एनआरसी को लेकर चल रही तीखी बहस और विरोध प्रदर्शनों के बीच समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ऐलान किया है कि वह नैशनल पॉपुलेशन रजिस्टर (एनपीआर) में अपना पंजीकरण नहीं कराएंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी यह नहीं तय करेगी कि कौन भारत का नागरिक है और कौन नहीं। उन्होंने कहा कि नौजवानों को रोजगार चाहिए न कि एनपीआर। एसपी अध्यक्ष अखिलेश ने रविवार को मीडिया से बातचीत में कहा, 'आजकल ब्रेकिंग न्यूज चल रही है चश्मा। नौजवान आज सब समझ रहे हैं। समाजवादी मुकदमे से नहीं डरते। जब सीएम अपने मुकदमे वापस ले रहे हैं, तब मुकदमे किया जा रहा है।' उन्होंने कहा कि राज्य में सरकार बनते ही नौजवानों के ऊपर लादे गए मुदकमे हम वापस लेंगे।

युवाओं को अराजकता से नफरत है: मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यक्रम 'मन की बात' में कही यह बात

- उन्होंने कहा- आने वाले दशक की जिम्मेदारी 21वीं सदी में जन्में युवाओं की

नई दिल्ली(ए.)। पीएम मोदी ने अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा कि देश का युवा अराजकता पसंद नहीं करता है। उन्होंने कहा कि अव्यवस्था और अस्थिरता के प्रति देश के युवा के मन में चिढ़ है। पिछले दिनों सीएए को लेकर हुए हिंसक प्रदर्शनों में छात्रों का जिक्र आने के बाद पीएम का यह संबोधन उस संदर्भ में देखा जा रहा है।

पीएम मोदी ने कहा, 'आने वाले दशक को गति देने में वे लोग ज्यादा सक्रिय भूमिका निभाएंगे जो जिनका जन्म 21वीं सदी में हुआ है। जो इस सदी के महत्वपूर्ण मुद्दों को समझते हुए बड़े हुए हैं। ऐसे युवाओं को आज बहुत सारे नामों से पहचाना जाता है। कुछ लोग इन्हें मिलेनियल कहते हैं तो कुछ जेन जेड या जनरेशन जेड के नाम से जानते हैं। एक बात तो लोगों के दिमाग में फिट हो गई है कि ये सोशल मीडिया जनरेशन है। हम सब अनुभव करते हैं कि हमारी यह पीढ़ी बहुत प्रतिभाशाली है। कुछ अलग करने का उसका ख्वाब रहता है।'

पीएम ने कहा, 'इस पीढ़ी की अपनी सोच भी होती है। सबसे बड़ी खुशी की बात यह है कि इन दिनों युवा सिसस्टम को पसंद करते हैं। वे सिस्टम को फॉलो करना भी पसंद करते हैं, लेकिन अगर सिस्टम कहीं ठीक ढंग से रेस्पॉन्ड न करे तो वे बेचैन भी हो जाते हैं और हिम्मत के साथ सिस्टम को सवाल भी करते हैं। मैं इसे बेहद अच्छा मानता हूं। एक बात तो तय है कि हमारे देश के युवाओं को अराजकता के प्रति नफरत है। अव्यवस्था और अस्थिरता के प्रति उनके मन में चिढ़ है। वे परिवारवाद, जातिवाद, अपना-पराया, स्त्री-पुरूष जैसे भेदभाव को पसंद नहीं करते हैं।'

पीएम ने कहा, 'ऐसा कई बार देखा गया है कि एयरपोर्ट पर या सिनेमा हॉल में कोई कतार तोड़ने की कोशिश करता है तो सबसे पहले युवा ही इसका विरोध करते हैं। यह एक नई प्रकार की व्यवस्था, नए प्रकार का युग है। आज भारत को इस पीढ़ी से बहुत उम्मीद है। स्वामी विवेकानंद ने भी युवाओं में ही विश्वास जताया था। इन्हीं मे से मेरे कार्यकर्ता निकलेंगे।'

बता दें कि पिछले दिनों नागरिकता (संशोधन) अधिनियम को लेकर देश के कई हिस्सों में हिंसक प्रदर्शन देखने को मिले। जामिया मिलिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी और अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में भी छात्रों ने काफी उग्र प्रदर्शन किया था।

मन की बात: भैरोगंज से करगिल तक, इन युवाओं के जज्बे के मुरीद हुए पीएम नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली/श्रीनगर(ए.)। साल 2019 में अपनी आखिरी मन की बात में पीएम मोदी ने देश के युवाओं के जज्बे की सराहना करते हुए उनकी कोशिशों की तारीफ की। एक ओर जहां पीएम ने बिहार के भैरोगंज में एक हाई स्कूल के बच्चों द्वारा लगाए गए फ्री हेल्थ कैंप को सराहा। वहीं जम्मू-कश्मीर में युवाओं के हित में चलाए जा रहे हिमायत प्रॉजेक्ट की भी तारीफ की।

पीएम ने बिहार के भैरोगंज में पूर्व छात्रों द्वारा आयोजित की गई एक एल्युमिनाई मीट का जिक्र करते हुए पूर्व छात्रों के जज्बे को सराहा। पीएम मोदी ने मन की बात के दौरान कहा कि बिहार के पश्चिम चंपारण भैरवगंज हेल्थ सेंटर में एक स्कूल के पूर्व छात्रों ने हेल्थ कैंप लगाया था। 1995 के इन छात्रों ने हेल्थ कैंप लगाया तो यहां सैकड़ों लोग इलाज कराने के लिए चले आए। पीएम ने सराहना करते हुए कहा कि यह एक बेहद अच्छा कदम है।

साल की आखिरी मन की बात में यह बोले मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम के जरिए देशवासियों से बात की। अपने 60वें मन की बात कार्यक्रम में मोदी ने संशोधित नागरिकता कानून के विरोध में हुए बवाल का जिक्र किया। कहा कि आज का युवा अराजकता को पसंद नहीं करता। हालांकि, मोदी ने एनआरसी, एनपीआर आदि पर बात नहीं की। यह इस साल का आखिरी मन की बात कार्यक्रम था। नरेंद्र मोदी सरकार में आने के बाद से मन की बात कार्यक्रम करते रहे हैं। इसमें वह देश को संबोधित करते हैं।

मोदी के Mann Ki Baat की बड़ी बातें

-पिछले 6 महीने में 17वीं लोकसभा के दोनों सदन बहुत ही उत्पादक रहे। लोकसभा ने 114% काम किया, तो राज्यसभा ने 94ब काम किया। मैं दोनों सदनों के पीठासीन अधिकारियों, सभी राजनैतिक दलों और सभी सांसदों को उनकी सक्रिय भूमिका के लिए बधाई देना चाहता हूं।

-पीएम मोदी और बेल्जियम के प्रधानमंत्री चार्ल्स माइकल ने 30 मार्च 2016 को रिमोट के जरिए इसका उद्घाटन किया था। यह नाम आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (ARIES) है। यह उत्तराखंड में नैनीताल के पास देवस्थल में स्थित है।

सूर्यग्रहण का जिस्र5

सूर्यग्रहण को लेकर mygov.in पर रिपुन ने बहुत दिलचस्प कॉमेंट लिखा। उन्होंने लिखा कि मैं नॉर्थ ईस्ट का रहने वाला हूं। इन दिनों साउथ में रहता हूं। हमारे क्षेत्र में आसमान साफहोने के कारण हम आसमान में टकटकी लगाए रहते थे। जॉब के बाद अब समय नहीं निकाल पाता हूं। क्या इस विषय पर बात कर सकते हैं कि एस्ट्रॉनमी को युवाओं के बीच कैसे पॉप्युलर कर सकते हैं।' मोदी ने आगे कहा, 'मेरे पास इस तरह का सुझाव पहली बार आया। 26 तारीख को युवाओं की तरह मेरे मन में भी उत्साह था। अफसोस कि दिल्ली में बादल के कारण मैं यह नजारा देख नहीं पाया। हालांकि टीवी पर कोझिकोड़ और भारत के दूसरे हिस्सों में ग्रहण की तस्वीरें देखने का मिलीं। एक्सपर्ट ने बताया कि ऐसा इसलिए होता है क्योंकि चंद्रमा पृथ्वी से काफी दूर होता है, इसलिए इसका आकार पूरी तरह से सूर्य को ढक नहीं पाता। इसलिए एक रिंग बन जाता है। ग्रहण हमें इस बात की याद दिलाते हैं कि हम पृथ्वी पर रहकर अंतरिक्ष में घूम रहे हैं।'

-मोदी ने परवीन फातिमा का जिक्र किया। वह करगिल की हैं, फिलहाल तमिलनाडु में सुपरवाइजर की नौकरी कर रही हैं। यह हिमायत की वजह से हुआ। ऐसे ही फय्याज अहमद परेशानियों के घिरे थे। हिमायत से मदद मिली। आज पंजाब में नौकरी कर रहे हैं।

सऊदी अरब के कश्मीर पर समिट बुलाने को लेकर ओवैसी का पीएम नरेंद्र मोदी पर वार

हैदराबाद(ए.)। जम्मू-कश्मीर को लेकर सऊदी अरब की ओर समिट बुलाए जाने के फैसले पर असदुद्दीन ओवैसी ने मोदी सरकार पर हमला बोला है। ओवैसी ने ट्वीट कर पीएम मोदी पर वार करते हुए कहा कि उन्होंने भारतीय मुस्लिमों के मुद्दों का अंतरराष्ट्रीयकरण कर दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसा करते हुए पीएम मोदी ने सऊदी अरब और संयुक्त राष्ट्र के साथ देश के आर्थिक संबंधों का भी गलत आकलन किया है।

उन्होंने ट्वीट किया, 'मोगी ने भारतीय मुस्लिमों के मुद्दों का अंतराष्ट्रीयकरण कर दिया है। लेकिन ऐसा लगता है कि उन्होंने सऊदी अरब और यूएई के साथ आर्थिक संबंधों का गलत आकलन किया है।' सऊदी अरब और यूएई के लिए ओवैसी ने स्ब्ढ्ढ/स्न टर्म का इस्तेमाल किया है, जिसका मतलब सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और यूएई के सुल्तान मोहम्मद बिन जायद अल नाहन से है। ओवैसी ने कहा कि अब मुस्लिम जगत में कश्मीर को लेकर चर्चा हो रही है। इसके अलावा नागरिकता संशोधन कानून, नैशनल पॉप्युलेशन रजिस्टर और नैशनल रजिस्टर ऑफसिटिजंस पर भी चर्चा हो रही है।

कश्मीर पर समिट का आयोजन करेगा सऊदी अरब, भारत से बिगड़ सकते हैं संबंध

मलयेशिया की ओर से आयोजित इस्लामिक समिट से पाक के दूरी बनाने के एवज में सऊदी अरब ने यह फैसला लिया है

नई दिल्ली(ए.)। भारत के साथ मित्रतापूर्ण संबंध रखने वाले सऊदी अरब के साथ रिश्तों में तनाव देखने को मिल सकता है। सऊदी अरब ने कश्मीर के मुद्दे पर ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन की समिट बुलाने का फैसला लिया है। इसमें इस्लामिक संगठन से जुड़े देशों के विदेश मंत्री शामिल होंगे। माना जा रहा है कि पिछले सप्ताह ही मलयेशिया की ओर से आयोजित इस्लामिक समिट से पाक के दूरी बनाने के एवज में सऊदी अरब ने यह फैसला लिया है। सऊदी अरब और यूएई ने इस समिट से दूर रहने का फैसला लिया था।

इसी सप्ताह सऊदी अरब के विदेश मंत्री फैसल बिन फरहाद अल-सऊद ने अपने इस्लामाबाद दौरे में पाकिस्तान सरकार को इस समिट के बारे में जानकारी दी है। कहा जा रहा है कि पिछले सप्ताह कुआलालाम्पुर में मलयेशियाई पीएम महातिर मोहम्मद की अध्यक्षता में बुलाई गई मीटिंग से पाक ने भी किनारा कर लिया था। सऊदी अरब मलयेशिया की इस कोशिश को इस्लामिक ऑर्गनाइजेशन के समानांतर संगठन खड़ा करने का प्रयास मान रहा है।

मलयेशिया की ओर से आयोजित समिट में तुर्की के पीएम रेसेप तैयप एर्दोगन के अलावा पाकिस्तान भी मुख्य तौर पर शामिल था, लेकिन ऐन वक्त पर दूरी बना ली। दुनिया भर में मुस्लिमों से जुड़े मुद्दों पर आयोजित समिट में ईरान के राष्ट्रपति हसन रूहानी की मौजूदगी भी सऊदी अरब के लिए दूरी बनाने की एक वजह थी।

मेरठ के एसपी का 'पाक जाओ' बयान: केशव मौर्या ने किया बचाव, नकवी बोले निंदनीय

- उत्तर प्रदेश के मेरठ शहर के एसपी अखिलेश नारायण सिंह के बयान पर अब बीजेपी में ही दो स्वर सुनाई देने लगे हैं
- एसपी के बयान की चौतरफा निंदा होते देख मुख्तार अब्बास नकवी ने सिटी एसपी के खिलाफकार्रवाई की मांग की

लखनऊ(ए.)। उत्तर प्रदेश के मेरठ शहर के एसपी अखिलेश नारायण सिंह के बयान पर अब बीजेपी में ही दो स्वर सुनाई देने लगे हैं। एसपी के बयान की चौतरफा निंदा होते देख बीजेपी नेता और केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने सिटी एसपी के खिलाफकार्रवाई की मांग की है। वहीं उत्तर प्रदेश के डेप्युटी सीएम केशव मौर्या ने एसपी का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि एसपी सिटी ने सभी मुस्लिमों के बारे में नहीं कहा था।

मुख्तार अब्बास नकवी ने मेरठ के एसपी सिटी के विवादास्पद बयान पर कहा, 'अगर किसी पुलिसकर्मी ने ऐसा किया है, तो उसपर कार्रवाई होनी चाहिए। इस बात की जांच होनी चाहिए। पुलिसकर्मियों का काम शांति बहाल करना होता है।' बता दें कि सोशल मीडिया पर वायरल विडियो में मेरठ के एसपी सिटी अखिलेश नारायण सिंह लोगों को धमकाते हुए दिख रहे हैं। विडियो में वह कह रहे हैं, 'इस गली को ठीक कर दूंगा मैं, एक-एक घर के एक-एक आदमी को जेल में बंद करूंगा मैं, बर्बाद करके रख दूंगा करियर। खाते यहां का हो और गाते कहीं और का हो।'

एसपी सिटी का बयान गलत नहीं: केशव

विडियो में वह कथित रूप से यह कहते भी सुने जा रहे हैं कि विरोध में काली-पीली पट्टी बांधने वाले पाकिस्तान चले जाओ। उधर, यूपी के डेप्युटी सीएम केशव प्रसाद मौर्या ने एसपी का बचाव किया है। केशव ने कहा, 'उन्होंने (एसपी ने) सभी मुस्लिमों के बारे में यह नहीं कहा था। जो लोग पत्थरबाजी के दौरान पाकिस्तान के समर्थन में नारे लगा रहे थे, उन्हें कहा था। जो लोग इस तरह की गतिविधि में शामिल हैं, उनके लिए एसपी सिटी का बयान गलत नहीं है।'

मांग | 70 साल तक चले अदालती विवाद के बाद कोर्ट ने विवादित जमीन को हिंदुओं का बताया था

बाबरी मस्जिद के मलबे पर अपना दावा करेगा मुस्लिम पक्ष

- इस बीच हिंदू पक्ष ने मस्जिद के मलबे को मुस्लिमों को देने पर अपनी कोई आपत्ति नहीं जताई है

अयोध्या(वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट में अयोध्या विवाद में मुकदमा हार जाने के बाद मुस्लिम पक्ष ने बाबरी मस्जिद के मलबे और नींव पर अपना दावा करने का फैसला किया है। करीब 70 साल तक चले अदालती विवाद के बाद सुप्रीम कोर्ट ने विवादित जमीन को हिंदुओं का बताया था। उधर, हिंदू पक्ष ने भी इस पर अपनी कोई आपत्ति नहीं

जताई है। बता दें कि बाबरी मस्जिद को 6 दिसंबर को ढ्हा दिया गया था। रामलला विराजमान के सखा (पक्षकार) त्रिलोकी नाथ पांडे ने कहा, 'वे मलबे को ले जा सकते हैं, क्योंकि यह उनका है। हमें कोई आपत्ति नहीं है। यह भाईचारे और सांप्रदायिक सौहार्द का प्रतीक होगा।' ऑल इंडिया मिल्ली काउंसिल के महासचिव खालिक अहमद खान ने कहा, 'हम बाबरी मस्जिद के मलबे और नींव पर अपना दावा करेंगे क्योंकि ढांचा मुस्लिमों का है।'

'मस्जिद के बदले हम कोई जमीन सरकार से नहीं'

खान ने कहा, 'सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार किया है कि मुस्लिमों ने मस्जिद के अंदर 300 साल से ज्यादा समय तक नमाज अदा की थी।' यह पूछे जाने पर कि क्या वे मलबे को सुप्रीम कोर्ट की ओर से दी जाने वाली 5 एकड़ जमीन पर ले जाएंगे तो मुस्लिम पक्ष ने कहा कि बाबरी मस्जिद के बदले हम कोई जमीन सरकार से नहीं लेंगे। जमीन के इंतजाम का मुद्दा ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की बैठक में लिया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने साफकिया राम मंदिर का रास्ता

गौरतलब है कि अयोध्या के 70 साल पुराने केस पर बहुप्रतीक्षित फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 2.77 एकड़ की विवादित भूमि पर राम मंदिर निर्माण का फैसला दिया है। कोर्ट ने सुन्नी वक्फबोर्ड को दूसरी जगह पर 5 एकड़ वैकल्पिक भूमि दिए जाने आदेश दिया है। शीर्ष अदालत ने राम मंदिर के निर्माण के लिए केंद्र सरकार को तीन महीने के अंदर एक ट्रस्ट के गठन का आदेश दिया है।

बातों...बातों में...

सुकांत राजपूत

सबक लेना जरुरी

सूबे में भाजपा की 15 साल की सरकार को उखाड़ फेंकना जितना सूबा-ऐ-सदर के लिए एक चुनौती था। उससे भी बड़ी चुनौती अपने मंत्री मंडल के चंद भोले भंडारी मंत्रियों को समझाना है कि निकाय चुनाव के परिणामों से चेत जाएं। सिर्फ मंत्री ही नहीं कांग्रेस के जिन लोकप्रिय विधायकों ने भाजपा के मंत्रियों को शिकस्त दे जीते उन्हीं के इलाकों में कांग्रेस को भाजपा ने निकाय चुनाव में नेट टू नेट टक्कर दी है। महज एक साल के कार्यकाल में सीएम की पूरी मेहनत को उनके मंत्री-विधायक जनता के बीच लेकर नहीं पहुंच पाए हैं। नगरीय निकाय चुनाव का तो खैर परिणाम आ ही गया है और ले-दे कर महापौर-अध्यक्ष भी पार्टी बना ही लेगी, लेकिन अब बारी है जनता को समझने की और परिणामों से सबक लेने की।

मंत्रियों में मनमुटाव

कोरबा में नगरीय निकाय चुनाव के परिणाम आने से कांग्रेस प्रत्याशियों को भाजपा ने जो पसीना छुड़वाया वो अब कुछ इस तरह क्षेत्र के मंत्री की जुबान से निकल रहा है। बीते दिनों चुनाव परिणाम आने के बाद कोरबा में पार्टी के कई चेहतों की हार-जीत पर बेबाक बयान दे दिया। राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने पार्टी के पिछड़ने का ठीकरा बिना सोचे-समझे पुलिस पर फोड़ दिया। मंत्री ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने कांग्रेस पार्टी के पार्षदों को हराने का काम किया। राजस्व मंत्री के इस चौंकाने वाले आरोप के बाद गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू पुलिस के बचाव में फौरन उतर आए और राजस्व मंत्री के बयान पर आश्चर्य प्रकट किया। अपने बयान में गृहमंत्री ने कहा कि पता नहीं जिम्मेदार मंत्री ने ऐसा बयान कैसे दिया। वे बोले, पुलिस ऐसा काम नहीं कर सकती, पुलिस हराने और जिताने का काम नहीं करती। सूबे के दो मंत्रियों के इस बयान से लगने लगा है कि आपस में मनमुटाव बढ़ने लगा है।

माकूल जवाब देंगे

नगरीय निकाय चुनाव में जहां सत्ताधारी पार्टी का प्रदर्शन उम्मीद से परे आया उन इलाकों के प्रभारी मंत्रियों में सीएम का सामना करने की हिम्मत नहीं हो रही है। सीएम भूपेश से मुलाकात के पहले ही निकाय चुनाव में खराब प्रदर्शन का जवाब भी तलाशने के लिए मंत्रियों को विशेषज्ञों की मदद लेना पड़ रहा है। माकूल जवाब की तलाश में ऐसे चुनिंदा सत्ताधारी भी हैं जो विधानसभा में खामोशी ओढ़े बैठते हैं। जवाब वहां भी देते नहीं बनता और अब चुनाव परिणाम के बाद अब सीएम को क्या बोलें यह जवाब नहीं सूझ रहा। सालभर की सरकार के कामकाज में सीएम तो पास हैं पर मंत्रियों का रिपोर्ट कार्ड बनने से पहले ही चुनाव के परिणाम घबराहट पैदा कर रहे हैं। वैसे भी साल निकल गया, सहीं मायने में भूपेश सरकार के लिए काम करके दिखाने का महज 3 साल और बचा है। पांचवें साल में तो चुनावी तैयारी व कई मामले होंगे जो मुद्दा बनेंगे। खौफ मंत्रियों को यह भी है कि कहीं मीनिस्टर ऑन क्यू कई एक्सपर्ट बैठे हैं जिन्हें सीटिंग मीनिस्टर जानते भी हैं और फिर सीएम की सख्ती से भी वे वाकिफ हैं ही।

टिकट की हांव-हांव

सीएम भूपेश बघेल के अथक प्रयासों से विधानसभा चुनाव में जीत का इतिहास बनाने वाली पार्टी कांग्रेस का नगरीय निकाय

चुनाव में उम्मीद से कमतर परिणाम पर पंचायत चुनाव के बाद विस्तृत चर्चा होनी है। शहरी निकायों में अपने-अपने प्रत्याशियों को टिकट दिलाने अड़ने वाले विधायक-मंत्रियों की भी खैर नहीं। सभी की कुंडली तैयार है, किसने कितनों के लिए सिफारिश की और कौन हारा, कौन जीता। सिर्फ भाजपा ही नहीं बल्कि कई निकायों में जोगी पार्टी व निर्दलीय भी बाजी मार गए और कांग्रेस प्रत्याशी निपट गया। अब पंचायतों में चुनाव के लिए फिर टिकट मांगने वाले पार्टी नेताओं को उनका यही रिपोर्ट कार्ड खामोश रखेगा। दाऊ फिलहाल चुप्प हैं और पंचायत चुनाव के परिणामों को पार्टी के फेवर में लाने का प्लान बना चुके हैं। इसका यह मतलब नहीं कि टिकट के लिए बैठक में हांव-हांव करने वाले बख्शे जाएंगे।

रायपुर (नवप्रदेश)। प्रकाश पर्व के अवसर पर गोविंद नगर गुरुद्वारा से निकला शब्द कीर्तन जुलूस

फोटो- महादेव तिवारी

आदिवासियों के अधिकारों के लिए एकजुट होना होगा : मंत्री लखमा

राष्ट्रीय शोध-संगोष्ठी समापन पर शोधार्थियों ने किया शोध पत्रों का वाचन

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। राष्ट्रीय शोध-संगोष्ठी आदिवासी अस्मिताः कल, आज और कल, के तीसरे दिन प्रदेश के आबकारी मंत्री श्री कवासी लखमा ने कहा कि आदिवासियों के और अधिकारों के लिए एकजुट होना होगा। प्रदेश प्राकृतिक संसाधनों और खनिज संपदा सम्पन्न हैं, जो प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण कड़ी है। आदिवासी प्राकृतिक संसाधनों को सहजने का कार्य करते हैं, लेकिन अधिकांश जगहों पर आदिवासियों को अपनी जमीन का पट्टा नहीं बन पाया है। शासन ने सभी को जमीन का पट्टा देने का निर्णय लिया है। माननीय सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले से 10 लाख 80 हजार आदिवासियों को जंगल से बेदखल करने का आदेश से आदिवासी व्यथित है। मंत्री श्री लखमा ने कहा कि इस आदेश से छत्तीसगढ में 2 लाख 80 हजार आदिवासी भी प्रभावित हो रहे हैं। इस आदेश के खिलाफसुप्रीम कोर्ट में छत्तीसगढ़ सरकार ने स्टे लिया है। मंत्री श्री लखमा ने कहा कि आदिवासी प्रकृति पर आधारित फसल बोने से लेकर काटने और शादी जैसे रस्मों को उत्सव के रुप में मनाते हैं। इस तरह की शोध संगोष्ठी् का आयोजन बस्तर और सरगुजा संभाग में भी आयोजित किया जाएं। कार्यक्रम में विधानसभा उपाध्यक्ष श्री मनोज मंडावी भी उपस्थित रहें।

मासिक पत्रिका 'गोडवाना स्वदेश' के तत्वधान में 27 से 29 दिसंबर तक आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय शोध-संगोष्ठी गढ़बों नवा छत्तीसगढ़ के थीम पर आधारित ÷आदिवासी अस्मिताः कल, आज और कल÷ विषय पर देश भर के विश्वविद्यालयों से आए प्रोफेसर, शोधार्थी एवं बुद्धजीवीगण अपने शोध-आलेख एवं आदिवासी समस्याओं के चिंतन पर मंथन करने शामिल हुये हैं। आज संगोष्ठी का तीसरा और समापन का दिन रहा है ।

कार्यक्रम के आयोजन में छत्तीसगढ़ शासन के 'संस्कृति विभाग' एवं 'आदिमजाति विकास विभाग' का विशेष सहयोग रहा। गढ़बों नवा छत्तीसगढ़ के नवसृजन के लिए प्रतिबद्ध प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और संस्कृति एवं खाद्य मंत्री अमरजीत भगत के मार्गदर्शन में आदिवासी अस्मिताः कल, आज और कल पर आधारित राष्ट्रीय स्तर पर पहली बार रायपुर में शोध-संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। इस संगोष्ठी में देश के प्रख्यात केंद्रीय विश्वविद्यालय जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय दिल्ली, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय आदिवासी विश्वविद्यालय अमरकंटक, टाटा इन्स्टीट्यूट ऑफ सोसल साइंस मुंबई, महात्मा गांधी

शासन का ध्येय किसानों की संतुष्टि : टेकाम

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने आज यहां जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक कार्यालय के सभाकक्ष में धान खरीदी की समीक्षा करते हुए कहा कि धान उपार्जन का कार्य राज्य सरकार के सर्वोच्च प्राथमिकता में है। उन्होंने कहा कि शासन का ध्येय किसानों की संतुष्टि है।

सहकारिता मंत्री ने बैठक में उपस्थित सहकारिता विभाग के अधिकारियों, शाखा प्रबंधकों, उप पंजीयक सहकारी समिति और बैंक के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश के सभी खरीदी केन्द्रों में सही स्टेकिंग और पर्याप्त एवं सही ड्रेनेज की व्यवस्था सुनिश्चित हो। किसानों का भुगतान सुविधाप्रद और समय पर होना चाहिए। बारदानों की पर्याप्त व्यवस्था रखी जाए। बारदाना और धान का स्टाक गणना योग्य रखा जाए। डॉ. टेकाम ने रायपुर बैंक के कार्य क्षेत्र के पांच राजस्व जिलों रायपुर, धमतरी, महासमुंद, गरियाबंद, बलौदाबाजार-भाटापारा के सभी बैंक अधिकारियों को धान उपार्जन की व्यवस्था और काम-काज के संचालन को व्यवस्थित और श्रेष्ठ करने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने समीक्षा के दौरान यह भी कहा कि धान उपार्जन का कार्य सबसे महत्वपूर्ण हैं। अतः सभी संबंधित अधिकारी और कर्मचारी सावधानीपूर्वक धान उपार्जन का कार्य और दायित्व का भली-भांति निर्वहन करना सुनिश्चित करें।

बैठक में धान खरीदी माड्यूल में किसान खाता सुधार की स्थिति, रबी ऋण वितरण की स्थिति, बैंक स्तर, समिति स्तर और पूर्ववर्ती बैंक की मांग वसूली की समीक्षा की गई।

बहु-बेटे ने वयोवृद्ध मां को घर से निकाला

पुलिस नही ंकर रही कार्यवाही

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। जिस मां ने अपनी कोख में 9 माह रखकर पुत्र का जन्म दिया, वही पुत्र मां का बुढ़ापे में सहारा बनने के बजाए पत्नी के कहने में आकर वयोवृद्ध मां को घर से निकाल दे तो इससे ज्यादा निंदनीय कुछ नहीं हो सकता। स्वर्गीय पीएन सिंह पूर्व प्राध्यापक हार्टीकल्चर डिपार्टमेंट की वयोवृद्ध पत्नी श्रीमती दुर्गावती सिंह ने आज प्रेसक्लब पहुंचकर उनके बहु बेटे द्वारा अपंग मां को घर से निकालने की व्यथा फूट-फूटकर रोते हुए व्यक्त की। श्रीमती सिंह ने बताया कि उनके स्वर्गीय पति ने प्रोफेसर कालोनी जोरा में छोटी-छोटी बचत कर मकान का निर्माण करवाया था। मृत्यु से पूर्व वे दुर्घटनाग्रस्त हो गए थे। उसी दुर्घटना में श्रीमती सिंह भी अपंग हो गईं। आज जब उन्हें सहारे की जरूरत है तब पुत्र द्वारा बहु के कहने में आकर मां को शारीरिक एवं मानसिक प्रताड़ना दी जा रही है। वर्तमान समय में वे अपनी पुत्री के साथ कोरबा में निवासरत हैं। इस संबंध में श्रीमती सिंह ने पुलिस अधीक्षक रायपुर को बहु बेटे द्वारा घर से निकाले जाने की शिकायत की थी, उस पर अब तक संबंधित थाने द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई है। श्रीमती सिंह ने बहु पर आरोप लगाया कि वे अपने पिता राजसिंह एवं उनके भाई जो वर्तमान समय में छत्तीसगढ़ शासन में नायब तहसीलदार के पद पर पदस्थ हैं के बहकावे में आकर उनके पति द्वारा बनाए गए मकान से उन्हें निकाल दी है। उन्होंने बताया कि शारीरिक अस्वस्थ्यता के चलते उन्हें चलने फिरने में काफी तकलीफ होती है। बहु द्वारा मकान में रहने के दौरान बुढ़िया को जल्दी बाहर निकालो कहकर रोज शोर-शराबा किया जाता था। पुत्र निजी कंपनी में सेक्युरिटी गार्ड का काम करता है। वह भी अपनी पत्नी के कहने में आकर उन्हें घर में रखने के लिए तैयार नहीं है।

सामाजिक पहल

कालीबाड़ी रविंद्र मंच में कठवाड़ा समाज द्वारा युवक-युवती परिचय सम्मेलन आयोजित किया गया।

न्यू-ईयर नववर्ष पर विभिन्न इवेंट कंपनियां शहर में लोगों का करेंगी मनोरंजन

31 दिसंबर की तैयारियां अंतिम चरणों में, हुड़दंगियों पर पुलिस की रहेगी नजर

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी 31 दिसंबर की तैयारियां युवाओं द्वारा जोर शोर की जा रही है। 31 दिसंबर मनाने के लिए युवाओं की टोली 31 की शाम को ही आसपास के पर्यटनस्थलों के लिए रवाना होगी। वहीं नया रायपुर आउटर विभिन्न माल्स बड़े होटल्स आदि में मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई से प्रख्यात इवेंट कंपनियां सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए बहुआयामी प्रस्तुतियां पेश करेंगी। इस हेतु बड़े होटल्स में बकायदा पास के साथ ही कपल्स के लिए टिकिट बिक्री आदि के लिए शहर में अनेक स्थानों पर काउंटर बनाये हैं। नववर्ष के अवसर पर वरिष्ठ नागरिकों द्वारा 1 जनवरी की सुबह मंदिरों में भगवान के दर्शन कर परिवार सहित प्रदेश की खुशहाली के लिए विशेष पूजा किए जाने की जानकारी भी मिली है।

31 दिसंबर एवं नव वर्ष के अवसर पर होने वाले विभिन्न आयोजनों को देखते हुए पुलिस महानिदेशक ने सभी रेंज के पुलिस महानिरीक्षकों एवं पुलिस अधीक्षकों को शांति व्यवस्था कायम करने के लिए विशेष निर्देश दिए हैं।

नया रायपुर शहर के आउटर आदि पर पुलिस गश्त में बड़ी संख्या में जवान तैनात होंगे। वहीं नव वर्ष के दिन एक जनवरी को पुलिस प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार की अप्रिय वारदात रोकने के लिए डीजी द्वारा निर्देश दिए गए हैं। नव वर्ष के समस्त आयोजनों पर 31 दिसंबर एवं 1 जनवरी को पुलिस प्रशासन की हुड़दंगियों पर नजर रहेंगी। पीकर वाहन चलाने वालों एवं हुड़दंग कर अशांति पैदा करने वाले तत्वों के खिलाफ पुलिस तत्काल कार्रवाई करेगी। इधर पुलिस अधीक्षक रायपुर ने युवाओं से सुनसान स्थान में न जाने की अपील की है। पार्क एवं जंगल सफारी, मुक्तांगन में बड़ी संख्या में आने वाले लोगों की सुरक्षा के लिए भी पुलिस प्रशासन द्वारा विशेष इंतजाम किए गए हैं।

प्रदेश राजपत्रित अधिकारी संघ द्वारा प्रकाशित कैलेंडर का मंत्री रविन्द्र चौबे ने किया विमोचन

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के वरिष्ठ मंत्री रविन्द्र चौबे ने शंकर नगर स्थित निवास में छत्तीसगढ़ प्रदेश राजपत्रित अधिकारी संघ एवं शासकीय संयुक्त कर्मचारी संघ द्वारा प्रकाशित कैलेंडर वर्ष 2020 का विमोचन किया।साथ ही उन्होंने राजपत्रित अधिकारी संघ के प्रांताध्यक्ष कमल वर्मा को संग्रहणीय प्रकाशन के लिए शुभकामनाएं दी।इस दौरान उन्होंने कहां कि यह कैलेंडर शासकीय सेवकों के साथ साथ आम जनता के लिए भी उपयोगी सिद्ध होगी क्योंकि इसमें शासकीय सामान्य अवकाश के साथ ही ऐच्छिक अवकाश एवं महत्वपूर्ण संस्थाओं एवं व्यक्तियों का मोबाइल नंबर का संग्रह है। कैलेंडर विमोचन से पहले कमल वर्मा एवं पदाधिकारियों ने मंत्री रविन्द्र चौबे का स्वागत करते हुए नववर्ष की अग्रिम शुभकामनाएं दी,साथ ही संगठन की रचनात्मक गतिविधियों एवं आगामी कार्ययोजना से मंत्री को अवगत कराया। इस दौरान शासकीय संयुक्त कर्मचारी संघ के अध्यक्ष देवलाल भारती,जितेंद्र गुप्ता महासचिव राजपत्रित अधिकारी संघ,अमोद श्रीवास्तव कार्यकारी अध्यक्ष, पुरुषोत्तम सोनी उपाध्यक्ष,सत्येन्द्र देवांगन मीडिया प्रभारी,सचिन शर्मा सचिव आदि उपस्थित रहे।

संपादकीय

महाराष्ट्र के किसानों से छल

महाराष्ट्र में शिवसेना ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस पार्टी के साथ मिलकर सरकार बना ली है। लेकिन उद्धव ठाकरे की सरकार ने महाराष्ट्र के किसानों के साथ छल किया है। महाराष्ट्र में सभी किसानों के कर्ज को माफ को माफ करने का वादा सभी राजनीतिक दलों ने किया था। किन्तु सत्ता में आते ही उद्धव ठाकरे की सरकार ने सिर्फ दो लाख रुपए तक के कृषि ऋण माफ करने की घोषणा की है । सरकारी प्रस्ताव के मुताबिक महाराष्ट्र में जिन किसानों ने अप्रैल 2015 और मार्च 2019 के बीच कृषि ऋण लिया है और उनके कर्ज की राशि दो लाख रुपए से अधिक है। वे कर्ज माफी योजना के पात्र नहीं होगें। यह सीधे-सीधे किसानों के साथ धोखा है। महाराष्ट्र में ऐसे किसानों की संख्या ज्यादा है जिन पर दो लाख रुपए से ज्यादा का कृषि ऋण बकाया है। यद्यपि महाराष्ट्र के वित्त मंत्री जयंत पाटिल यह आश्वासन जरूर दिया है कि जिन किसानों पर दो लाख रुपए से अधिक का कर्ज बाकी है उन किसानों को भी राहत देने के लिए सरकार योजना बनाएगी। किन्तु यह किसानों को बरगलाने वाली बात है। कायदे से सरकार को सभी किसानों का कर्ज माफ करना चाहिए था जैसा कि उन्होंने अपने चुनावी घोषणा पत्र में वादा किया था। सरकार के इस फैसले का विरोध करते हुए महाराष्ट्र के किसान नेता अजीत नवले ने आरोप लगाया है कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा जारी किया गया सरकारी प्रस्ताव किसानों के साथ विश्वासघात है। उन्होंने कहा है कि इस प्रस्ताव से प्रदेश के अधिकांश किसानों को कर्ज माफी योजना का कोई लाभ नहीं मिलेगा। क्योंकि उनका बकाया कर्ज दो लाख रुपए से अधिक का है। अजीत नवले के मुताबिक कर्ज माफी योजना में एक बार समझौते का प्रावधान था। जिसके अंतर्गत यदि कृषक कर्ज बकाया राशि अदा करता है तो सरकार उसे डेढ़ लाख रुपए देती। लेकिन सरकार ने कर्ज काफी की सीमा दो लाख रुपए तक सीमित कर दी है। जिसकी वजह से अधिकांश किसान इस योजना की परिधी से बाहर हो गए है। उन्होंने इस सरकारी प्रस्ताव को वापस लेने की मांग की है। वास्तव में महाराष्ट्र में पिछले कई सालों से सूखा पड़ता रहा है जिसकी वजह से वहां के किसानों को भारी घाटा उठाना पड़ा है। कर्ज में डूबे किसान खुद खुशी करने के लिए बाध्य हुए है। ऐसी स्थिति में सरकार को चाहिए कि वह अन्नदाओं की आंखों से आंसू पोछने के लिए सभी किसानों का कर्ज माफ करें। दो लाख रुपए तक की सीमा को हटाए। ताकि महाराष्ट्र के सभी किसानों को कर्ज माफी योजना का लाभ मिले और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल सके। उम्मीद की जानी चाहिए कि किसानों के हितों को मद्देनजर रखकर महाराष्ट्र सरकार अपने प्रस्ताव पर पुर्णविचार करेंगी।

विचार

स्वास्थ्य की बदहाली

देश में सबसे ज्यादा लोग अभी इन्फेक्शन यानी संक्रमण से बीमार हो रहे हैं, और यह बात सिर्फठंड में होने वाले सर्दी-जुकाम को लेकर नहीं कही जा रही। विभिन्न संक्रमणों की चपेट में आने वालों का हिस्सा ग्रामीण और शहरी इलाकों में लगभग एक सा है, लेकिन दिल की बीमारी का प्रकोप शहरों में कहीं ज्यादा है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन (एनएसएसओ) की ताजा रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। इसके अनुसार 1000 में से 29 भारतीय हर साल सिर्फसंक्रमण से होने वाली बीमारियों के इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती होते हैं और इनमें पुरुषों से ज्यादा महिलाएं होती हैं। कुछ बीमारियां ऐसी हैं जो शहरी और ग्रामीण दोनों को समान रूप से हो रही हैं, जैसे सांस की बीमारी। इससे देश में वायु प्रदूषण का भी अंदाजा मिलता है। हृदय संबंधी रोग 21.9 प्रतिशत शहरी लोगों को होते हैं जबकि गांवों में ये बीमारियां 13.8 फीसदी लोगों को ही होती हैं। रही बात बीमार होने की आशंका की तो शहरी लोगों में यह ज्यादा रहती है। सर्वे में शहरों के 9.1 फीसदी जबकि गांवों के 6.8 प्रतिशत लोग बीमार पाए गए। बहरहाल, गांव हो या शहर, भारत के सार्वजनिक चिकित्सा ढांचे का हाल ऐसा ही है कि सात गुने खर्च के बावजूद लोगबाग हर जगह प्राइवेट अस्पतालों को ही प्राथमिकता देते हैं। गांवों के 85.9 और शहरों के 80.9 प्रतिशत लोगों के पास कोई स्वास्थ्य बीमा नहीं है और केवल 13 पर्सेंट लोग सरकारी योजना के तहत बीमा का लाभ ले रहे हैं। यह सर्वे बताता है कि हेल्थ आज भी हमारे यहां एक बड़ी सामाजिक-आर्थिक समस्या है। एक गरीब व्यक्ति अपनी या अपने किसी परिजन की बीमारी से जूझते हुए दाने-दाने को मोहताज हो जाता है। एक अध्ययन के मुताबिक एक साल में देश के करीब साढ़े 5 करोड़ लोग स्वास्थ्य पर भारी खर्च की वजह से आर्थिक तंगी के शिकार हो गए जबकि 3 करोड़ 80 लाख लोग दवाइयों का खर्च उठाते-उठाते गरीबी रेखा के नीचे पहुंच गए। सरकारी अस्पताल आज भी कई बीमारियों का इलाज करने में सक्षम नहीं हैं। ऐसे में लोगों को प्राइवेट अस्पतालों की शरण लेनी पड़ती है जहां उन्हें कड़ी चपत लगती है। सरकार ने अपने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को सक्षम बनाने और अस्पतालों को सुविधाओं से लैस करने के बजाय बीमा योजनाओं के जरिए निजी क्षेत्र को ही मजबूती दी है। लेकिन जिनका स्वास्थ्य बीमा है, उन्हें भी इसका लाभ अस्पताल में भर्ती होने पर ही मिल पाता है। इसके अलावा उनका काफी ज्यादा खर्च और जोखिम मामूली बीमारियों से जुड़ा है, जो बीमा के दायरे में नहीं आतीं। यह सचमुच दुखद है कि स्वास्थ्य हमारे यहां सिर्फमैनिफेस्टो का मुद्दा है।

झारखंड में हार और उसके बाद

दिल्ली में भी एक हारती हुई लड़ाई लड़ रही है भाजपा

उपेन्द्र प्रसाद

> तीनों राज्यों में भाजपा के सामने कमजोर विरोधी थे, लेकिन दिल्ली में आम आदमी पार्टी के रूप में उसके सामने एक बहुत मजबूत प्रतिद्वंद्वी खड़ा है। यह मायने नहीं रखता कि आम आदमी पार्टी पिछले लोकसभा चुनाव में तीसरे स्थान पर खिसक गई थी और उसके 5 उम्मीदवारों की जमानतें जब्त हो गई थीं, बल्कि मायने यह रखता है कि केजरीवाल सरकार ने अपने 5 साल के शासन के दौरान चुनाव के पहले किए गए अपने सभी वायदे लगभग पूरे कर दिए। यहां 20 हजार लीटर प्रति महीने पानी मुफ्त सप्लाई किया जा रहा है। दो सौ यूनिट बिजली प्रति महीने मुफ्त मिलता है। डीटीसी बसों में महिलाएं मुफ्त यात्रा करती हैं। दिल्ली में सीसीटीवी लगाने का अपना वायदा भी केजरीवाल ने पूरा कर दिया है।

2014 का लोकसभा चुनाव जीतने के बाद जब भारतीय जनता पार्टी एक के बाद एक तीन विधानसभा चुनाव जीत चुकी थी और जम्मू और कश्मीर में भी उसने बेहद अच्छा प्रदर्शन किया था, तो दिल्ली ने उसके विजयी घोड़े को रोक दिया था। भारतीय जनता पार्टी दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों में मात्र तीन पर ही जीत हासिल कर सकी थी जबकि शेष 70 सीटों पर आम आदमी पार्टी ने ऐतिहासिक जीत हासिल कर ली थी। इस बार तो भाजपा 2019 के बाद एक के बाद एक चुनाव हारती जा रही है। हरियाणा में वह बहुमत के आंकड़े को नहीं छू सकी, जबकि वहां उसके विरोधी बुरी तरह विभाजित थे और कांग्रेस भी अन्दरूनी गुटबाजी से ग्रस्त थी। किसी तरह भाजपा ने अपने नेतृत्व में वहां सरकार बना ली, लेकिन उसके कारण उसे अपने नये सहयोगी को भी सत्ता में भागीदारी देनी पड़ रही है। महाराष्ट्र में भी भाजपा को हार का ही सामना करना पड़ा, क्योंकि शिवसेना से गठबंधन के बावजूद उसे मात्र 105 सीटें ही मिल पाईं, जबकि अकेले लड़ने पर उसे 2014 में 122 सीटें मिल गई थीं। झटका देते हुए शिवसेना ने उसे छोड़ दिया और भाजपा आज वहां विपक्ष में ळें। हरियाणा और महाराष्ट्र से भी ज्यादा दुर्गति भाजपा की झारखंड में हुई। वहां उसकी करारी हार हुई। उसका मुख्यमंत्री भी चुनाव हार गया। भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष भी चुनाव हारा। झारखंड के गठन के बाद वहां कभी भारतीय जनता पार्टी दूसरे नंबर की नहीं रही। वह सत्ता में हो या विपक्ष में, हमेशा पहले नंबर की पार्टी ही हुआ करती थी, लेकिन पहली बार वह दूसरे नंबर की पार्टी बन गई। उसे मात्र 25 सीटें मिल पाईं, जबकि झारखंड मुक्ति मोर्चा पहली बार झारखंड में 30 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बन गई। यह नरेन्द्र मोदी की चुनाव जिताऊ ताकत पर भी एक गंभीर टिप्पणी थी, क्योंकि चुनावी जीत हासिल करने के लिए उन्होंने वहां अपनी सारी ताकत झोंक रखी थी। राम मंदिर के मसले को उन्होंने उठाया। धारा 370 पर अपनी पीठ थपथपाई। नागरिकता संशोधन कानून पर पाकिस्तान और मुस्लिम विरोधी

लहर पैदा करने के लिए वक्तव्य दिए। उस कानून के विरोधियों को पाकिस्तान परस्त तक करार दिया। लेकिन उनके भाषणों को वहां की जनता ने अनसुनी कर दी। जिन विधानसभा क्षेत्रों में मोदीजी के भाषण हुए, उनमें से एक या दो अपवाद को छोड़कर भाजपा के सारे उम्मीदवार चुनाव हार गए और यह स्पष्ट हो गया कि विधानसभा के चुनावों में मतदाताओं पर मोदी का जादू नहीं चलता।

झारखंड में हार की इस पृष्ठभूमि के बाद दिल्ली में विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं। लोकसभा चुनाव में भाजपा ने यहां की सभी सातों सीटों पर जबर्दस्त जीत हासिल की थी। उसे कुल मतों का 55 फीसदी वोट मिले थे। सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी को मात्र 18 फीसदी वोट और देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस को 22 फीसदी वोट ही मिल पाए थे। भाजपा का यहां मुख्य मुकाबला आम आदमी पार्टी से ही होना है और लोकसभा चुनाव में इसके 5 उम्मीदवारों की जमानतें तक जब्त हो गई थीं। इस लिहाज से तो भाजपा के सामने कोई चुनौती ही नहीं होनी चाहिए थी, लेकिन दिल्ली के विधानसभा चुनाव लोकसभा चुनाव के पैटर्न को आमतौर पर फॉलो नहीं करते। ऐसा कई बार देखा गया है। 1998 में लोकसभा चुनाव में भाजपा की जीत हुई थी, तो उसी साल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत हो गई। फिर 1999 में भाजपा की जीत हुई। 2013 के चुनाव में यहां कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के विधायक सबसे ज्यादा जीते थे और आम आदमी पार्टी की सरकार कांग्रेस के समर्थन से बनी थी, लेकिन अगले साल 2014 के चुनाव में भाजपा ने सातों सीटें जीत लीं। पर उसके एक साल के अंदर हुए 2015 के चुनाव में भाजपा की करारी हार हो गई और कांग्रेस का तो कोई नामलेवा भी नहीं रहा था। यही कारण है कि 2019 में भारी जीत दर्ज करने वाली भाजपा 2020 के विधानसभा चुनाव को लेकर बहुत ही घबराई हुई है। लोकसभा चुनाव के बाद हुए तीन विधानसभाओं के चुनावों में मिल हार ने भाजपा की घबराहट को और भी बढ़ा दिया है। दिल्ली तीन तरफसे हरियाणा से घिरी हुई है। वहां की हार का में दिल्ली की हार भी देखी जा सकती है। दिल्ली में बिहार और झारखंड के लोगों की तादाद बहुत ज्यादा है। लिहाजा, भाजपा को झारखंड की हार में भी दिल्ली की हार दिख रही है। तीनों राज्यों में भाजपा के सामने कमजोर विरोधी थे, लेकिन दिल्ली में आम आदमी पार्टी के रूप में उसके सामने एक बहुत मजबूत प्रतिद्वंद्वी खड़ा है। यह मायने नहीं रखता कि आम आदमी पार्टी पिछले लोकसभा चुनाव में तीसरे स्थान पर खिसक गई थी और उसके 5 उम्मीदवारों की जमानतें जब्त हो गई थीं, बल्कि मायने यह रखता है कि केजरीवाल सरकार ने अपने 5 साल के शासन के दौरान चुनाव के पहले किए गए अपने सभी वायदे लगभग पूरे कर दिए। यहां 20 हजार लीटर प्रति महीने पानी मुफ्त सप्लाई किया जा रहा है। दो सौ यूनिट बिजली प्रति महीने मुफ्त मिलती है। डीटीसी बसों में महिलाएं मुफ्त यात्रा करती हैं। दिल्ली में सीसीटीवी लगाने का अपना वायदा भी केजरीवाल ने पूरा कर दिया है।

इसके कारण अपराधी अब आसानी से पकड़ में आ जाते हैं। अब तो पूरी दिल्ली में फ्री वाई फाई की सुविधा भी केजरीवाल ने उपलब्ध करवा दी है। दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में मुफ्त इलाज होता है और इलाज की सुविधाएं भी बहुत बढ़ा दी गई है। इन सबके कारण केजरीवाल का समर्थन आधार अभी भी बना हुआ है। लोकसभा चुनाव में ऐसे लोग काफी संख्या में मिलते थे, जो कहते थे कि बड़े चुनाव में हम मोदी जी को सपोर्ट कर हैं, लेकिन छोटे चुनाव में केजरीवाल को ही सपोर्ट करेंगे। बड़े चुनाव से उनका मतलब लोकसभा चुनाव और छोटे चुनाव से उनका मतलब विधानसभा चुनाव होता था। यानी प्रतिद्वंद्वी बहुत प्रबल है और मोदी का जादू अब चल नहीं रहा है और इस माहौल में दिल्ली के मतदाताओं का सामना भाजपा को करना है। जाहिर है, भाजपा एक हारी हुई लड़ाई दिल्ली में लड़ रही है। **(संवाद)**

नकारात्मक राजनीति से बाज आये विपक्ष

आशीष वशिष्ठ

> सुप्रीम कोर्ट तो आज भी देश में है। आज भी हम लोकतंत्र में जी रहे हैं। दरअसल हमें लगता है कि गृहमंत्री अमित शाह को इन घटनाओं का खुलासा देश के सामने करना चाहिए और आश्वस्त करना चाहिए कि यूपीए कार्यकाल में एनपीआर और एनआरसी एक रूटीन, कानूनी कवायद के हिस्सा थे और आज भाजपा-एनडीए सरकार के दौरान भी हो सकते हैं। इससे देश में भूचाल क्यों आना चाहिए? गृह मंत्रालय की सालाना रपट में से ढूंढ-ढूंढ कर उद्धृत किया जा रहा है कि एनपीआर के बाद एनआरसी आना ही है। पुरानी वेबसाइट के लिंक बताए जा रहे हैं। इनको कोई झुठला नहीं सकता, लेकिन देश के गृहमंत्री को भी सरेआम 'झूठ' बोलने का कलंक नहीं दिया जा सकता है।

नागरिकता संशोधन कानून पर विपक्षी दलों की चालाकी और लोगों की नासमझी का नजारा देशभर ने पिछले दिनों देखा। जिस कानून का देश के नागरिकों से कोई संबंध नहीं, उसके लिये देश को दहकाया और जलाया गया। अब इससे ज्यादा शर्मनाक और दर्दनाक और क्या हो सकता है कि नागरिक अपने ही देश को आग के हवाले करने पर उतारू हो जाएं। नाराजगी, क्रोध, मतभेद और मनभेद तो परिवार में भी होते हैं, और जिस विशाल विविधता भरे राष्ट्र की आबादी सवा सौ करोड़ से ज्यादा हो वहां मतभेद होना स्वाभाविक है। वैसे भी एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में दो विचार सदा उत्तम माने गये हैं। लेकिन अपनी नाराजगी, क्रोध और मतभेद को जाहिर करने का ये कौन सा तरीका है कि आप अपने ही देश को ही नुकसान पहुंचाएं। नागरिकता कानून की आड़ में में कौन-कौन से राजनीतिक दल अपनी रोटी सेंक रहे हैं, वो अब पूरे देश को समझ आ रहा है। बड़ा सवाल यह है कि जब नागरिकता संशोधन कानून भारतीय नागरिकों के बारे में नहीं है, ना ही मुसलमानों के बारे में तो विरोध क्यों? सवाल यह भी है कि जब एनआरसी अभी तक आया ही नहीं तो विरोध क्यों? राजनीतिक दलों का चारित्रिक अवमूल्यन बड़ी चिंता का विषय है।

नागरिकता संशोधन कानून विवाद की आग अभी शांत भी नहीं हुई कि अब विपक्ष ने देश की जनता को राष्ट्रीय परिवार रजिस्टर यानि एनपीआर के नाम पर गुमराह करना शुरू कर दिया है। विपक्ष एक बार फिर बड़ी चालाकी से एनपीआर और एनआरसी यानि राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर को जोड़ कर गृहमंत्री अमित शाह को झुठलाने की कोशिश करता दिख रहा है। राजनीति में तो यह स्वाभाविक है, लेकिन कुछ टीवी चैनल और पोर्टल आदि ज्यादा पूर्वाग्रही दिख रहे हैं। यह भी गुमराह करने की एक कुत्सित प्रवृत्ति है। बहरहाल यदि ये दोनों रजिस्टर आपस में जुड़े हैं, तो इसमें असंवैधानिक क्या है? नागरिकता कानून को लेकर जिस तरह का झूठ, भ्रम और भय का वातावरण कई विपक्षी दलों ने बनाया उसको देखते हुए गृहमंत्री साफ-साफ देश को बताएं कि इन संबंधों का अतीत क्या रहा है? मई, 2014 में मोदी सरकार आई और कुछ महीनों के अंतराल में सरकार के राज्यमंत्रियों ने संसद में जवाब दिया कि

एनपीआर ही एनआरसी का पहला चरण है। तत्कालीन गृह राज्यमंत्री किरेन रिजिजू ने जुलाई और नवंबर, 2014 के दौरान संसद में सवालों के जवाब दिए कि एनपीआर के बाद ही एनआरसी लाया जाएगा। एक और गृह राज्यमंत्री हरिभाई चैधरी ने भी कुछ ऐसा ही जवाब दिया। यदि संसद में 7 बार मोदी सरकार के मंत्रियों ने माना कि एनपीआर ही एनआरसी का पहला चरण है, तो इसमें कौन-सा पहाड़ टूट पड़ा? या कौन से मंसूबे बेनकाब हो गए? संसदीय सवालों के जवाब संबंधित नौकरशाही तैयार करती है और मंत्री अमूमन भरोसा करते हैं, क्योंकि सरकारों की निरंतरता अफसर बखूबी जानते हैं और यह एक सरकारी प्रक्रिया है। एनपीआर भी संवैधानिक प्रक्रिया है, जिसका विश्लेषण हम बीते कल के संपादकीय में कर चुके हैं। एनआरसी भी संवैधानिक प्रक्रिया है, जो स्वतंत्र भारत में 1951 से जारी रही है। 1985 में तो तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने 'आसू' के साथ 'असम करार' पर हस्ताक्षर किए थे, तो उसका विषय भी एनआरसी था। इसे अवैध, खतरनाक, विभाजक, सांप्रदायिक आदि करार क्यों दिया जा रहा है? विश्व के सभी विकसित और सभ्य, लोकतांत्रिक देशों में नागरिकों का रजिस्टर तैयार किया जाता रहा है। जहां तक मौजूदा विवाद का सवाल है, तो देश के गृहमंत्री को बिंदु-दर-बिंदु स्पष्ट करना चाहिए। उन्होंने इतना जरूर कहा है कि एनआरसी जब भी लाया जाएगा, तो कैबिनेट और संसद के सामने उसका पूरा प्रारूप होगा। विमर्श होगा, तो देश के सामने आएगा। सिर्फ मुसलमानों के प्रति दुराग्रह रखकर किसी भी मुद्दे पर विचार नहीं किया जा सकता है। कमोबेश देश को इतना आश्वस्त रहना चाहिए।

एनपीआर पर फैलाये जा रहे भ्रम को थामने और कांग्रेस समेत विपक्ष के कुप्रचार का जवाब देने के लिये बीजेपी की ओर से यूपीए सरकार के कार्यकाल के कई दस्तावेज और वीडियो मीडिया में रखे हैं, जिनमें तत्कालीन गृह मंत्री पी. चिदंबरम एनपीआर की जोरदार वकालत कर रहे हैं। असल में 2012 में तत्कालीन गृहमंत्री चिदंबरम के कार्यकाल में यूपीए सरकार ने जो 'श्वेत पत्र' जारी किया था, उसमें स्पष्ट उल्लेख था कि एनपीआर ही एनआरसी की तरफ पहला कदम है। लिहाजा एनपीआर में अपनी सूचनाएं दर्ज कराना प्रत्येक नागरिक के लिए संवैधानिक तौर पर अनिवार्य है। इससे पहले 2010 में यूपीए सरकार के दौरान ही जब तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल के आवास पर एनपीआर की शुरुआत देश के 'प्रथम नागरिक' की निजी सूचनाएं दर्ज करने के साथ की गई थी और दूसरे नागरिक के तौर पर यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी ने भी फॉर्म भरा था, तत्कालीन उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी ने भी प्रपत्र में सूचनाएं दर्ज की थीं, तो एनपीआर संवैधानिक और सही था। आज वह गलत कैसे हो सकता है?

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

आओ हम भोर से संदेश नया नित

आओ हम भोर से संदेश नया नित लें चहचहा रहे पंछी उड़ते नील नभ पे बिखरने लगी अरुण की सुनहरी रश्मियाँ तेजस्वी लालिमा बाहों में आज भर लें। **कुसुम शुक्ला**

ख़ास पाती | हमने इश्क को मुस्कुराते देखा

हमने इश्क को मुस्कुराते देखा खुद को खुद से ही चुराते देखा। बेतकल्लुफहुए थे हम भी कभी हमने वक्त को वक्त बिताते देखा। अमन वाले रहते थे जहाँ में कभी हमनें लोगों को घर जलाते देखा। चंद टूकडों में बेच लेते हैं जमीर हमनें लोगों को बोली लगाते देखा। महफूज कर लो गुलशन अपना हमनें चाँद को आँसू बहाते देखा। शिकवे शिकायत भी करते हैं वे हमनें उन्हें खुद कब्र सजाते देखा। मासूम बचपन भी रौंद दिया देखो हमनें बचपन में बुढापा आते देखा। समझ की बातें न करना जनाब हमने रेख्ता हर्फको बनाते देखा। ȧदिव्या यह दिल बड़ा कमजर्फहै हमने हुस्न को इसे तडफाते देखा। **दिव्या राकेश शर्मा**

वैभव के विराट स्लेट पर लिख

वैभव के विराट स्लेट पर लिख गये जीवन हौले से पतझड सावन मधुमासों में पढ़ गये जीवन हौले से प्राकृतिक उपबंधों से तुम हृदय-हृदय का तार जोड़ गये हे ! अशेष,तुम साँझ-उषा में गढ़ गये जीवन हौले से !! हे ! क्षितिज-हे! गगन। **पंकज कुमार वसंत**

हम कागज़ नहीं दिखाएँगे किसे?

हम कागज़ नहीं दिखाएँगे किसे? उसे? उसे किसे? जो माँगेगा कौन माँगेगा? वही जो माँग रहा है कौन माँग रहा है? हम पता लगाकर बताते हैं क्या? यही कि कौन माँग रहा है पता लगा? नहीं अब क्या करोगे? वही करेंगे, हम कागज़ नहीं दिखाएँगे। **अंबर दानी**

वर्तमान से सुख लेने का प्रयास करिय

वर्तमान से सुख लेने का प्रयास करिये भविष्य बहुत कपटी होता है वो केवल आश्वासन देता है गारंटी नही उठो, नयी ताजगी के साथ शुरुआत करो हर दिन में जगमगाते अवसर को देखो वही आगे बढ़ते है जो सूरज को जगाते हैं वो पीछे रह जाते हैं जिनको सूरज जगाता है। **विजय पाण्डेय**

जब तेरा इनकार नहीं था! कैस

जब तेरा इनकार नहीं था! कैसे कहती प्यार नहीं था! हर बात जुबां से बोली जो, बोलो क्या इजहार नहीं था! पी लेती मैं गम का प्याला, पीने से इनकार नहीं था !कुछ रिश्तें ही दिल से जोड़े, जिनपर भी अधिकार नहीं था! पढ़ते कैसे सारी बातें , दिल मेरा अखबार नहीं था! तूने जब मझधार में छोड़ा, हाथों में पतवार नहीं था !जुड़कर तुझसे ही जाना , ख्वाबों का संसार नहीं था! **मोहिनी गुप्ता**

सेनाध्यक्ष ने कहा - 'नेता वे नहीं हैं जो

सेनाध्यक्ष ने कहा - 'नेता वे नहीं हैं जो भीड़ को गलत दिशा में ले जाएं. हम कई घटनाओं के गवाह हैं, जहां छात्र नेताओं ने गलत दिशा में भीड़ का नेतृत्व किया, जिससे आगजनी और हिंसा हुई.' इस बात को कहने से कौन सा क़ानून इन्हें रोकता है? क्या ग़लत कहा जनरल ने?

पंकज कुमार झा

जमकर निकलो भडास

जमकर निकलो भडास / संडास की तरह ,,, बेहया लफ्जों की उल्टीयाँ करो और सडांध फैलाओ ,,, जब संसद में ही नही बची है संसदीय भाषा की लाज तो फिर आप से भाषा में इंसान होने की उम्मीद कैसी ? हर हद लांघ जाओ,,, ऊगलो आग ,, उगलो जहर उगलो बेपनाह नफ़रत और अभिव्यक्ति की आजादी का जमकर लुफ्त उठाओ!! **राज चुन्नी शर्मा**

मैं तनहाई के खेतों में, तुम्हारी याद

मैं तनहाई के खेतों में, तुम्हारी याद बोती हूँ। नयन के नीर से निश दिन,इन्हें सींचा भी करती हूँ।। फ़सल ये प्यार की मैंने बचाई है सुनो क्यूँकर, जिगर की खाद देती हूँ नज़र की धूप देती हूँ।।

आशा पांडेय ओझा

लघु कथा

ट्रेजडी

माँ की मृत्यु के बाद पिताजी बिल्कुल अकेले पड़ गए। अपना आक्रोश निकालने का जरिया न रहने के कारण वे बेहद घुटन महसूस करते। दिन भर कमरे से उस कमरे में बेचैनी से पिंजरे में बंद शेर की तरह चक्कर काटते रहते।
खाने के वे बेहद शौकीन थे। माँ कितनी भी तबीयत खराब होती तब भी उनके लिए कचौरी, समोसे दही बड़े बनाती रहती थी। अब ये सब खाने की तीव्र इच्छा होने पर वे होठों पर जीभ फेर रह जाते। बहू की दी हुई ब्रेड और दूध दलिया से उन्हें अक्सर उबकाई आती। किंतु उससे कुछ भी कहने की उनकी हिम्मत नहीं होती।
पिताजी घोर नास्तिक थे। मंदिर पूजा-पाठ के नाम से ही उन्हें सख्त चिढ़ थी। समय बिताने का यह जरिया भी उनके हाथ में न था। उनके हम उम्र लोग सभी ईश्वर देवी-देवता को मानने वाले थे। इसलिए विचारों के मेल न खाने से उनकी उनके साथ भी न पटती। वे हमेशा जवान लोगों में उठना बैठना चाहते लेकिन जवान लोग उन्हें तनिक भी लिफ्ट ही न देते। बुढ़ापे ने उन्हें गले लगा लिया किंतु वे बुढ़ापे को स्वीकार नहीं कर पाए।

आज का इतिहास

नयी दिल्ली (वार्ता)। भारतीय एवं विश्व इतिहास में 30 दिसंबर की प्रमुख घटनाएं इस प्रकार हैं: 1703 - जापान की राजधानी टोक्यो में भूकंप से 37,000 लोगों की मौत हुई। 1706 - पुडुचेरी के संस्थापक तथा गवर्नर जनरल फ्रैंक्रोइस मार्टिन का निधन। 1803 - ब्रिटेन की ईस्ट इंडिया कंपनी ने दिल्ली, आगरा और भरूच को अपने नियंत्रण में लिया। 1873 - अमेरिका के न्यूयार्क में माप तौल के लिए मेट्रोलॉजिकल सोसायटी का गठन। 1893 - रूस और फ्रांस ने सैन्य समझौते पर हस्ताक्षर किए। 1906 - अखिल भारतीय मुस्लिम लीग की स्थापना ढाका में हुई। 1935 - इटली के लड़ाकू विमानों के बम हमले में अफ्रीकी देश इथोपिया स्थित स्वीडन की रेड क्रास इकाई ध्वस्त हो गया। 1943 - स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस ने पोर्ट ब्लेयर में भारत की आजादी का झंडा लहराया।

प्रोटेक्टिव वाल निर्माण कार्य की प्रगति देखने पहुंचे विधायक

नवप्रदेश संवाददाता

■ जनसुरक्षा के लिए वाय शेप ब्रिज में जाली आवश्यक : अरुण वोरा

भिलाई। विधायक अरुण वोरा शहर के तीन प्रमुख ओवरब्रिजों में सेतु विभाग द्वारा कराए जा रहे 2.06 करोड़ के निर्माण कार्यों का निरीक्षण करने पहुंचे। इससे पूर्व विधायक वोरा ने ही राज्य स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में वाय शेप ब्रिज के दोनों ओर प्रोटेक्टिव जाली, राजीव सेतु संधारण एवं पुलगांव नाला ब्रिज के संधारण की मांग रखी थी। जिस पर शासन द्वारा शहर के वाय शेप धमधा नाका और पुलगांव नाला ब्रिज में लगातार हो रही दुर्घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए वाय शेप ब्रिज में दोनों ओर सुरक्षात्मक जाली, डामरीकरण, पेंटिंग, रोड़ मार्किंग, कैट आई व डिवाइडर लगवाने के लिए 1 करोड़ 34 लाख 65 हजार, धमधा नाका ओवरब्रिज में 56.67 लाख व पुलगांव नाला में 15.11 लाख की स्वीकृति दी गई। जिसके बाद विधायक अरुण वोरा ने निर्माण कार्यों का शुभारंभ करवाया। उन्होंने ब्रिज विभाग के कार्यपालन अभियंता डी के माहेश्वरी से चर्चा कर शीघ्रता से कार्य पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि जनसुरक्षा हमारी पहली प्राथमिकता है यातायात के बढ़ते दबाव को देखते हुए यह एक आवश्यक कार्य था। प्रोटेक्टिव वाल की ऊंचाई कम होने से लगातार दुर्घटनाएं हो रही थी। अब सुरक्षात्मक कार्य हो जाने से लोगों को सुविधा व सुरक्षा मिलेगी। छत्तीसगढ़ राज्य में वर्ष 2016 से अब तक 40 हजार से अधिक सड़क दुर्घटनाओं में 13 हजार से अधिक लोगों की अकाल मृत्यु हो चुकी है और प्रतिवर्ष यह आंकड़ा बढ़ रहा है। इन दुर्घटनाओं में रोक लगाने के लिए रोड़ मार्किंग, ब्रिजों पर कैट आई, सुरक्षात्मक दीवाल चाक चौबंद करवाने के साथ ही जागरूकता अभियान आवश्यक है। इस दौरान राजेश शर्मा, धीरज बाकलीवाल , अंशुल पांडेय, प्रकाश गीते उपस्थित थे।

खेल प्रतिभाओं को निखारने मेयर ने बनवाया डेढ़ करोड़ का स्टेडियम

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। हाउसिंग बोर्ड वार्ड-26 में 1.37 करोड़ रुपए की लागत से अत्याधुनिक एवं सर्वसुविधायुक्त क्रिकेट स्टेडियम बनकर तैयार हो गया है। 30 दिसंबर सोमवार की शाम 6 बजे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल स्टेडियम लोकार्पण करेंगे। लोकार्पण अवसर पर नगरीय प्रशासन मंत्री शिव डहरिया, गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू, दुर्ग विधायक अरूण वोरा, भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव, पूर्व विधायक प्रदीप चौबे, बदरुद्दीन कुरैशी, प्रतिमा चंद्राकर, भजन सिंह निरंकारी, पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर राजेश चौहान, निगम सभापति पी. श्यामसुंदर राव, महापौर परिषद में लोक कर्म विभाग के प्रभारी नीरज पाल उपस्थित रहेंगे। हाउसिंग बोर्ड वार्ड-26 में 1.37 करोड़ रुपए की लागत से भिलाई नगर विधायक व महापौर देवेंद्र यादव ने अपने महापौर निधि से इस स्टेडियम को बनवाया है। शहर के पटरीपार इलाके की खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए मेयर देवेंद्र यादव ने सबसे बड़ी सौगात दी है। खिलाड़ियों को यह बेहतरीन खेल शिक्षा दी जाएगी। साथ ही यहाँ बेस्ट सुविधाएं भी है। स्टेडियम की खासियत मैदान में नेचुरल ग्रीन ग्रास लगाई गई है।

वीआईपी गैलरी और चेंजिंग रूम की भी सुविधा

यह पटरी पार का पहला और सर्वसुविधायुक्त खेल मैदान है। सवा साल में बनकर तैयार स्टेडियम का निर्माण महापौर देवेंद्र यादव की निधि और पुरस्कार से प्राप्त राशि से किया गया है। 13 सितंबर 2018 को इसकी नींव रखी गई थी। लगभग सवा साल में यह स्टेडियम बनकर तैयार हो गया। महापौर देवेंद्र यादव ने बताया कि नगर निगम खेल और खिलाडियों को हर सुविधा देने के लिए प्रतिबद्ध है। बीएसपी क्षेत्र में जिस तरह की खेल सुविधाएं मिल रही हैं, उससे बेहतर हम निगम क्षेत्र में खिलाडियों को देंगे।

जीएसटी पर रोजगारमूलक पाठ्यक्रम तथा एमए में प्रवेश प्रारंभ

भिलाई। कार्यरत लेखापालों, आयकर सेवा-प्रदाताओं, वकीलों व लेखा अधिकारियों के लिए पं. सुन्दर लाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय बिलासपुर द्वारा जी.एस.टी. कानून पर एक छः माह का विशेष व्यावसासिक पाठ्यक्रम आरंभ किया गया है। बी.काम. उत्तीर्ण एवं एम.काम. में अध्ययनरत विद्यार्थी भी इस पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकते है । भारत में गुड्स एवं सर्विस टेक्स के लागू होने के फलस्वरूप जी.एस.टी. के कानूनों व नियमों के जानकारों की कमी को दृष्टिगत रखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा दूरस्थ पद्धति से जी.एस.टी का यह छः माह का पाठ्यक्रम आरंभ किया गया है । प्रदेश के विश्वविद्यालयों में जी.एस.टी. पर संचालित यह पहला पाठ्यक्रम है। इसी तरह एम.ए (शिक्षा) का दो वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम भी विश्वविद्यालय द्वारा प्रारंभ किया गया है। यह पाठ्यक्रम भी प्रदेश में केवल पं. सुन्दरलाल शर्मा विश्वविद्यालय द्वारा संचालित है। शिक्षा विषय में एम.फिल/पी.एच.डी करने के इक्षुक प्रदेश के विद्यार्थियों के लिए उपयोगी यह दो वर्षीय पाठ्यक्रम दूरस्थ पद्धति से सहज उपलब्ध है। उक्त दोनों पाठ्यक्रमों सहित विष्वविद्यालय द्वारा संचालित विविध पाठ्यक्रमों में आनलाइन प्रवेश आरंभ हो चुका है।

जैन के लिए आखिरी पड़ाव है महापौर की दावेदारी

नवप्रदेश संवाददाता

■ महापौर के सबसे प्रबल दावेदार के रूप में वरिष्ठ नेता मदन जैन का नाम चर्चा में

दुर्ग। नगर निगम के महापौर के चुनाव के लिए अब लगभग एक सप्ताह का समय शेष रह गया है। दो दशक के लंबे अंतराल के बाद निगत में कांग्रेस सत्तासीन होने जा रही है। निगम के महापौर के सबसे प्रबल दावेदार के रूप में वरिष्ठ नेता मदन जैन का नाम चर्चा में है। श्री जैन की महापौर की दावेदारी उनके राजनैतिक जीवन का अंतिम पड़ाव है।

उल्लेखनीय है कि मदन जैन शहर का एक जाना पहचाना नाम है। श्री जैन ने अपने राजनैनितक जीवन का आधा से अधिक समय नगर निगम में बिताया है। श्री जैन सन 1978 में पहली बार पार्षद बने उसके बाद 93 में दुबारा पार्षद चुने गए। इसके उपरांत श्री जैन 94 व 99 में पुनः दो बार पार्षद निवार्चित हुए। श्री जैन नगर निगम को स्टैडिंग व पीडब्ल्यूडी कमेटी के चेयरमेन रह चुके है। उसके अतिरिक्त शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी भी रह चुके है। श्री जैन 99 से 2004 के बीच नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी भी संभाल चुके है। इस समय बीच में तत्कालिन महापौर सरोज पांडे ने पुरानी गंज मंडी में दुकान बनाने की तैयारी कर दी थी।

परिणाम स्वरूप गंज पारा दुर्गोत्सव समिति का दुर्गाधाम खतरे में पड़ गया था। श्री जैन ने मुखर होकर इसका विरोध किया और पार्षद को खतरे में डालकर नगर निगम में तालाबंदी कर दी और दुर्गाधाम को बचा लिया। श्री जैन वर्तमान में छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष होने के साथ-साथ सिविक सेंटर चेंबंर आफ कामर्स के अध्यक्ष भी है। श्री जैन महावीर स्कूल समिति में 8 साल तक अध्यक्ष रहे है। इस दौरान स्कूल की बिल्डिंग बनाने के साथ वहां बारहवीं तक शिक्षा की व्यवस्था करवाई। मारवाड़ी स्कूल की संचालन समिति में भी श्री जैन सदस्य के रूप में शामिल है। सामाजिक गतिविधियों में निरंतर सक्रिय रहे के कारण श्री जैन का लगभग सभी समाज व संगठन में बड़ा नेटवर्क बना हुआ है।

यहां गौरतलब है कि श्री जैन संभवतः कांग्रेस के ऐसे वरिष्ठ नेता है जो पिछले पचास वर्ष से राज्य सभा सांसद मोतीलाल वोरा के साथ जुड़े हुए हैं। उन्हें विषम परिस्थिति में भी श्री वोरा का साथ नहीं छोड़ा है। श्री जैन वर्तमान से आपापुरा वार्ड से पार्षद निर्वाचित हुए हैं। उन्होंने कांग्रेस से बगावत करके मैदान में उतरे अमृत लोढ़ा के कारण पैदा हुई मुश्किल के बाद भी चुनाव जीता है । श्री जैन महापौर के लिए योग्य मानकर कांग्रेस इससे पहले मैदान में उतार चुकी है। उस समय परिस्थिति कांग्रेस के विपरीत थी इसलिए श्री जैन हार हार गए थे। श्री जैन शहर हर वार्ड के गली-कुचे से वाकिफ है और निगम के कार्य प्रणाली की उन्हें गहराई से जानकारी है।

वर्तमान में नगर निगम को चलाने के लिए उग्र तेवर वाले महापौर की जरूरत है । जो बेलगाम हो चुकी। प्रशासनिक व्यवस्था को न केवल सुधार सकें बल्कि सरकार की योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन कर जनता की सेवा कर सके। श्री जैन राजनीति में दबंग शैली के रूप में विख्यात है लेकिन जनता सेवा लंबे समय से करते आ रहे हैं। महापौर की दावेदारी उनके राजनीतिक जीवन का आखरी पड़ाव है। इसलिए उन्होंने शहर के लिए कुछ नया व अलग करने की इच्छा जाहिर करते हुए पार्टी से अवसर मांगा है। यह तयशुदा बात है कि पूरा परिवार के प्रति श्री जैन की निष्ठा सर्व विधित है इसलिए श्री जैन को प्रबल दावेदार मना जा रहा है।

आयुक्त ने बैठक में अधिकारियों को दिये दिशा निर्देश

दुर्ग। निगम आयुक्त इंद्रजीत बर्मन द्वारा आज डाटा सेंटर में पीएमओ आफिस, मुख्यमंत्री जन चौपाल, कलेक्टर समय सीमा, एलएमएस निदान 1100, लोक सेवा गारंटी, पीजीएन शासन से प्राप्त पत्र, ऑन लाईन जनदर्शन, कलेक्टर जनदर्शन से प्राप्त शिकतयों व मांग पत्रों के निराकरण का समय सीमा बैठक लेकर समीक्षा किया। उन्होंने बैठक में अधिकारियों को निर्देशित कर कहा शिकायतों के आधार पर शिकायतकर्ता से संपर्क कर उसका निराकरण करायें। तथा संबंधित विभाग कार्यालयों से प्राप्त पत्रों का लिखित जवाब अवश्य देवें। उन्होंने कहा शिकायतों का निराकरण कर उसे ऑन लाईन कटायें। उन्होंने निगम क्षेत्र में अतिक्रमणों की शिकायतों की जानकारी लेते हुये कहा जहॉ नोटिस जारी हो गई है वहॉ कार्यवाही प्रस्तावित करें। अपने वार्डो का निरीक्षण करें और जो छोटे.मोटे टूट.फूट वाली नालियॉ हो उसे संधारण करायें।

महापौर के हाथों से राशन कार्ड पाकर खुशी से खीले हितग्राहियों के चेहरे

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। नवीनीकृत एपीएल राशन कार्ड का वितरण महापौर देवेन्द्र ने किया। आज सुबह 10 बजे से जोन 4 क्षेत्र के तीन वार्डों में राशन कार्ड वितरण कार्यक्रम का आयोजित हुआ। जिसके मुख्य अतिथि महापौर देवेंद्र यादव थे। निगम के सभापति,स्थानीय पार्षद एवं एल्डरमैन की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में नया राशनकार्ड मिलने से नागरिकों ने महापौर व शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया। नवीनीकृत एपीएल राशनकार्ड का तीन दिवसीय वितरण कार्यक्रम आज वार्ड 31 दुर्गा मंदिर स्कूल सामुदायिक भवन से प्रारंभ हुआ। सुबह महापौर व विधायक भिलाईनगर देवेन्द्र ने राशन कार्ड का वितरण किया। कार्यक्रम स्थल में बड़ी संख्या में राशनकार्ड के महिला हितग्राही उपस्थित हुए। वार्ड 32 राधाकृष्ण मंदिर के पं. जवाहर लाल नेहरू स्कूल और वार्ड 33 खुर्सीपार पंप हाउस के पास भी कार्यक्र आयोजित हुई। जहां महापौर ने स्थानीय नागरिकों के जन समूह के बीच राशनकार्ड का वितरण किया। कार्यक्रम में आए वार्ड 31 के 150 लोगों को राशन कार्ड बांटा गया। इसके बाद वार्ड 32 में 61 और वार्ड 33 में 21 लोगों को राशन कार्ड देकर एपीएल राशन कार्ड बाटने शुरू किया गया। राशन कार्ड लेने के लिए आए महिलाओं को जब राशन कार्ड मिला तो उनके चेहरे खुशी से खील उठे। गत दिन छावनी में 61, बापू नगर में 25 एवं बालाजी नगर में 65 एपीएल राशन कार्ड का वितरण हुआ। कार्यक्रम में सभापति पी. श्यामसुंदर राव, वार्ड पार्षद ललिता शंकर चौधरी, वार्ड 32 की पार्षद सुलेखा यादव, वार्ड 33 के पार्षद नंदकुमारी वर्मा सहित तुलसी पटेल, एल्डमेन कांचा, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष डीकामराजू सहित सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

दुर्ग महापौर के चयन के लिए 2 जनवरी को आएंगे पर्यवेक्षक, पार्षदों से करेंगे वन-टू-वन

नवप्रदेश संवाददाता

चयन में पार्षदों की राय होगी अहम : अरूण वोरा

शहर विधायक अरूण वोरा ने महापौर पद के चयन पर कहा है कि इसके लिए कांग्रेस के नवनिर्वाचित पार्षदों की राय अहम होगी। पार्षद जो मंशा जताएंगे, उसे पर्यवेक्षक द्वारा प्रदेश कांग्रेस कमेटी को अवगत कराया जाएगा। चयन में स्थानीय कांग्रेस नेताओं का कोई हस्तक्षेप नही होगा। इसलिए पार्षद पूरी गंभीरता के साथ महापौर चयन के लिए पर्यवेक्षक के सामने अपनी राय रखे।

दुर्ग। दुर्ग महापौर के लिए कांग्रेस में सियासत अपने पूरे उफान पर आ गया है। अब तक इस पद के लिए आधा दर्जन से अधिक दावेदारो के नाम सामने आए है। जिनमें नवनिर्वाचित पार्षद धीरज बाकलीवाल, मदन जैन, सत्यवती वर्मा, राजेश यादव, राजकुमार नारायणी, अब्दुल गनी, के नाम शामिल है। दावेदारो द्वारा महापौर पद पर कब्जा जमाने कोई कसर नहीं छोड़ी गई है। दावेदारों द्वारा रायपुर से दिल्ली तक जोरदार लाबिंग की जा रही है। वहीं कुछ दावेदारों के समर्थन में कई व्यापारिक व सामाजिक संगठन भी सामने आई है। इन संगठनों द्वारा गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, विधायक अरूण वोरा एवं कांग्रेस के अन्य स्थानीय नेताओं को अपनी पंसद से भी अवगत कराया गया है। जिससे स्थानीय नेता असमंजस्य में पड़ गए है। जिला निर्वाचन ने महापौर व सभापति पद चुनाव के लिए तिथि की घोषणा कर दी है। इन दोनों पदों का चुनाव 6 जनवरी को कुशाभाऊ ठाकरे मांगलिक भवन जवाहर नगर में होगा। चुनावी तिथि घोषणा से कांग्रेस भी हरकत में आ गई है। जिससे महापौर चयन की कवायद तेज हो गई है। इस बीच खबर है कि दुर्ग नगर निगम महापौर पद के चयन के लिए प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा पर्यवेक्षक बनाए गए विधायक धनेन्द्र साहू 2 जनवरी को दुर्ग आएंगे। यहां वे महापौर पद के चयन के लिए कांग्रेस के नवनिर्वाचित पार्षदों से बंद कमरे में वन टू वन चर्चा करेगे और पार्षदो की मंशा को प्रदेश कांग्रेस कमेटी को अवगत कराएगे। जिसके बाद ही महापौर पद पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। पर्यवेक्षक श्री साहू कितने बजे दुर्ग पहुंचेगे और किस स्थान पर पार्षदों से चर्चा करेगे। फिलहाल यह तय नहीं है।

सड़क किनारे, नाली के ऊपर रेती, ईंट, गिट्टी, रखने वालों पर हुई कार्रवाई

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। स्वच्छता सर्वेक्षण 2020 के तहत् युद्ध स्तर पर जारी शहर की सफाई अभियान के अंतर्गत आयुक्त इंद्रजीत बर्मन के द्वारा विभिन्न वार्डो का भ्रमण कर सफाई कार्य और व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। अनेक वार्डो में सड़क किनारे और नाली के ऊपर भवन निर्माण सामग्री रखे जाने से सफाई कार्य प्रभावित होने के कारण आयुक्त के निर्देश पर सात लोगों से 500 से 1000 तक जुर्माना लेकर चेतावनी दी गई कि तत्काल अपना भवन निर्माण सामग्री सड़क, नाली से हटाकर उसे सुरक्षित स्थान पर रख कर निर्माण करायें। अन्यथा भवन निर्माण सामग्री जप्ती की कार्यवाही का वे स्वयं जिम्मेदार होगें। आयुक्त के मार्गदर्शन और निर्देशन में शहर के समस्त 60 वार्डो में युद्ध स्तरपर सफाई कार्य कराया जा रहा है। निगम आयुक्त पद्मनाभपुर, उरला रोड, पचरीपारा, न्यू आदर्श नगर, आदि जगहों का भ्रमण कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। विभिन्न वार्ड के सड़कों पर भवन सामग्री पड़े मिले। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित कर कहा जिन लोगों ने भी सड़क किनारे और नाली के ऊपर रेती, गिट्टी, ईंट आदि निर्माण सामग्री रखा है उनसे जुर्माना वसूलें तथा तत्काल सामग्री हटवायें।

निकाय चुनाव निपटते ही वोरा विकास कार्यों में जुटे

दुर्ग। नगरीय निकाय चुनावों में 20 साल बाद दुर्ग निगम कांग्रेस की जोरदार वापसी होने के तत्काल बाद दुर्ग शहर विधायक अरुण वोरा शहर के सर्वांगीण विकास के लिए पुनः जुट गए हैं। उन्होंने लोक निर्माण विभाग मंत्री ताम्रध्वज साहू को शहर के लिए करोड़ों रुपय के विकास कार्यों की सूची बजट वर्ष 2020-21 में शामिल करने हेतु सौंपी। उन्होंने कहा कि पिछले 15 वर्षों के भाजपा शासन में दुर्ग का विकास पीछे रह गया। अब मुख्यमंत्री एवं लोनिवि मंत्री का गृह जिला होने का लाभ निश्चित रूप से दुर्ग को मिलना चाहिए।

अंशकालीन एमबीबीएस डॉक्टर की भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित

दुर्ग। राज्यशासन के महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत जिले मे बालकों की देखरेख एवं सरंक्षण के तहत संचालित शासकीय बालगृह व शासकीय सम्प्रेक्षण गृह में निवासरत किशोरों के नियमित स्वास्थ्य जांच व उपचार हेतु अंशकालीन एमबीबीएस डॉक्टरों से आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। डॉक्टर की पदस्थापना के पश्चात् मानदेय 15000 प्रतिमाह होगा। डाक्टर को किशोरों के स्वास्थ उपचार के अलावा आपातकालीन स्थिति में उपचार हेतु उपलब्ध होना रहना अनिवार्य होगा। इच्छुक एमबीबीएस आर्हता रखने वाले अभ्यर्थि कार्यलीन दिवसों मे हिला कार्यक्रम अधिकरी, महिला एवं बाल विकास विभाग, पांच बिल्डिंग परिसर दुर्ग मे 15 जनवरी 2020 तक प्रातः 10:30 से सायं 5:30 बजे तक अपना आवेदन सम्पूर्ण विवरण व दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत कर सकते हैं।

विभागीय परीक्षा का आयोजन 13 से

दुर्ग। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में 13 जनवरी से 20 जनवरी 2020 तक बीआईटी कॉलेज में विभागीय परीक्षा आयोजित की जायेगी। विभागीय परीक्षा संपादन के लिए अधिकारियो व कर्मचारियों को परीक्षा संबंधी कार्य के लिए दायित्व सौपे गये हैं। जिसमे अरूण कुमार वर्मा डिप्टी कलेक्टर को परीक्षा केन्द्र व प्रश्न पत्र प्रभारी, आरएल तारम लेखाधिकारी आयुक्त कार्यालय को सहायक परीक्षा केन्द्र प्रभारी, नायब तहसीलदार दुर्ग सत्येन्द्र शुक्ला व जयेन्द्र सिंह को वीक्षक, जिला कार्यालय के सहायक ग्रेड-2 सीएल निर्मलकर व सहायक ग्रेड-2 जितेन्द्र वर्मा को लिपिकीय कार्य तथा जिला कार्यालय के भृत्य मेघनाथ साहू व खेदूराम पटेल को उत्तर पुस्तिकाओं का पैकेट तैयार करने व डाक संबंधी कार्य सौपे गए हैं।

नेहरू युवा केंद्र के तत्वाधान में विषय आधारित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

भिलाई। 22 दिसंबर को ग्राम का कातरो में विषय आधारित जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन नेहरू युवा केंद्र के द्वारा किया गया। जिसमें सामाजिक कुरीतियों, जल संरक्षण, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, महिला सशक्तिकरण, महिला संगठन युवा संगठन, जन जागरूकता अन्य विषयों पर जानकारी वहां उपस्थित मुख्य वक्ताओं द्वारा दी गई।

आंकलन | **मोर जमीन मोर मकान घटक अंतर्गत निर्माणाधीन मकानों का किया मुआयाना**

निर्मित आवासों का निगमायुक्त ऋतुराज रघुवंशी ने किया निरीक्षण

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त ऋतुराज रघुवंशी ने आज सुबह वार्ड क्रमांक 16 कुरूद क्षेत्र अंतर्गत कौशल्या निषाद, जोगाराम साहू, मोहम्मद साजिद, कौशल्या यादव, मीरा सेन, दुखित राम साहू, सुरेश विश्वकर्मा, गिरधर यादव, चंद्र विजय, मूल चंद्र विश्वकर्मा, विमला यादव एवं चित्रलेखा यादव आदि के निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण मोर जमीन मोर मकान घटक के तहत किया। उन्होंने कुछ हितग्राहियों के निर्माणाधीन मकानों के नक्शे का अवलोकन किया तथा मकान की गुणवत्ता के विषय में जानकारी प्राप्त की। आयुक्त ने हितग्राहियों को प्रदान किए जाने वाले किस्त की राशि के बारे में भी जानकारी लीए संबंधित अधिकारियों को अप्रारंभ आवासों को शीघ्र प्रारंभ कराने के निर्देश दिए गए। कुछ हितग्राहियों द्वारा भूतल एवं प्रथम तल का भी निर्माण किया जा रहा है जिसमें शौचालय, खिड़की दरवाजे, सीढ़ी, स्लैब आदि का भी अवलोकन आयुक्त द्वारा किया गया इस दौरान उन्होंने हितग्राहियों से भी चर्चा की। उन्होंने वार्ड 16 कुरूद क्षेत्र के अधिकतम आवासों का निरीक्षण मोर जमीन मोर मकान घटक के अंतर्गत किया। आयुक्त के निर्देश पर अप्रारंभ आवासों को प्रारंभ कराने के लिए पूर्व में शिविर का आयोजन भी किया जा चुका है जिसमें हितग्राहियों को आवासों को प्रारंभ करने उनकी वर्तमान परिस्थितियों को समझकर निराकरण करने का कार्य भी किया गया था।

मोर जमीन मोर मकान योजना के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिए जोन में विकेंद्रीकरण भी किया गया है। कुरूद में कुल 24 आवासों का कार्य पूर्ण हो चुका है, 51 आवास निर्माणाधीन है जिन्हें पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। श्री रघुवंशी ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अधिकारियों से कहा कि जिन आवासों का कार्य चरणबद्ध तरीके से किस्तों के अनुरूप पूर्ण हो रहा है उनके अगले किस्त के लिए राशि भुगतान की प्रक्रिया में विलंब न करें। प्रधानमंत्री आवास योजना के कार्यों में प्रगति लाने के लिए आयुक्त ने एक आदेश जारी किया है जिसमें एएचपी घटक के हितग्राहियों का चयन एवं एमआईएस पोर्टल में अटैच किए जाने की स्वीकृति दिए जाने हेतु नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 69 (4) का उपयोग करते हुए सत्येंद्र सिंह अधीक्षण अभियंता को आयुक्त की शक्तियां प्रत्यायोजित की गई है। कुरूद क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण भी किया गया सड़क किनारे एक स्थल पर नाली निकासी नहीं होने से नाली निकासी की व्यवस्था कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त तरुण पाल लहरें, प्रभारी कार्यपालन अभियंता एसपी साहू, प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा, सहायक अभियंता हिमांशु देशमुख, उप अभियंता जयंत शर्मा, वास्तुविद नमन भट्ट आदि उपस्थित रहे।

न्यूज गैलरी

बाइक से गिरकर युवक मृत

महासमुंद। मौलीमुड़ा मार्ग पर बाइक से गिरकर महेंद्र पिता विभीषण यादव (30) गंभीर रूप से घायल हो गया। उपचार के लिए उन्हे रायपुर भेजा गया था। वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना में लिया है।

तीन प्रकरण से 163 क्विंटल धान बरामद

महासमुंद। धान के अवैध परविहन एवं भण्डारण के लिए शनिवार को तीन प्रकरण में 163.20 क्विंटल धान जब्त किए गए। इनमें ताराचंद ठाकुर बिछलादादर 124 क्विंटल, खेलावन चन्द्राकर नवांगांव से 28 क्विंटल, और चन्द्रहास प्रधान ग्राम केना से 11.20 क्विंटल धान जब्त किया गया।

महिला से छेड़छाड़, जुर्म दर्ज

महासमुंद। महिला से छेड़छाड़ के मामले में पिथौरा पुलिस ने एक युवक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। महिला की शिकायत के अनुसार 4 दिसंबर की रात साढ़े 11 बजे अंजली स्कूल के पीछे पिथौरा निवासी अर्श यादव ने (21) ने छेड़छाड़ का प्रयास किया। पुलिस ने अर्श के खिलाफधारा 354, 506 के तहत अपराध दर्ज किया है।

तीन जुआरी पकड़ाए

महासमुंद। मनबाय में चौक के पास जुआ खेल रहे तीन लोगों को बागबाहरा पुलिस ने पकड़ा। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार शाम 7 बजे गांव में दबिश देकर जितेन्द्र कुमार पटेल, लक्ष्मी नारायण महिलाने, जीवन ठाकुर को घेराबंदी कर पकड़ा। जिनके कब्जे से नगदी 2650 रुपए और ताशपत्ती बरामद की। जिस पर जुआ एक्ट 13 के तहत कार्रवाई की गई है।

वृद्धा का अंतिम संस्कार

महासमुंद। मुक्तिधाम सेवा समिति के सदस्यों ने आशियाना वृद्धाश्रम में निवासरत वृद्धा अनुसूइया बुटकर का ससम्मान अंतिम संस्कार किया। दलदली मार्ग स्थित मुक्तिधाम में समिति के सदस्य अशोक साहू, डॉ. एजाज नकवी, डॉ. जे शुक्ला, गोपाल वर्मा, राजू चंद्राकर, अशोक सोनी, ओमप्रकाश औसर, विजय ठाकुर, मोहन बावनकर, फावा पटेल, मनोज पटेल, गुमानचंद जैन, आशियाना वृद्धाश्रम के प्रबंधक आशीष लाल आदि शामिल थे।

पार्षद ने किया टॉवर निर्माण का विरोध

महासमुंद। वार्ड 10 के नवनिर्वाचित भाजपा पार्षद देवीचंद राठी ने वार्ड 10 इमलीभाठा में मोबाइल टॉवर निर्माण का विरोध किया है। उन्होंने विज्ञप्ति जारी कर कहा कि दो माह पहले इस प्रकार टॉवर निर्माण कराने की कार्रवाई शुरू की गई थी। जिसे वहां की जनता के विरोध के बाद रोका गया था, नागरिकों ने कहा था कि यहां टावर लगाने की अनुमति ना दी जाए। लेकिन फिर जैसे ही चुनाव संपन्न हुआ, वहां बीते दो दिन से निर्माण कार्य जारी कर दिया गया है। मेल से भेजी गई विज्ञप्ति में राठी ने कहा कि टॉवर लगाने के कार्य का लोगों ने विरोध किया है गुरूवार को लोग इस संबंध में नगर पालिका पहुंचे थे लेकिन नगर पालिका सीएमओ ने कहा कि टॉवर लगाने की अनुमति दे दी गई है। राठी ने कहा कि अनुमति देने के पहले प्रशासन को वहां की जनता से सहमति लेनी चाहिए। लेकिन प्रशासन ने ऐसा नहीं किया और मनमाने ढंग से टॉवर लगाने की अनुमति दे दी। राठी ने कहा कि टॉवर निर्माण रोका नहीं गया तो वार्ड की जनता के साथ आंदोलन किया जायेगा। राठी ने कहा कि सीएमओ के आश्वासन के बाद भी टॉवर निर्माण जारी है और सीएमओ ने काम रोकने के लिए अब तक नोटिस जारी नहीं की है।

छोटे कद का बड़ा सिने कलाकार पंचतत्व में विलीन

- **बॉलीवुड में 150 से अधिक फिल्मों में काम चुके हैं नत्थूदादा**
- **अंतिम दो दशक से गुमनामी की जिंदगी में जी रहे थे**

नवप्रदेश संवाददाता

राजनांदगांव। भारतीय सिनेमा के युग परिवर्तन के गवाह रहे व डेढ़ सौ से अधिक फिल्मों में अभिनय कर चुके नत्थू दादा ने अब सांसारिक जीवन को अलविदा कर दिया है। महान कलाकार राजकपूर के साथ मेरा नाम जोकर फिल्म से अपने कैरियर की शुरूवात करने वाले दो फीट के नत्थूदादा डोंगरगाँव क्षेत्र के अपने पैतृक ग्राम रामपुर में शनिवार सुबह चार बजे अंतिम सांसें ली, उनका अंतिम संस्कार ग्राम के मुक्तिधाम में ही सामाजिक रीति रिवाज से दोपहर तीन बजे सम्पन्न हुआ। इस दौरान छत्तीसगढ़ी फिल्म व लोक कलाकारों कुलेश्वर ताम्रकार, छत्तीसगढ़ी नाचा के पुरोधा व चंदैनी गोंदा के संस्थापक गुमान साव के पुत्र दीपश साव, पूजा रामटेके, विनोद गौतम, अनिता भोईर एवं छत्तीसगढ़ी फिल्म निर्माता व निर्देशक तिलक राजा सहित राजनांदगाँव के महापौर मधुसूदन यादव, जिपं सभापति विभा साहू सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी व मिडियाकर्मी उपस्थित थे। इस दौरान शासन प्रशासन की ओर से कोई भी व्यक्ति मौजूद नहीं था। ज्ञात हो कि बीते दो दशक से नत्थूदादा

गुमनामी व तंगहाली की जिंदगी जी रहे थे. वे लगातार शासन प्रशासन से सहयोग की मांग करते रहे हॉलाकि जीवकोपार्जन के लिए उन्हें निगम की चौपाटी में मानसेवी कलाकार के रूप में काम मिला था, परन्तु इतने भरे पूरे परिवार में आय नाकाफी थी। ज्ञात हो कि स्वर्गीय दादा के पीछे उनकी पत्नि चंद्रकला रामटेके सहित तीन पुत्र व दो पुत्रियाँ हैं।

वर्ष 1969 में भिलाई में आयोजित राष्ट्रीय फ्री स्टॉइल कुश्ती स्पर्धा में सिने अभिनेता दारासिंग पहुंचे थे, जहां नत्थूदादा अपने मित्रों के साथ उनकी फाइट देखने पहुंचे थे। मैच के समापन उपरांत दारासिंग की नजर नत्थूदादा पर पड़ी। वहीं नत्थूदादा ने अपनी ओर आकर्षित करते हुए कहा कि जो काम मैं कर सकता हूं, वह आप नहीं कर सकते। इस पर दारासिंग ने उनका चैलेंज स्वीकारते हुए उन्हें अपने पास बुलाया इस दौरान दारासिंग कमर में हाथ डाल कर खड़े थे इस दौरान नत्थूदादा उनके दोनों पैरों के बीच से आसानी से निकल गए इस घटनाक्रम ने दारासिंग को नत्थूदादा के प्रति आकर्षित किया और वे नत्थू लाल रामटेके को अपने साथ मायानगरी मुंबई ले गए और उन्होंने ने ही नत्थूलाल रामटेके को नत्थू दादा नाम दिया।

दारासिंग ने ही उन्हें मुंबई ले जाकर राजकपूर से मिला इस दौरान मेरा नाम जोकर फिल्म की स्क्रीनिंग चल रही थी। नत्थूदादा से मिलते ही राजकपूर चौंक पड़े और कहा मेरा जोकर मिल गया। उन्हें मेरा नाम जोकर के लिए साईन करते हुए उन्हें अपने घर पर ही बतौर मेहमान रख लिया। मेरा नाम जोकर के साथ ही दारासिंग के साथ एक पंजाबी फिल्म के बाद नत्थूदादा ने अनेक फिल्मों में काम किया, जिसमें कश्मेवादे, धर्मात्मा, बढ़ती का नाम दाढ़ी, खोटे सिक्के, मास्टरजी सहित अनेकों सुपरहिट फिल्मों में अमिताभ बच्चन, शशि कपूर, शत्रुघन सिन्हा, विनोद मेहरा, फिरोज खान, हेमामालिनी, श्रीदेवी, राजेश खन्ना, रेखा, स्मिता पाटिल सहित अन्य दिग्गज कलाकारों के साथ काम किया, वहीं धरमकांटा फिल्म की शूटिंग के दौरान घायल होने के बाद नत्थूदादा अपने गृहग्राम डोंगरगाँव के रामपुर पहुंचे और यहीं के होकर रह गए।

1982-83 में सिने आर्टिस्ट एसोसियेशन सदस्य नत्थूदादा अपने अंतिम दो दशकों उपेक्षा व तंगहाली की जिंदगी जीने को मजबूर रहे। पुराना पैतृक मकान जब जर्जर हुआ तो गांव में गौठान के पास एक छोटा कच्चा मकान बनाकर गुजारा करने लगे। वहीं शारीरिक कद छोटा होने के कारण कृषि व अन्य कार्यों में वे अक्षम थे। नतीजा यह था कि उनका गुजर बसर मुश्किल से होने लगा। इस दौरान जीवकोपार्जन के लिए स्व. नत्थूदादा चंदैनी गोंदा व अन्य लोककला संस्थाओं में जुड़े। वहीं छत्तीसगढ़ी फिल्मों में भी उन्होंने अपना अनुभव साझा किया। लगातार शासन प्रशासन से आर्थिक हालत सुधारने व सहयोग की मांग करने वाले दादा को महापौर मधुसूदन यादव ने राजनांदगांव की चौपाटी में बच्चों के मनोरंजन के लिए मानसेवी कलाकार के रूप में काम दिया। दुर्भाग्य देखिए आज तक उन्हें मकान का पट्टा तक नहीं मिल पाया। ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ शासन व्दारा लोक कलाकारों को प्रोत्साहन के साथ अनेक योजनाएँ बनाया जा रहा है, किन्तु एक निश्चित समय के बाद कलाकार उपेक्षित हो जाता है और यही स्थिति नत्थूदादा की थी।

विकलांग हरीश को नहीं मिला आवास तीन माह से पेंशन के भी लाले

- **शासन-प्रशासन कुम्भकर्णी नींद पर, विहिप और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने पेश की मानवता, दी राहत राशि**

बलौदाबाजार। विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ताओं द्वारा शनिवार को ग्राम झीपन (सुहेला) संगठन के विस्तार एवं सनातन धर्म के प्रचार के संबंध में दौरा किया गया। इस दौरान संघ के कार्यकर्ताओं की मुलाकात झीपन के रहने वाले हरिश कुमार वर्मा पिता स्व.ब्रिजलाल वर्मा से हुई। विदित हो कि हरिश की वर्तमान स्थिति काफी दयनीय है जिसके संबंध में समाचार पत्रों में उक्त समस्या को शासन प्रशासन के समक्ष रखा गया था। जिसके बाद हरीश की समस्या पर शासन, प्रशासन एवं गांव के सरपंच द्वारा उन्हें आश्वासन दिया गया था की उनके पूर्णतः जर्जर हो चुके मकान को बनवाया जाएगा एवं शासन द्वारा उन्हें हर संभव मदद की जाएगी। लेकिन इन सब के बावजूद घर के नाम पर सिर्फशौचालय ही बन पाया। साथ ही 300 रुपये महिना निराश्रित पेंशन प्रारंभ की गई। जो पिछले 3 माह से मिला भी नही। वही हरिश कुमार वर्मा शारिरिक रूप से विकलांग हैं जिसके चलते कुछ कार्य नही कर सकता एवं उनकी माता श्रीमती अंजनी बाई वर्मा भी उम्रदराज हैं जिसके कारण कोई भी बाहरी कार्य करने में अक्षम हैं दोनों ही अपनी आजीविका गांव में भीख मांगकर या ग्रामीणों की सहायता से पूरी करते हैं ना ही उनके सिर पर अपनी छत है और ना ही कंपकंपा देने वाली ठंड में बचाव के लिए कपड़े।इन सबके बावजूद मानवता दिखाते हुये विश्व हिंदू परिषद एंव बजरंग दल बलौदाबाजार के कार्यकर्ताओं द्वारा पीड़ित परिवार की अत्यंत दयनीय स्थिति को देखते हुए तुरंत राहत के लिए 1 महिने का राशन, गर्म कपड़े शाल, स्वेटर एवं कुछ धनराशि प्रदान की गई। साथ ही पीड़ित परिवार को आश्वस्त किया कि उनकी समस्या को शासन-प्रशासन के समक्ष रख कोई निश्चित समाधान निकाला जाएगा।इस दौरान जिला अध्यक्ष प्रभारी अभिषेक तिवारी (मिकी), जिला मंत्री राजेश केशरवानी (बाबा), सेवा प्रमुख विनय गुप्ता, कोषाध्यक्ष शिवप्रकाश तिवारी, पूर्व संयोजक बजरंग दल हेमंत वर्मा उपस्थित रहे।

पार्षदों का शपथ 6 को, बाद चुनेंगे अध्यक्ष-उपाध्यक्ष

महासमुंद। नगर पालिका महासमुंद समेत जिले के सभी नगर निकायों में आगामी 6 जनवरी को 12 बजे नव निर्वाचित पार्षदों का शपथ ग्रहण होगा तथा इसके तत्काल बाद प्रथम सम्मेलन में अध्यक्ष व उपाध्यक्ष का चुनाव होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी व कलेक्टर के मुताबिक सभी निकायों में शपथ ग्रहण सबंधित अनुविभागीय दंडाधिकारी कराएंगे। उन्होने सभी निकायों में निर्वाचन के लिए पीठासीन अधिकारी नियुक्त कर दिए हैं। जिसमें महासमुंद- अपर कलेक्टर शरीफ मो. खान, तुमगांव- एसडीएम सुनील चंद्रवंशी, बागबाहरा- एसडीएम भागवत जायसवाल, पिथौरा- एसडीएम एस के मरकाम, बसना- एसडीएम कुणाल दुदावत और सरायपाली- अपर कलेक्टर आलोक पांडे शामिल हैं। प्रथम सम्मेलन की अध्यक्षता प्राधिकृत अधिकारी द्वारा की जाएगी।

छत्तीसगढ़ी फिल्म 'ससुराल' 3 जनवरी से प्रदेश के सिनेमाघरों

- **फिल्म के निर्माता ने प्रेस कांफ्रेंस कर दी जानकारी**

कसडोल। मां कामना फिल्मस शिवरीनारायण की पेशकश निर्माता सागर केसरवानी एवं मदन कहारा की प्रस्तुति प्रभास द्वारा निर्देशित फिल्म छत्तीसगढ़ी फिल्म ससुराल आगामी वर्ष में 3 जनवरी को प्रदेश भर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगा। रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर फिल्म के निर्माता सागर एवं मदन ने ससुराल को लेकर कहा की यह फिल्म पारिवारिक ताने-बाने, रीति-रिवाजों से परिपूर्ण इसमें रिश्तो की आपसी प्यार, तकरार व सामंजस्य और हल्की-फुल्की नोकझोंक के साथ एक्शन कॉमेडी इमोशन दर्शकों को देखने को मिलेगी। फ़िल्म के मुख्य किरदार करण खान, सोनाली सहारे, टीकम सिंह एंव प्रगति राव अभिनीत फिल्म 3 जनवरी को शिवा बॉलीवुड बलौदाबाजार एवं बालाजी सिनेमा कसडोल सहित प्रदेश की सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने जा रही है। इस फिल्म के गाने व ट्रेलर यूट्यूब में काफी चर्चित हो रहे हैं।खासकर युवाओं में जबरदस्त क्रेज गाने को लेकर टिक टॉक के माध्यम से भिन्न-भिन्न प्रकार से अपने वीडियो के माध्यम से प्रचार प्रसार कर रहे हैं। निर्माताओं ने इस फिल्म को लेकर टिक टॉक प्रतियोगिता का आयोजन किया था, जिसका बहुत अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। इस फ़िल्म में प्रसिद्ध सिंगर एवं संगीतकार सुनील सोनी ने सभी गाने बेहद कर्ण प्रिय बनाये हैं जो कि सभी वर्गों के द्वारा पसंद किए जा रहे हैं।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव हेतु भाजपा ने जनपद पंचायत समन्वय समिति के प्रभारियों की नियुक्ति की घोषणा

बलौदाबाजार। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर जनपद पंचायत सदस्य के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय स्थापित करते हुए प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र से एक प्रत्याशी अधिकृत करने हेतु जिला प्रभारी अवधेश चंदेल द्वारा जनपद पंचायत समन्वय समिति के प्रभारियों की नियुक्ति की घोषणा की गई वे भाटापारा - सुरेन्द्र टिकरिहा, संजय बाजपेयी, सिमगा - राकेश तिवारी, डॉ. मोहन बांधे बिलाईगढ़ - विजय केसरवानी, अशोक जैन, पलारी - अनिल गुप्ता, सुभाष जालान, कसडोल - डॉ. अजय राव, पवन वर्मा, बलौदाबाजार - अनिल पाण्डेय, तेजराम वर्मा है।

कांग्रेस के स्थापना दिवस पर जुटे कांग्रेसियों ने कहा-

'कांग्रेस के सदस्य होने पर हम सबको है गर्व'

महासमुंद। कांग्रेस पार्टी के 135 वें स्थापना दिवस के अवसर पर स्थानीय कांग्रेस भवन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित की। जिलाध्यक्ष आलोक चंद्राकर ने कहा कि कांग्रेस हमारे राष्ट्र की सबसे पुरानी पार्टी है और पार्टी के अधिकांश सदस्यों ने स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ी है, देश को आजादी दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, हम सबको कांग्रेस पार्टी के सदस्य होने पर गर्व है। विधायक विनोद चंद्राकर ने कहा कि पार्टी के नेता देश की आजादी के पूर्व और आजादी के बाद देश हित में सदैव कार्य किया है, देश के उत्तरोत्तर प्रगति में योगदान दिया है। पूर्व विधायक अग्नि चंद्राकर ने संबोधित किया। आभार प्रभारी महामंत्री हरदेव ढिल्लो ने किया। कार्यक्रम में प्रदेश सचिव नरेंद्र दुबे, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष राजेंद्र चंद्राकर, पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष द्वय मनोजकांत साहू, नानू भाई, पूर्व जनपद उपाध्यक्ष सेवन चंद्राकर, शहर कांग्रेस अध्यक्ष जसबीर ढिल्लो, ग्रामीण अध्यक्ष हुलास गिरी गोस्वामी, महिला कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष सती साहू, झलप पटेवा ब्लॉक अध्यक्ष खिलावन साहू, बरोंडा सहकारी समिति अध्यक्ष सुखदेव साहू, प्रवीण चंद्राकर, पिछड़ा वर्ग प्रदेश सचिव छन्नू साहू सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन शामिल हुए।

शौचालय के 12 हजार की गबनकारी भाजपा से बदला लेगी जनता : दुबे

- **धान का समर्थन मूल्य 2500/- में भी लगाया अड़ंगा**

राजनांदगांव। जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता रूपेश दुबे ने भाजपा को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि शहरी जनता ने जिस प्रकार से भाजपा को नकारते हुए कांग्रेस के पक्ष में जनादेश दिया है उसी तर्ज पर त्रिस्तरीय पंचायती चुनाव में जनता भाजपा से स्वच्छ भारत मिशन योजना के अंतर्गत् ग्रामीण हितग्राहियों को मिलने वाली 12 हजार रूपये का भुगतान छ.ग. में पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के चलते जिले के हितग्राहियों को न कर गबन करने जैसा कृत्य किया है उसका बदला जिले की जनता भाजपा से लेने की मान बना ली है।

प्रवक्ता दुबे ने कहा कि केन्द्रिय योजना स्वच्छ भारत मिशन जिसके अंतर्गत् ग्रामीण हितग्राहियों को प्रोत्साहन राशि के रूप में 12 हजार रूपये दिया जाना था और इसका प्रचार प्रसार तात्कालिन छ.ग. की भाजपा सरकार द्वारा ग्राम उदय से भारत उदय अभियान एवं लोक सुराज अभियान 2016 में पंचायत एवं ग्रामीण विकास छ.ग. सरकार के पुस्तक में 12 हजार जिसमें 60 प्रतिशत केन्द्र का और 40 प्रतिशत राज्य के माध्यम से हितग्राही के बैंक खाते में सीधे हस्तातरंण की नीतिगण एवं रणनीति बनाने संबंधित समाचार पत्रों में शासकीय विज्ञापन एजेंसी संवाद के माध्यम से 8 मार्च, 5 मई, 7 जुलाई एवं 7 अगस्त 2017 के समाचार पत्र में विज्ञापन छपाकर वाहवाही लूटी थी। जिले के हितग्राहियों को उक्त राशि का भुगतान भाजपा सरकार एवं जिले के मुख्यमंत्री होने के बाद भी नहीं किया गया इससे यह साबित होता है कि उक्त राशि को भाजपा सरकार द्वारा गबन करने का कार्य कर हितग्राहियों के हक पर डाका डाला है। इसी प्रकार छ.ग. में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार अपने घोषणा के अनुरूप किसानों को धान का समर्थन मूल्य 2500 सौ रूपये देने का निर्णय लेकर कार्य कर रही थी तो केन्द्र की भाजपा सरकार ने किसानों को 2500/- रूपये समर्थन मूल्य न मिल पाये इसमें अड़ंगा लगाते हुए साजिश कर सेन्ट्रल पुल का चावल नहीं खरीदने का दबाव पूर्ण निर्णय लिया। जिसके कारण राज्य के किसानों को छ.ग. की कांग्रेस सरकार द्वारा प्रदान किया जाने वाला 2500/- रूपये में परेशानी हुई।

नक्सलियों के गतिविधियों पर प्रभावी कार्यवाही करने समीक्षा बैठक

- **गृह मंत्रालय भारत सरकार के वरिष्ठ सलाहकार के नेतृत्व में हुई समीक्षा बैठक**

राजनांदगांव। पुलिस अधीक्षक कार्यालय राजनांदगांव के कान्फ्रेंस हाल में के. विजय कुमार वरिष्ठ सुरक्षा सलाहकार, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली की अध्यक्षता में आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था से संबंधी मीटिंग आयोजित की गई। बैठक में के. विजय कुमार के अलावा श्री पदसालगीकर उप सुरक्षा सलाहकार, भारत सरकार, नई दिल्ली, संजय अरोरा भापुसे, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (आप्स), विवेकानंद भापुसे, पुलिस महानिरीक्षक, दुर्ग रेंज, दुर्ग, जीएच पीग्राजूए भापुसे, पुलिस महानिरीक्षक, सीआरपीएफ अशोक कुमार उप महानिरीक्षक, आईटीबीपी, बीएस ध्रुव वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, शेंडिल कुमार सेनानी, आईटीबीपी सेक्टर मुख्यालय, राजनांदगांव, अनिल कुमार अकर्निया, सेनानी 44वीं बटा. आईटीबीपी, मोहला, रविन्द्र कुमार सेनानी 40वीं बटा. आईटीबीपी, डोंगरगढ़, डा. लालउमेंद सिंह, भापुसे पुलिस अधीक्षक, कबीरधाम, सैयद जावेद अली, द्वितीय कमांड अधिकारी आईटीबीपी, सेक्टर मुख्यालय, राजनांदगांव, अजय निर्मलकर, द्वितीय कमांड अधिकारी, आईटीबीपी, 27वीं बटा. मानपुर, प्रदीप कुमार नेगी, द्वितीय कमांड अधिकारी, आईटीबीपी 38वीं बटा. छुरिया, एससी सिन्हा, असिस्टेंट डायरेक्टर, आईबी, राजनांदगांव, ओंकार यदु, अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, राजनांदगांव, यूबीएस चौहान, अति. पुलिस अधीक्षक, राजनांदगांव, गोरखनाथ बघेल, अति. पुलिस अधीक्षक, डोंगरगढ़, चंदन मिश्रा, उप सेनानी, सेक्टर मुख्यालय, आईटीबीपी, राजनांदगांव, रमेश येरेवार, उप पुलिस अधीक्षक, ऑप्स. मानपुर, अजीत ओगरे, पुलिस अनु. अधिकारी, बोडला, राजीव कुमार सहायक सेनानी सीआरपीएफ निरीक्षक लक्ष्मण केवट, थाना प्रभारी गातापर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

स्थापना दिवस कांग्रेस भवन में जुटे कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता

कांग्रेस ने मनाया 135वां स्थापना दिवस

राजनांदगाँव। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की 135 वर्षगांठ का शानदार आयोजन स्थानीय कांग्रेस भवन में किया गया। उक्त अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने अपने विचारों से अवगत कराया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व मंत्री धनेश पाटिला ने की। सफल संचालन युवा कार्यकर्ता जितेंद्र शर्मा द्वारा किया गया।

जिला कांग्रेस के कार्यवाहक अध्यक्ष राकेश जोशी के दिशा-निर्देश पर स्थानीय कांग्रेस भवन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 135वां स्थापना दिवस वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में मनाया गया। उक्त अवसर पर पूर्व मंत्री धनेश पाटिल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता का जिम्मा उठाया। अपने उद्बोधन में कांग्रेस के समर्पित पदाधिकारियों ने कांग्रेस के योगदान पर प्रकाश डाला। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर आज तक देश के विकास में कांग्रेस की भूमिका का उल्लेख करते हुए पटिला एवं वरिष्ठ कांग्रेसी श्रीकिशन खंडेलवाल ने अपने विचारों से अवगत कराया।

विकास अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि स्थापना दिवस कार्यक्रम का संचालन करते हुए जितेंद्र शर्मा ने वरिष्ठ कांग्रेसियों को मंचस्थ कर पार्टी के योगदानों पर आकर्षक चर्चा को अंतिम दौर में पहुंचाया। कार्यक्रम में विशेष रूप से पूर्व मंत्री धनेश पटिला, वरिष्ठ कांग्रेसी श्रीकिशन खंडेलवाल, दिनेश शर्मा, प्रेमचंद बाफना, इमरान मेमन, शशिकांत अवस्थी, सूर्यकांत जैन, मेहुल मारू, जितेंद्र मुदलियार, नरेश शर्मा, विकास अग्रवाल, अब्दुल कलाम, हितेश गोन्नाडे, डा. अरूण देवांगन, चेतन भानुशाली, शकील रिजवी, योगेंद्र, नरेश साहू, शिवम गढ़पायले, नितिन बत्रा, डा. आरके कुमार, संजय साहू, अमित खंडेलवाल, आरबी मिश्रा, विलियम बंसोडे, मोहसिन, खिलेश बंजारे, प्रीति वैष्णव, निखत परवीन आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में प्रीति वैष्णव ने आभार व्यक्त किया।

त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारियों के लिए भाजपा की बैठक संपन्न

राजनांदगांव। नगरीय निकाय चुनाव के बाद अब भाजपा त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। इस हेतु पूर्व सांसद अभिषेक सिंह की उपस्थिति में वरिष्ठ भाजपा नेता खूबचंद पारख, लीलाराम भोजवानी एवं अशोक शर्मा के मार्गदर्शन में जिला भाजपा कार्यालय में एक अहम बैठक संपन्न हुई, जिसमें जिला पंचायत की 24 सीटों एवं जनपद की 9 सीटों की उम्मीदवारी एवं उनके चयन के तरीकों पर आमराय बनाई गई। भाजपा नेता संतोष अग्रवाल ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सिद्धांतों की पार्टी है। नगरीय निकाय चुनाव में कड़ी टक्कर देने के बाद अब सकारात्मक भाव से जनता की सेवा करने के भाव को लेकर कार्यकर्ता गांव गांव जाएंगे और रमन सरकार की 15 वर्षों की उपलब्धियों को बता कर अपने पक्ष में जनता का आशीर्वाद मांगेंगे।

बीरतराई के टीले में दबा है समृद्ध पुरातात्विक इतिहास

नवप्रदेश संवाददाता

कोरबा। ऐतिहासिक गांव बीरतराई का विशाल टीला आज भी लोगों के लिए रहस्यमय बना हुआ है। कहा जाता है इस टीले में ऐतिहासिक महत्व की अकूत मूर्तियां दबी हुई हैं। वर्षों पहले टीले से निकाली गई मूर्तियां आज भी इस बात की गवाही दे रही है। पुरातत्व विभाग ने यहां छानबीन करने का प्रयास किया, किंतु गांववालों के विरोध के कारण आज भी इस स्थल में उत्खनन नहीं हो सका है।

जिला मुख्यालय से 22 किलोमीटर दूर करतला विकासखंड का ऐतिहासिक गांव बीरतराई सामरिक समृद्धि के बावजूद भी पुरातात्विक दृष्टि से उपेक्षित है। उत्खनन के बाद निकली अधिकांश मूर्तियां बेजान पत्थरों में उकेरी गई कलाकृतियों की गाथा को बयां कर रही है। बची हुई मूर्तियों को ग्रामीणों ने सहेज कर रखा है। जनश्रुति के अनुसार कभी राजा वीर सिंह की नगरी के रूप में विख्यात रहे इस गांव को आज भी ऐतिहासिक अस्तित्व की तलाश है। पुरातात्विक दृष्टि से मां मड़वारानी पहाड़ी के नीचे बसे ग्राम बीरतराई का इतिहास 9वीं से 14वीं शताब्दी के मध्य माना जा रहा है। इस गांव के नामकरण के पीछे यह कहा जाता है कि कभी यहां राजा वीर सिंह का साम्राज्य था। पाली व पहाड़गांव, तुमान, कोसगाई आदि से जुड़ी पुरातात्विक समृद्धि काल से इस गांव को जोड़कर देखा जाता है। पुरातात्विक दृष्टि से अभी तक इस क्षेत्र में सही शोध नहीं हो सका है। ग्रामीणों की दृष्टि में बेजान पत्थरों में उकेर कर बनाई गई कलाकृतियों के कई मायने हैं, किंतु सही मायने में यह नगर कभी सामरिक रूप से समृद्ध नगर रहा होगा। नागर शैली में बनी प्रतिमाओं में शैव मतों से जुड़ी गाथाएं मूर्तियों में उकेरी गई हैं। अलग-अलग स्थानों से उत्खनन से निकली हुई प्रतिमाओं में यक्ष, गंधर्व के अलावा शिवलिंग की पूजा करती पार्वती आदि की प्रतिमाएं यहां प्राप्त हुई है। उत्खनन से अद्भुत हनुमान प्रतिमा भी प्राप्त हुई है, जो सामान्य हनुमान प्रतिमा से परे लंगूर रूप हनुमान है।

तमाम प्रतिमाएं वर्तमान में गांव के मंदिर में रखी गई हैं। गांव के बड़कामुड़ा स्थित मंदिरहा तालाब में निर्मित शिव मंदिर का गांव के ही रहवासियों ने जीर्णोद्धार कराया है। कुछ प्रतिमाओं को पुरातत्व विभाग ने संग्रहालय में रखा है। संरक्षण के अभाव में कई प्रतिमाएं चोरी भी हो चुकी है। लगातार होती जा रही चोरी के कारण मंदिर स्थल में ही प्रतिमाओं को संरक्षित करने के लिए दीवारों के साथ स्थापित कर दिया गया।

कनकी से जुड़ा है इतिहास

बीरतराई में उत्खनन से प्राप्त कई मूर्तियां आज भी कनकी के शिव मंदिर में रखी हुई हैं। गांव के मंदिर में रखे शिवलिंग के जलहरी का आधा भाग मंदिर में रखा गया है। बताया जाता है कि इस जलहरी का आधा हिस्सा कनकी ले जाया गया है। मंदिर जलहरी को साथ ले जाए जाने के कारण आज कनकी में मेला लगता है, जबकि बीरतराई में उपेक्षित है।

क्या कहते हैं ग्रामीण

सही देखभाल की जरूरी

संरक्षण के अभाव में प्राचीन महत्व की प्रतिमाओं की सही देखभाल नहीं हो रही है। पुरातात्विक दृष्टि से सही जानकारी नहीं होने कारण प्राचीन वैभव का पता नहीं चल सका है।

-कृष्णा लाल साहू, बीरतरई

प्रतिमाएं हो रही चोरी

गांव में एतिहासिक महत्व की जानकारी लेने लोग पहुंचते हैं। इसी बहाने स्थल का मुआयना कर मूर्तियों की चोरी करते हैं। अब तक कई प्रमिताएं चोरी हो चुकी हैं।

-कौशल प्रसाद, बीरतराई

पुरातात्विक शोध की जरूरत

प्राचीन जनश्रुति के अनुसार कभी यहां वीर सिंह का साम्राज्य था। पुरातात्विक दृष्टि से सही शोध नहीं होने के कारण यह स्थान आज भी उपेक्षित है।

-महेंद्र चौहान, बीरतराई

सड़क किनारे डम्प कराई जा रही लैंको की राख

लैंको प्रबंधन की उदासीनता से अब ग्रामीण क्षेत्र में भी उड़ रही राख

नवप्रदेश संवाददाता

कोरबा । विद्युत संयंत्र प्रबंधनों की लापरवाही और अपशिष्टों का उचित निपटान की निगरानी में बरती जा रही उदासीनता के कारण अब ग्रामीण अंचल भी राख प्रदूषण की मार झेलने के लिए विवश हो रहे हैं। जिले के कोरबा-चांपा मार्ग पर ग्राम पताढ़ी में संचालित लैंकों अमरकंटक पावर प्लांट से उत्सर्जित होने वाली राख का निस्तार राखड़ बांध में कराने की बजाय इधर-उधर फेकवाई जा रही है। इस कार्य का जिम्मा जिसे भी प्राप्त हुआ है, उसके द्वारा घोर लापरवाही की जा रही है। बताया जा रहा है कि लैंको प्लांट की राख को चांपा मार्ग के अलावा ग्राम कनकी, ग्राम कुदुरमाल में सड़क किनारे डम्प कर दिया जा रहा है जबकि राख कहीं पर भी नहीं फेंकी जा सकती।

किसी को गड्ढा भराने या अन्य वजह से भी राख डम्प कराने के लिए आवश्यक अनुमति लेनी होती है जबकि राख डंप करने के लिए संबंधित को कलेक्टर एवं खनिज विभाग से अनुमति के साथ-साथ ग्राम पंचायत से भी एनओसी लेना होता है। करीब एक माह से चाम्पा मार्ग, कनकी, कुदुरमाल आदि गांवों में सड़क किनारे राख बड़े पैमाने पर फेंकवा कर उसे जेसीबी के जरिये लेबलिंग करा दिया जा रहा है। लैंको प्रबंधन की शह पर गांवों में प्रदूषण को बढ़ाया जा रहा है। राख की वजह से सड़कें प्रभावित हो रही है वहीं सम्बंधित गांव में वायु, जल प्रदूषण के साथ खेत भी राख के दुष्प्रभाव से खराब हो रहे हैं। ग्रामवासियों में इसे लेकर काफी आक्रोश व्याप्त है और इस तरह इधर-उधर राख नहीं फेंकने तथा फेंकवाई गई राख को उठवाने की मांग की जा रही है। इस विषय पर लैंको अमरकंटक पावर लिमिटेड के ईडी येनुगुला धरनीधर और क्षेत्रीय पर्यावरण संरक्षण अधिकारी श्री शिंदे से उनका पक्ष जानने संपर्क किया गया किंतु दोनों अधिकारियों का मोबाइल नहीं उठा।

वृक्षारोपण की सिंचाई व्यवस्था की मांग

नवप्रदेश संवाददाता

तिल्दा-नेवरा। सार्वजनिक तौर में किये जा रहे वृक्षारोपण की सिंचाई व्यवस्था की मांग संजीवनी रक्तदाता संघ ने नगरपालिका प्रशासन तिल्दा-नेवरा से की है संजीवनी रक्त दाता संघ के अध्यक्ष ओमप्रकाश चौहान ने बताया कि नगर पालिका के मार्फत्त निर्मित कांजी हाउस नेवरा के पिछे संजीवनी रक्तदाता संघ के द्वारा विगत 12 वर्षों से वृक्षारोपण किया जा रहा है लेकिन सिंचाई संसाधन के अभाव के चलते पौधों के जीवन रक्षक पानी की आपूर्ति के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ती है सिंचाई व्यवस्था हेतु लंबी दूरी तय करनी पड़ती है चौहान का कहना है कि बारिश के मौसम में मौसमी बारिश से पौधों की सिंचाई हो जाती है लेकिन वही अन्य ऋतुओं में सिंचाई व्यवस्था के लिए कठिन परिश्रम करना होता है पौधों को पानी की आपूर्ति करने काफी कठिनाइयों का सामना करना होता है ।

समाज हित में कार्य करती है संस्था सीजीएसडब्लूएस

नवप्रदेश संवाददाता

भाटापारा। सीजीएसडब्लूएस की अनुपम पहल से लोगों में जनजागरूकता आई है और इस संस्था ने जनहित एवम समाजहित की मिसाल कायम करते हुए जनहित में जारी भारत मेरी जिम्मेदारी इन्हीं स्लोगन को वास्तविक रूप देकर निःस्वार्थ सेवा, सहयोग एवम सहायता व हर कदम पर सेवा एवम सहायता मुस्कान के साथ निरन्तर तत्पर रहने वाली राज्यस्तरीय पंजीकृत संस्था छत्तीसगढ़ स्टारहेल्प वेलफेयर सोसायटी को जनहित एवम समाजहित के कार्यों को निरन्तर जारी करते रहने एवम जनहित की मुहिम एवम सामाजिक पहल के क्षेत्र में सराहनाएं की जा रही है। समय-समय पर समाजिक कार्यों, जनहित हेतु अनुपम पहल हेतु निरन्त अग्रसर है। जन की अपील जनहित में जारी भारत मेरी जिम्मेदारी इस हेतु संस्था अपनी भागीदारी निभाने हेतु सक्रिय भूमिका निभा रही है इसके साथ ही प्रायोगिक रूप से जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन, सामाजिक सरोकार के लिए सतत रूप से प्रयासरत है। इसी के साथ संस्था ने सोशल मीडिया, सोशल नेटवर्किंग को आधार बनाया है जिसमें की साप्ताहिक रूप से थिंक पॉजीटिव बी पॉसीटिव (सकारात्मक विचारों के साथ आगे बढ़ें) को लेकर चल रही है जिससे कि लोगों को जनहित एवम समाजहित में जारी परियोजनाओं से सम्बन्धित समस्त जानकारियां मिलती रहे, नैतिकता एवम सुआचरण के मानिवय विकास करने एवम सकारात्मक तथा जनसाधारण को जागरूक एवम प्रेरित करते रहने हेतु कदम बढ़ाई है जिससे कि लोगों द्वारा संस्था के कार्यों को सराहनाओं के साथ ही सुझाव भी प्राप्त हो रहे हैं। इसी कड़ी में संस्था जनजागरूकता की नई मिसाल बनी है।

चन्द्रगिरी पहुंचने पर तपोमती माताजी का भव्य स्वागत

नवप्रदेश संवाददाता

डोंगरगढ़ । बालाघाट से चातुर्मास पूरा करने के बाद डोंगरगढ़ चन्द्रगिरी तीर्थ स्थल पहुंचने पर तपोमती माताजी का भव्य स्वागत किया गया। बालाघाट से चातुर्मास पूरा कर आरिका मां 105 तपोमती माताजी 22 दिसम्बर की शाम को ससँग 10 माताओं के साथ विहार किया और गोंदिया, आमगांव,सालेकसा, बोरतलाव के रास्ते धर्मनगरी डोंगरगढ़ में प्रवेश किया तो उपजेल के आगे चन्द्रगिरी ट्रस्ट समिति के अध्यक्ष किशोर जैन के नेतृत्व में डोंगरगढ़ जैन समाज के धर्मावलंबियों ने सभी माताजी की अगुवानी की और बाजे गाजे के साथ थाना चौक, महावीरपारा, ऊपर मंदिर के रास्ते चन्द्रगिरी प्रवेश द्वार पहुंचे जहां पर चन्द्रगिरी प्रतिभास्थली की छात्राओं, ट्रस्ट समिति के पदाधिकारियों व जैन समाज के लोगों ने चरण वंदना कर उनका भव्य स्वागत किया। इसके बाद माताजी चन्द्रगिरी तीर्थ स्थल पहुंची जहां पर सभी ने पुनः उनकी चरण वंदना कर उनका स्वागत किया। स्वागत पश्चात तपोमती माताजी ने उपस्थित सभी धर्मावलंबियों को अपने मुखारबिंद से अनुग्रहित किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में प्रतिभास्थली की छात्राएं, ट्रस्ट के पदाधिकारी एवं जैन समाज के लोग उपस्थित थे।

छग मनवा कुर्मी समाज की बैठक में हुआ निपटारा

भाटापारा। छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज अर्जुनी राज की बैठक ग्राम फरहदा बाजार चौक में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ राजप्रधान भुनेश्वर वर्मा ने छत्रपति शिवाजी महाराज, डॉ.खूबचंद बघेल, स्वामी आत्मानंद महाराज के छायाचित्र पर द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर अर्जुनी राज के राजप्रधान भुनेश्वर वर्मा ने कहा बहुत ही सौभाग्य की बात है कि आज फरहदा गांव के पावन धरा में करीब तीन महीने बाद मासिक बैठक हो रहा है। इस कड़ी में माननीय राजप्रधान द्वारा स्वंय उपस्थित क्षेत्र प्रमुखों, ग्राम प्रमुखों का गुलाल और गमछा भेंट कर स्वागत किया गया। इस बैठक में कुल 17 प्रकरणों का निराकरण किया गया।

हायर सेकेन्डरी स्कूल पेंडरवानी में हुआ नवोदय प्री चयन परीक्षा का आयोजन

नवप्रदेश संवाददाता

गंडई पंडरिया। कल रविवार को जवाहर नवोदय प्रवेश परीक्षा कक्षा 6वी के लिए प्रि माडल पेपर का आयोजन शासकीय उच्चतर मद्यमिक पेंडरवानी मे किया गया । संकुल केंद्र पेंडरवानी मे संकुल समन्वयक रामबिलस साहु ,रामदत्त साहूम, भागचंद साहु, के मार्गदर्शन मे कई जिलो से लगभग चार सौ बच्चो ने नवोदय प्रि टेस्ट परीक्षा मे भाग लिया । पीयूष कुमार तंबोली प्रभारी प्राचार्य व बीसी साहू प्रभारी के निर्देशन मे ग्रामीण बच्चो मे प्रतिभागी परीक्षाओ के प्रति विशेष रुचि जागृत करने के उपदेश्य से विभिन्न परीक्षाओ के संबंध मे जानकारी दी गई। जिसमे प्रमुख रूप से नवोदय विद्यालय, प्रयास विद्यालय के संबंध मे जानकारी दी बच्चो और पालको का उत्साह देखते ही बन रहा था। बच्चो को परीक्षा से संबन्धित दिशा निर्देश दिये गए और बच्चो को माडल पेपर दिया जिसे अभ्यर्थियो ने हल किया और उसका मूल्यांकन भी किया गया। इस परीक्षा मे विभिन्न जिलो से आए शिक्षक दोदेस्वर चंदेल, शिवचरण वर्मा, लोकेश साहू, मुकेश वर्मा, दोगेन्द्र वर्मा, देवराम साहू, कोमल सिन्हा, दिनेश वर्मा, धनेश रजक, बिदेश्वर नेताम, गुनाराम चंदेल, नारायण साहू, धर्मेन्द्र कुंभकर, धनराज साहू शामिल हुये ।

बाबा गुरु घासीदास के बताये रास्ता में चलो सफलता जरूर मिलेगी: शर्मा

नवप्रदेश संवाददाता

भाटापारा। सिमगा ब्लॉक के ग्राम खपराडीह में आयोजित परम पूज्य बाबा गुरु घासीदास जयंती समारोह में आसपास के गांवो से आये सैकड़ो ग्रामीणों को संबोधित करते हुये प्रदेश कांग्रेस सचिव सुशील शर्मा ने कहा कि पूरे देश मे धार्मिक आस्था के माध्यम से मानव मानव एक समान का संदेश देने वाले हमारे प्रथम गुरु परम पूज्य बाबा घासीदास छतिषगढ़ से है जिनके बताये रास्तो पर चल कर हम अपना जीवन सफ्ल कर सकते है,सत्य के प्रतीक सफेद झंडा है,सत्य बोलकर अपने जीवन को हम निष्कलंक रख कर समाज और परिवार को एक नई दिशा में ले जा सकते है, मांस और मदिरा का सेवन करना सबसे बड़ा अपराध है,हम सभी सतनाम के मानने वालों को इन बातों को ध्यान में रखकर अपना जीवन सफ्ल करना चाहिये, आज किसान के बेटे भूपेश बघेल हमार मुख्यमंत्री बने है 19 दिसम्बर 2013 के भूपेश बघेल प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष के पद में नियुक्ति होने के बाद लगातार जन भावनाओ को साथ लेकर तत्कालीन सत्तासीन भा जा पा पार्टी के अन्यायों के खिलाफ बाबा गुरु घासीदास के बताये रास्तो में चलकर आज छत्तीसगढ़ राज्य में कांग्रेस के सरकार मतलब हमर छत्तीसगढ़िया मन के सरकार बना के राज्य को पूरे देश मे पहचान देने में लगे हुये है।

मार्शल आर्ट अकेडमी की पहल पर सायकल रैली

नवप्रदेश संवाददाता

भाटापारा। सप्ताह में 1 दिन सायकल चलाओ जैसे स्वास्थ्य हित के नारो के साथ रविवार को मार्शल आर्ट अकेडमी की पहल पर सायकल रैली निकाली गई जिसमे पुलिस, डॉक्टर, पत्रकार,छात्र, नागरिक,नेता और गणमान्य नागरिकगण शामिल हुए। स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पैदा करने को लेकर मार्शल आट्र्स स्पोट्र्स एकेडमी और पुलिस प्रशासन के सयुंक्त तत्वाधान में पत्रकारगण , शहर के गण मान्य डॉक्टरों एवं नगर वासियों के द्वारा एक दिवसीय सायकल रैली का आयोजन हुआ इस रैली को अनुविभागीय अधिकारी महेश राजपूत के द्वारा रैली को हरी झंडी दिखाकर शहर थाना से प्रारंभ किया गया । इस रैली का उद्देश्य लोगो को अपने स्वास्थ के प्रति जागरूक करना था। वर्तमान परिवेश में आजकल लोग सायकल से दूर होते जा रहे है जो निश्चित ही चिंता का विषय बन गया है जो की लोगो के स्वास्थ्य के लिए अभिश्राप बनता जा रहा है , लोग अनेक बीमारियों की चपेट में आ रहे है लोगो की उम्र आधी हो चुकी है जिसको ध्यान में रखते हुए , मनुष्य काया को स्वस्थ बनाने , पर्यावरण को प्रदूषण से बचाए रखने , नशे से दूर रहने एवं बेटियो की सुरक्षा के प्रति जागरूक करने आयोजन किया गया और जागरूकता फैलाने का कार्य करते हुए रैली में सम्मिलित सभी वर्ग ने लोगो से आग्रह व निवेदन किया कि अपने आपको स्वस्थ रखने के लिए हफ्ते में 1 दिन साइकिल का उपयोग कर रोगमुक्त शरीर , फिट व स्वस्थ मानसिकता का उत्सर्जन करे, स्वस्थ रहे ।

शीतलहर | **नगर सहित अंचल का न्यनतम तापमान 4 डिग्री पर, दिन में भी ले रहे लोग अलाव का सहारा**

नगर पंचायत द्वारा नहीं की गई अलाव की व्यवस्था, ठिठुर रहे हैं लोग

नवप्रदेश संवाददाता

लवन। नगर सहित पूरे क्षेत्र में इन दिनों शीतलहर की चपेट में है। बादलों के छट जाने से जहां सुबह से ही धूप खिल रही है। वही गुनगुनी धूप का आनंद लेने लोग दोपहर तक घरों एवं दुकानों के बाहर बैठ रहे है। इसके अलावा जगह-जगह लोग शुबह-शांम अलाव जलाकर ताप रहे है।

शांम होते ही लोग अपने साधनों से अलाव जलाकर रात तक उसके आसपास जले रहते है। शीतलहर के कारण पूरे दिन गर्म कपड़े पहनना लोगों की मजबूरी बन गया है। वही शाल, स्वेटर, जैकेट, मफ्लर के बिना घर से बाहर निकलने की कोई हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है। सुबह से ही धूप का अलग नजारा होता है जिसमें लोग घंटो घर के बाहर बैठे नजर आ रहे है।

नगर में दुकानदार भी दुकानों के बाहर कुर्सियां लगाकर बैठ रहे है। शांम होते ही दुकानों के सामने भी कुछ जगहों पर अलाव आदि जलाकर सर्दी दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। इस बार शीतलहर ने जमकर कहर बरीपाया है, भारी बारिश के बाद अब सर्दी भी उतनी ही पड़ रही है जिससे लोगों को सर्दी का प्रकोप झेलना पड़ रहा है। शीतलहर के कारण सुबह लोगों का दैनिक कामकाज जहां विलंब से प्रारंभ हो रहे हे। वही शांम से ही लोग घरों में दुबक रहे है। इधर नगर में दुकानें भी 10 बजे के बाद ही खुल रही है तथा शांम 7.30 तक दुकाने बंद नजर आ रही है वही रात 8.30 बजे तक सड़के सुनी नजहर आ रही है।

शीतलहर की वजह से ही ग्रामीण अंचल के लोग नगर की ओर कम आना-जाना कर रहे है जिसका असर व्यापार पर भी पड़ रहा है। सर्दी बढ़ने के साथ ही कपड़ा दुकानों में गर्म कपड़ों की बिक्री भी बढ़ गई है। सर्दी का प्रकोप अधिक होने से ग्रामीण अंचालों से लोग आकर कंबल, साल की खरीद रहे है। दुकानदारों ने बताया कि इस वर्ष भारी वर्षा होने से अंदाजा लगाया जा रहा था कि सर्दी भी खासी पड़ेगी और फिलफाल सर्दी अपने चरम पर है। शीतलहर होने से कंबल व गर्म कपड़ों की बिक्री बढ़ी है।

रविवार को होने वाले लवन के साप्ताहिक बाजार में साल, श्वेटर, कंबल का बाजार देखने को मिला। पिछले चार दिनों से दिन का अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस, तथा रात का न्यूनतम तापमान 4 से 5 डिग्री तक दर्ज किया गया। पिछले चार दिनों से अधिक ठंड बढ़ने के बावजूद भी नगर पंचायत द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर अलाव की कोई व्यवस्था नहीं की गई। लोगों को सर्दी से राहत मिल सके इसके लिए नगर पंचायत द्वारा अलाव की कोई व्यवस्था फिलहाल अभी तक नहीं की गई है। रात का तापमान 4 डिग्री से कम होने की वजह से कहीं-कहीं पर बर्फ की चादर देखने को मिल रही है। सुबह 9 बजे सर्दी ने लोगों को ठिठुरने पर मजबुर कर दिया है। इसके चलते लोगों का दैनिक कार्य प्रभावित हो रहा है। लोग चैबीसों घण्टे श्वेटर पहने हुए नजर आ रहे है।

फुटबॉल टूर्नामेंट में सक्ति विजेता और पामगढ़ उपविजेता रहा

नवप्रदेश संवाददाता

पामगढ़। पामगढ़ के मिनी स्टेडियम मैदान में मंगलवार को फुटबॉल टूर्नामेंट के का सेमीफाइनल और फाइनल मैच खेला गया । जिसके सेमीफाइनल मैच में पकरिया और पामगढ़ के मध्य मैच खेला गया जिसमें पामगढ़ ने पकरिया को 8 - 3 से हराया इस तरह से पामगढ़ की टीम फाइनल में जगह बनाई।

एक तरफ से पामगढ़ की टीम फाइनल में जगह बना लिया और दूसरे तरफसक्ति फ्लोरा ने फाइनल में जगह बना लिया फाइनल मुकाबले में सक्ति और पामगढ़ के मध्य खेला गया जिसमें सक्ति की टीम ने पामगढ़ की टीम को हराते हुवे शानदार जीत दर्ज किया। पामगढ़ मिनी स्टेडियम में 3 दिवसीय ओपन फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि इंदु बंजारे विधायक पामगढ़, दुजराम बौद्ध पूर्व विधायक पामगढ़, उत्तम भारद्वाज, ध्वजाराम यादव, विभीषण पात्रे, कृष्ण रात्रे, भोला थवाईत,रोहित रत्नाकर, रामभरोस निराला, शिखर कौशिक, रवि अग्रवाल अतिथियों के द्वारा विजेता टीम सक्ति फ्लोरा को ट्राफी और 10 हजार नगद पुरुस्कार हासिल किया। वही उपविजेता रही पामगढ़ टीम ने ट्राफी और 5000 नगद पुरुस्कार हासिल किया। सेमीफाइनल में कम गोल से हारने के कारण पकरिया टीम को तीसरा पुरस्कार के रूप में ट्राफी और सांत्वना पुरस्कार दिया गया। गोल्डन बूट का अवार्ड सक्ति फ्लोरा टीम के प्रदीप को मिला, गोल्डन बाल का अवार्ड सक्ति फ्लोरा टीम के जगदीश को दिया गया, बेस्ट सुरक्षा पंक्ति का अवार्ड पामगढ़ टीम से देवेन्द्र यादव को दिया गया, मेन ऑफ द सीरीज का अवार्ड पामगढ़ टीम के ज्ञान खरे को मिला, बेस्ट फारवर्ड पेलेयर का अवार्ड पामगढ़ टीम के परमजीत बंजारे को दिया गया हैं। आयोजन समिति में राजेन्द्र कौशिक, टी के सरकार, देवेन्द्र यादव, सनोद कुर्रे, ज्ञान खरे, परमजीत, मनीष कश्यप, धीरेन्द्र, दिनेश यादव, जगदीप अनंत, का योगदान रहा विशेष सहयोग चैतन्य कालेज, विद्या निकेतन, शिवम एचपी गैस, अमर ट्रेडर्स, साची मेंस का अहम योगदान रहा।

पुलिस महानिरीक्षक ने किया देवकर चेकपोस्ट का औचक निरीक्षण

■ **खाद्य अधिकारी बेमेतरा को थमाया नोटिस**

नवप्रदेश संवाददाता

बेमेतरा/साजा। संभागायुक्त दुर्ग दिलीप वासनीकर एवं पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज द्वारा 26 दिसम्बर को बेमेतरा जिले के देवकर चेकपोस्ट का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विभागीय अधिकारी/कर्मचारी की अनुपस्थिति पाया गया और बेधड़क गाडियों के परिवहन पर अधिकारियों ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने खाद्य अधिकारी बेमेतरा को कार्य के प्रति लापरवाही बरतने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया है। साथ ही बेमेतरा जिले के समस्त आठ चेकपोस्ट में राजस्व, खाद्य, मंडी, सहकारिता एवं वन विभाग के अधिकारी/कर्मचारियों का दल तैयार कर 24 घंटे सतत निगरानी करने के निर्देश दिए है। उन्होंने शासन के दिशा-निर्देशों का समुचित पालन करने एवं कलेक्टर बेमेतरा को वस्तुस्थिति से अवगत कराने को भी कहा है। उल्लेखनीय है कि संभागायुक्त दुर्ग संभाग एवं पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग द्वारा शासन के निर्देशानुसार धान खरीदी के दौरान अवैध परिवहन की रोकथाम हेतु संभाग के समस्त अंतर्राज्यीय चेकपोस्ट एवं धान खरीदी केन्द्र में सतत् निगरानी किया जा रहा है। इस दौरान पुलिस अधीक्षक बेमेतरा प्रशांत सिंह भी उपस्थित थे।

52 लाख के गबन करने वाले को फिर से बना दिया धान खरीदी केंद्र प्रभारी

किसानों ने की कार्रवाई की मांग

नवप्रदेश संवाददाता

हसौद। जांजगीर जिले में इन दिनों धान खरीदी केंद्रों में गबन करने वालों को ही धान खरीदी केंद्र प्रभारी बना दिया गया है जिससे किसानों में काफी आक्रोश है , ऐसा नही है कि अधिकारियों को इस बात की जानकारी न हो। मालखरौदा ब्लाक अन्तर्गत घोघरी धान खरीदी केंद्र में लाखों रुपए के गबन करने वाले को खरीदी केंद्र की जिम्मेदारी दी गई है। जिसकी जानकारी होने के बावजूद भी कार्रवाई करने के बजाय धान खरीदी कराई जा रही है , जबकि गबन करने वाले के खिलाफ420 की मामला दर्ज की जाती है लेकिन घोघरी खरीदी केंद्र प्रभारी को कार्रवाई के बजाय अभयदान मिला है।

ज्ञात हो की घोघरी धान खरीदी केंद्र में बरसाती चन्द्रा को धान खरीदी केंद्र प्रभारी बनाया गया है। बरसाती चन्द्रा के खिलाफ पूर्व में देवगांव खरीदी केंद्र में लगभग 52 लाख रुपए गबन करने का आरोप है जो रिक्तरी भी नही किया है और उसी को ही फिर से धान खरीदी प्रभारी बनाए जाने पर लोगों में रोष व्याप्त है। जबकि शासन का शक्त निर्देश है कि दागी कर्मचारियों से धान खरीदी नही कराना है।सरकार एक तरफ दागियों से धान खरीदी नही कराने का दावा कर रही है और दूसरी ओर लाखों रुपए का गबन करने वाले को खरीदी की जिम्मेदारी दे दी है। किसानों का कहना है कि जिला में बैठे अधिकारियों द्वारा अपनी साख बचाने के एवज में कुछ दिन तक खरीदी से दूर रखा गया था , पर इससे बरसाती चन्द्रा के कृत्यों पर पर्दा नही डाला जा सकता , इन किसानों का कहना है कि बरसाती चन्द्रा के द्वारा किया गया फर्जीवाड़ा का निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई करने का मांग किया गया है , साथ ही घोघरी धान खरीदी केंद्र से बरसाती चन्द्रा को हटाने की मांग की है। इस सम्बन्ध में बरसाती चन्द्रा का कहना है कि मेरे जैसे गबन करने वाले और कई जगह खरीदी कर रहे हैं।

इनका कहना है

इस सम्बन्ध में मुझे जानकारी नही है मै अभी अभी यहाँ आया हूँ , बरसाती चन्द्रा को धान खरीदी की जिम्मेदारी अधिकारियों द्वारा दी गई है।

-जवाहर लाल यादव
शाखा प्रबंधक छपोरा

गबन करने का आरोप है और धान खरीदी कर रहे हैं तो उसके खिलाफकार्रवाई कर खरीदी प्रभारी से हटाया जाएगा।

-सुभाष सिंह राज
एस डी एम सक्ति

नागरिकता संशोधन कानून और प्रस्तावित नेशनल रजिस्टर आफ सिटीजंस विधेयक के समर्थन में रैली

दल्लीराजाहरा। नागरिकता संशोधन कानून व प्रस्तावित नेशनल रजिस्टर आफसिटीजंस विधेयक के समर्थन में आज भव्य रैली समय- दोपहर 1:00 बजे विशाल पैदल मार्च व सभा का आयोजन किया जाएगा। देश की एकता अखंडताऔर सुरक्षा को भारत सरकार द्वारा लगातार कानून बनाकर चाक-चौबंद करने का प्रयास किया जा रहा है, किंतु देश के भीतर छुपे हुए कुछ गद्दारों और वोट बैंक की राजनीति करने वाले राजनीतिक दलों द्वारा विरोध कर बाधा उत्पन्न करने की कोशिश किया जा रहा है। इसलिए हम सब भारत मां के लालों का राष्ट्रीय कर्तव्य बनता है की सड़क पर उतरकर इस कानून के समर्थन में सरकार का खुलकर साथ दें। 1.30 बजे श्री राम मंदिर से पैदल रैली निकलकर जैन भवन चौक से माईंस आफिस चौक होते हुए ज्ञानु/संतोष पेट्रोल पंप से गुप्ता चौक, फव्वारा चौक, थाना चौक से पुनः जैन भवन चौक होते हुए गुप्ता चौक में आम सभा के रूप में समाप्त होगी।

वन्य प्राणियों का संरक्षण करने दिया संदेश : ग्रीन कमांडो

वन्य प्राणियों के संरक्षण से ही पर्यावरण का संतुलन बना रहेगा

नवप्रदेश संवाददाता

दल्ली राजहरा। हमें भी जीने का अधिकार है जंगल पर मानव ने कब्जा कर लिया सूखते नदी, तालाब क्या आने वाली पीढ़ियों को पुस्तकों के माध्यम से वन्य प्राणियों की जानकारी दी जाएगी। ग्रीन कमांडो वीरेंद्र सिंह ने कहा कि आज हर ब्यक्ति को सांता क्लाज बनना होगा । वन्य प्राणियों के संरक्षण के लिए तभी पर्यावरण का संतुलन बना रहेगा । वन्य जीवों का वनों से अटूट रिश्ता है हो सकता है कि हम वनों को केवल वन ही मानते हो हम समझते हों कि ये मात्र पेड़ ऊबड़ खाबड़ धरती , कंटीली झाड़ियां ही तो हैं जिसमें कोई क्रमबद्धता नहीं है लेकिन हम भूल जाते हैं कि वनों में रहने वाले जीव, जन्तु और पक्षियों के लिए यही वन उनका घर हैं। वन का वातावरण वन्य प्राणियों के लिए उनका पारिवारिक परिवेश है । वन की धरती इन जीवों के लिए बिछौना और वृक्षों की छाया उनके लिए उनकी जीवन शैली और स्वभाव भिन्न - के ल्या रावटे शामिल हैं बिछौना और वक्षों की छाया उनके लिए चादर है । इन्हीं वनों में तरह - तरह के वन्य जीव रहते हैं । जिनका रूप , रंग आकार उनकी जीवन शैली और स्वभाव भिन्न भिन्न है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

जनवरी के पहले...

किए जा सकते हैं। केंद्र के मुताबिक बलरामपुर प्रदेश में सबसे ठंडा स्थान रहा है। यहां शनिवार को न्यूनतम तापमान 1.2 डिग्री दर्ज किया गया। हालांकि रविवार को यह थोड़ा ऊपर 1.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं रविवार को प्रदेश अन्य स्थानों की बात करें तो अंबिकापुर में न्यूनतम तापमान 4.1, पेंड्रा रोड- 4.2, बिलासपुर- 6.5, जगदलपुर- 9.2 व रायपुर में 10.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

थोड़ी राहत देकर फिर कंपाएगी ठंड : मौसम केंद्र, रायपुर के वैज्ञानिक एचपी चंद्रा ने नवप्रदेश को बताया को फिलहाल मौसम में उतार चढ़ाव बना रहेगा। जनवरी की एक या दो तारीख तक रायपुर में पारा (न्यूनतम तापमान) 15-16 डिग्री तक जा सकता है। लेकिन इसके बाद फिर तापमान में गिरावट का दौर चलेगा। यह गिरावट इतनी होगी कि जनवरी के पहले हफ्ते में ही सीजन के सबसे ठंडे दिन व रात का अहसास हो सकता है। कमोबेश यही स्थिति उत्तर छत्तीसगढ़ में भी देखने को मिल सकती है।

मध्यभारत के लिए ये अनुमान पहले ही: भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की ओर से मध्य भारत के इस बार की ठंड को लेकर पहले भी अनुमान जताया जा चुका है। इसके मुताबिक, दिसंबर, जनवरी व फरवरी के माह में मध्य भारत का औसत न्यूनतम तापमान एक डिग्री सेल्सियस तक अधिक रह सकता है। वहीं अधिकतम औसतन तापमान 0.5 डिग्री सेल्सियस तक कम रिकॉर्ड किया जा सकता है। दूसरे शब्दों में कहे तो इस ठंड के सीजन में रातें थोड़ी गर्म व दिन ठंडे रहेंगे।

दादा साहेब फाल्के...

आपने बहुत काम कर लिया है, अब घर बैठ के आराम कीजिए। क्योंकि अभी भी थोड़ा काम बाकी है, जिसे मुझे पूरा करना है और आगे भी कुछ ऐसी संभावनाएं बन रही हैं जहां मुझे काम करने का अवसर मिलेगा, यदि इसकी पुष्टि हो जाए तो बड़ी कृपा होगी।' इस दौरान बैठे सभी लोग हंस पड़े और तालियों की गड़गड़ाट से सभागार गूंज उठा।

बता दें कि अस्वस्थ होने के कारण अमिताभ बच्चन सोमवार को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में शामिल नहीं हो पाए थे। बताते चलें कि सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावडेकर ने बताया था कि अमिताभ बच्चन को दादा साहेब फाल्के सम्मान से 29 दिसंबर को नवाजा जाएगा। साल 2018 का दादा साहब फाल्के सम्मान फिल्म उद्योग में उल्लेखनीय योगदान के लिए 77 वर्षीय अमिताभ बच्चन को दिया जाना था लेकिन बच्चन अस्वस्थ होने के कारण समारोह में शिरकत नहीं कर सके। 1969 में शुरू हुए दादा साहेब फाल्के पुरस्कार का नाम धुंडीराज गोविंद फाल्के के नाम पर रखा गया है जिन्हें भारतीय सिनेमा का जनक कहा जाता है। इस पुरस्कार के तहत एक स्वर्ण कमल, एक शॉल और 10 लाख रुपये नकद प्रदान किए जाते हैं।

परमाणु हमले की...

अकूला क्लास का जहाज है। नेवी ने स्टैंडिंग कमिटी को यह भी बताया कि पिछले 15 वर्षों में सिर्फ दो नई पारंपरिक पनडुब्बियां ही बेड़े में शामिल हुई जिनमें एक स्कॉर्पीन क्लास का जहाज आईएनएस कलवरी है जबकि दूसरा आईएनएस खंडेरी। रिपोर्ट में कहा गया है, 'नेवी ने बताया कि मौजूदा 13 कन्वेंशनल सबमरीन्स 17 से 31 वर्ष पुरानी है।'

नेवी अपने प्रॉजेक्ट 75 के तहत छह नई सबमरीन्स बनाने की योजना पर काम कर रही है। भारतीय नौसेना छह पारंपरिक पनडुब्बियों का निर्माण भारतीय कंपनियों और विदेशी मूल की उपकरण निर्माताओं के साथ साझेदारी में करेगी। यह प्रॉजेक्ट स्ट्रैटिजिक पार्टनरशिप पॉलिसी के तहत संचालित होगा। भारतीय नौसेना के बेड़े में पहली स्वदेशी पनडुब्बी 'कलवरी' 14 दिसंबर, 2017 को शामिल की गई थी। 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम के तहत देश में डिफेंस प्रॉडक्शन के मद्देनजर यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। देश में पनडुब्बियां बनाने का प्लान 1999 में तैयार किया गया था। तब 30 साल का रोडमैप तैयार हुआ था जिसके तहत 2029 तक 24 पनडुब्बियां बनाने की योजना थी। इसके पहले प्रॉजेक्ट पी-75 के तहत स्कॉर्पीन सीरीज की छह पनडुब्बियां बनाई जा रही हैं। 2005 से यह प्रॉजेक्ट चलाया जा रहा है। करीब 23 हजार करोड़ रुपये के इस प्रॉजेक्ट में चार साल की देरी हो चुकी है।

अगले साल से...

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ का महत्व हर युग में रहा है। त्रेतायुग में छत्तीसगढ़ भगवान राम के ननिहाल के नाम से जाता रहा। द्वापर व बौद्ध काल को लेकर भी इसका अपना महत्व है। लेकिन बीत 15 साल छत्तीसगढ़ को नक्सली वारदातों के लिए जाना गया। नक्सली वारदातों के चलते ही छत्तीसगढ़ सुर्खियों में बना रहा। लेकिन अब हालात वैसे नहीं है। नई सरकार के एक साल में ही अब छत्तीसगढ़ को किसान कर्जमाफी, धान को सर्वाधिक दाम, हर गरीब को 35 किलो चावल के नाम से जाना जाने लगा है। उन्होंने आदिवासी नृत्य महोत्सव की सफलता के लिए मंत्रिमंडल के अपने साथियों व अफसरों की भी प्रशंसा की।

विवाह और अन्य संस्कार...

ओडिशा को प्राप्त हुआ है।

3. फसल कटाई व कृषि वर्ग में सांत्वना पुरस्कार मिला है तेलंगाना को, जबकि तृतीय पुरस्कार संयुक्त रूप से त्रिपुरा व तमिलनाडु को गया है। इस वर्ग में दूसरा पुरस्कार उत्तर प्रदेश व प्रथम पुरस्कार बिहार को मिला है।

4. अन्य पारंपरिक विधा वर्ग में सांत्वना पुरस्कार अरुणाचल प्रदेश को मिला है। इस वर्ग में तृतीय पुरस्कार संयुक्त रूप से गुजरात के दो दलों को प्राप्त हुआ है। द्वितीय पुरस्कार हिमाचल प्रदेश व प्रथम पुरस्कार उत्तराखंड को प्राप्त हुआ है।

आयोजन पर महाराष्ट्र पर...

किए जा रहे कार्यों की भी प्रशंसा की। उन्होंने किसान कर्जमाफी व धान को 2500 रुपए प्रति क्विंटल भाव देने की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि आज छत्तीसगढ़ को किसान हितैषी राज्य के रूप में जाना जाता है।

सीएम हेमंत सोरेन...

की शपथ ली। झारखंड में झामुमो-कांग्रेस-आरजेडी की गठबंधन सरकार के मुखिया बने हेमंत सोरेन झारखंड के 11वें सीएम बने हैं। हेमंत सोरेन के साथ कांग्रेस विधायक दल नेता आलमगीर आलम और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रामेश्वर उरांव ने मंत्री पद की शपथ ली।

सबसे कम उम्र के सीएम रहे हैं हेमंत

44 साल के हेमंत सोरेन को 24 दिसंबर को गठबंधन की ओर से विधायक दल का नेता चुना गया था। विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद हेमंत सोरेन ने राज्यपाल के सामने सरकार बनाने का दावा पेश किया था। झारखंड के चुनाव में हेमंत सोरेन की पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा को सबसे अधिक सीटें मिली थीं। झारखंड मुक्ति मोर्चा को 30 सीटें मिली है। इसके अलावा प्रदेश के प्रमुख विपक्षी दल भाजपा को 25 सीट मिली है।

सबसे कम उम्र के सीएम

19वीं सदी के आदिवासी नायक बिरसा मुंडा को मानने वाले हेमंत राज्य के सबसे कम उम्र के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। राज्य सभा के सांसद के तौर पर वह 24 जून, 2009 से लेकर 4 जनवरी, 2010 के बीच संसद पहुंचे। सितंबर में वह बीजेपी/जेएमएम/जेडीयू/एजेएसयू गठबंधन की अर्जुन मुंडा सरकार में झारखंड के उपमुख्यमंत्री बने। इससे पहले वह 2013 में राज्य के सबसे कम उम्र के मुख्यमंत्री बने और दिसंबर 2014 तक इस पद पर रहे।

ऐसे दिखाई विपक्ष...

नेता मौजूद रहे। इसके अलावा डीएमके नेता एमके स्टालिन, जेएमएम नेता और हेमंत सोरेन के पिता शिबू सोरेन, पूर्व केंद्रीय मंत्री आरपीएन सिंह, एनसीपी नेता सुप्रिया सुले और प्रदेश के पूर्व सीएम रघुबर दास भी मंच पर मौजूद रहे।

प्रियंका से धक्कामुक्की...

ने उनका गला पकड़ लिया, वहीं दूसरी महिला पुलिसकर्मी ने उन्हें धक्का मार दिया, जिससे वह गिर गईं।'पत्नी की सराहना की, कहा- मुझे आप पर गर्व है

वाड्रा ने अपने इस ट्वीट में आगे लिखा, 'लेकिन वह दृढ़ थीं और वह पूर्व आईपीएस अधिकारी एसआर दारापुरी से मिलने दोपहिया वाहन से गईं। जरूरतमंद लोगों से मिलने जाने और इस दयालुता के लिए प्रियंका, मुझे आप पर गर्व है। आपने सही किया और परेशान व्यक्ति का साथ देने में कोई बुराई नहीं है।

हिंसा फैलाएं नहीं...

और इसका क्या असर हो रहा है, क्या इसमें सुधार की जरूरत है, अगर है तो क्या सुझाव हैं। अगर हम इसपर चर्चा करेंगे तो हमारा सिस्टम मजबूत होगा और लोगों की समझ भी बढ़ेगी।' नायडू ने संयुक्त आंध्र प्रदेश के दिवंगत मुख्यमंत्री एम. चन्ना रेड्डी की जयंती पर आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए यह विचार रखा।

'असहमति रखने की हो अनुमति'

उन्होंने आगे कहा, 'असहमति रखने की आजादी देना लोकतंत्र का एक मौलिक सिद्धांत है। हम चाहे इसे पसंद करें या नापसंद, किसी भी मुद्दे के दूसरे पहलू को भी जरूर सुनना चाहिए और उसके मुताबिक उचित कदम भी उठाना चाहिए।' माना जा रहा है कि उपराष्ट्रपति की यह नसीहत केंद्र सरकार के लिए है। हालांकि, उन्होंने सीएए और एनपीआर के आलोचकों और प्रदर्शनों में हिंसा फैलाने वालों को भी स्पष्ट संदेश दिया। नायडू ने कहा, 'प्रदर्शनों के दौरान हिंसा की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए।' उन्होंने रचनात्मक, लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से विरोध अथवा असहमति प्रकट करने की सलाह देते हुए कहा कि महात्मा गांधी ने हिंसा के किसी भी स्वरूप को नकारा, यहां तक कि अत्यंत चुनौतीपूर्ण वक्त में भी।

त्रिस्तरीय चुनाव में सत्ता हासिल करने तैयारी में जुटी भाजपा

गरियाबंद। हाल में ही संपन्न नगरीय निकाय चुनाव चुनाव में बेहतर प्रदर्शन के बाद भाजपा त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारियो में जुट गई है। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में भी भाजपा ने सत्ता हालिस करने अधिक से अधिक सदस्य जितकर आए ऐसा लक्ष्य रखा है। इस संबंध में शनिवार को भाजपा के जिला स्तरीय समन्वय समिति की महत्वपूर्ण बैठक सांई मंदिर प्रागंण में सम्पन्न हुई। बैठक में जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत सदस्य हेतु भाजपा समर्थित उम्मीदवारो के नामो की घोषणा करने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी हेतु नामो पर चर्चा की गई। जिला अध्यक्ष राजेश साहू ने बताया कि जिला पंचायत तथा जनपद पंचायत सदस्य हेतु भाजपा समर्थित प्रत्याशी को मैदार में उतारेगी। बैठक में मंडल अध्यक्षो से जनपद सदस्य हेतु संभावित उम्मीदवारो का पैनल तैयार करने के निर्देश दिए गए। सभी मण्डल अध्यक्षको को निर्देशित किया गया कि 31 दिसम्बर को मंडल स्तर पर बैठक आयोजित करे और जनपद पंचायत सदस्य हेतु प्रत्याशियो की सुची तैयार कर जिला समिति को भेजे। एक जनवरी को जिला समिति की बैठक रखी गई है ।

महादेव मेडिकल्स
पता- 54/11 छत्तीसगढ़ प्रिंटर्स के पास मुकुटनगर इदगाहभाटा रायपुर (छग)

Notice

GST No. - 22ABEFM6882F1Z8

क्र. दिनांक 28/12/2019

As required under section 72of partnership Act 1932

Notice is hereby given that the firm M/s Mahadev Medicals its place of business at 54/11 Beside Chhattisgarh printers Mukut Nagar Idgah bhata Raipur (C.G.) 942010 has undergoan change as under:-

1. Smt. Sweta Sharma W/O Shri Sanjay Sharma has retired as a partner W.e.f 28.12.2019
2. Shri Kunjan Pandey S/o Shri Umakant Pandey has joined as a partner W.e.f 28.12.2019

For, Mahadev Medicals

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा) देवभोग, जिला गरियाबंद

उद्घोषणा

रा.मा.क्र./ /ब-121/वर्ष2019-20
क्र./1803/अविअ/वा-1/2019 देवभोग,
दिनांक 17/12/2019

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, मदीना मंजिल, दूसरा माला, मेडिकल कॉलेज रोड, रायपुर के द्वारा ग्राम मौरघाट, तहसील मैनपुर, जिला गरियाबंद (छ.ग.) में स्थित भूमि खसरा नंबर 223/2, रकबा 0.48 हे. भूमि जो वली मोहम्मद पिता नूर मोहम्मद के नाम पर दर्ज है जिसमें सुश्री मिसबा फातिमा के नाम पर पेट्रोल पंप स्थापित करने हेतु पेट्रोलियम नियम 2002 के नियम 144 के तहत अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतएव संबंधित कंपनी को पेट्रोल पंप स्थापित करने हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने हेतु किसी भी व्यक्ति एवं संस्था को दावा आपत्ति प्रस्तुत किया जाना है वह कार्यालयीन दिवस एवं समय दिनांक 02/1/20 के पूर्व मेरे समक्ष स्वयं या अपने अधिकृत व्यक्ति के मध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समय पश्चात प्राप्त आपत्तियां विचारणीय नहीं होगी।

आज दिनांक 17/12/2019 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय पद मुद्रा से जारी किया गया है।

सील

अनुविभागीय अधिकारी (रा)
देवभोग

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर ब्रिस्टल चौक छोटापारा रायपुर से प्रकाशित,
फोन व फैक्स : 0771-4035602, RNI NO.CHHHIN/2012/41806/ डाक पंजीयन क्रमांक सी.जी./आर.वाई.पी. डीएन/40/2019-2021

45 वर्ष की हुईं टिवंकल खन्ना

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड की जानी मानी अभिनेत्री टिवंकल खन्ना आज 45 वर्ष की हो गयी।

29 दिसंबर 1974 को पुणे में जन्मी टिवंकल खन्ना को अभिनय की कला विरासत में मिली। उनके पिता राजेश खन्ना अभिनेता जबकि मां डिंपल कपाड़िया जानी मानी फिल्म अभिनेत्री थी। घर में फिल्मी माहौल रहने के कारण टिंवकल अक्सर अपनी मां के साथ शूटिंग देखने जाया करती थी। इस वजह से उनका भी रूझान फिल्मों की ओर हो गया और वह भी अभिनेत्री बनने के ख्वाब देखने लगी। टिवंकल खन्ना ने बतौर अभिनेत्री अपने सिने करियर की शुरूआत वर्ष 1995 में प्रदर्शित फिल्म 'बरसात' से की। युवा प्रेम कथा पर बनी इस फिल्म में उनके नायक की बॉबी देओल ने निभायी थी जो उनके करियर की भी पहली फिल्म थी। इस फिल्म का निर्माण धर्मेन्द्र ने किया था। फिल्म टिकट खिड़की पर सुपरहिट साबित हुयी साथ ही टिंवकल खन्ना के अभिनय को भी सराहा गया। टिंवकल खन्ना उन गिनी चुनी अभिनेत्रियों में शामिल है जिन्होंने खान त्रिमूर्ति के साथ काम किया है। टिंवकल खन्ना ने 1998 में सलमान खान के साथ 'जब प्यार किसी से होता है' 1999 में शाहरूख खान के साथ 'बादशाह' और वर्ष 2000 मे आमिर खान के साथ 'मेला' में काम किया है। इन सबके साथ हीं टिवंकल खन्ना ने अक्षय कुमार, सैफअली खान, अजय देवगन जैसे बड़े सितारो के साथ भी काम किया। वर्ष 2001 में अक्षय कुमार के साथ शादी करने के बाद टिवंकल खन्ना ने फिल्म इंडस्ट्री को अलविदा कह दिया। टिवंकल खन्ना इन दिनों अपने पति अक्षय कुमार के साथ मिलकर फिल्म निर्माण के क्षेत्र में व्यस्त है।

सूर्यवंशी में साथ नजर आयेंगे अक्षय, रणवीर और अजय

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड निर्देशक रोहित शेट्टी के निर्देशन में बन रही फिल्म 'सूर्यवंशी' में अक्षय कुमार, रणवीर सिंह और अजय देवगन साथ नजर आयेंगे।

रोहित शेट्टी निर्देशित और करण जौहर निर्मित सूर्यवंशी में अक्षय कुमार और कैटरीना कैफ की मुख्य भूमिका है। फिल्म में रणवीर सिंह और अजय देवगन कैमियो कर रहे हैं। रोहित शेट्टी की फिल्म 'सूर्यवंशी' का एक सीन शेयर किया गया है, जिसमें अक्षय कुमार, रणवीर सिंह और अजय देवगन एक साथ नज़र आ रहे हैं।

फिल्ममेकर करण जौहर ने अपने ट्वीटर अकाउंट से रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स की एक वीडियो शेयर की है। इस वीडियो को शेयर करते हुए करण लिखते हैं, ये इससे बड़ा नहीं हो सकता है, रोहित के कॉप यूनिवर्स सिंबा, सिंघम और सूर्यवंशी में तीन गुना एक्शन, तीन गुना फन और एंटरटेनमेंट, दावा है, इन तीन सूपर कॉप्स के साथ सिंबा फिल्म के एक साल होने को सेलिब्रेट कर रहे हैं। शेयर की गई इस पोस्ट में रोहित शेट्टी की आगामी फिल्म सूर्यवंशी का सबसे जबरदस्त सीन दिखाया गया है, जिसमें रोहित शेट्टी के सूपर कॉप्स अक्षय कुमार, अजय देवगन और रणवीर सिंह साथ नज़र आ रहे हैं। रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स के तीनों हीरो पुलिस ऑफिसर की वर्दी पहने हुए लगातार गोलियां चला रहे हैं। एक ही सीन में तीनों मेगा स्टार्स को साथ देखना हर फैन के लिए खुशखबरी है।

QUIZ TIME

1) डांडी यात्रा की तुलना नेपोलयिन के एल्बा से लौटने के बाद उसकी पेरिस तक यात्रा के साथ किसने की थी?
(क) सुभाषचंद्र बोस (ख) दादाभाई नौरोजी (ग) लाला लाजपत राय
2) कौन-सी एजेन्सी, भारत में रोजगार एवं बेरोजगारी का आंकलन करती है?
3) ब्रिक्स राष्ट्र के सभी सदस्य किस संस्था के सदस्य है? (जी20 / जी 10)
4) 'क्षीरोव, इन्दिरा तथा समुद्रजा' किसके पर्यायवाची शब्द हैं?
(क) सरस्वती (ख) नदी (ग) लक्ष्मी
5) किस संस्था का लोगो है?

Ramaquiz

उत्तरमाला: (1) सुभाषचंद्र बोस (2) राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन (3) जी20 (4) लक्ष्मी (5) लोकपाल

कम उम्र के लड़कों संग रोमांस करना चाहती हैं करीना

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर सिल्वर स्क्रीन पर कम उम्र के लड़कों संग रोमांस करना चाहती है।

करीना कपूर की हाल ही में फिल्म 'गुड न्यूज' प्रदर्शित हुयी है। करीना कपूर दो दशक से अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेर रही हैं। करीना कुछ नया ट्राई करते रहना चाहती हैं। करीना कपूर ने कहा, जब मैं ओल्ड हो जाऊंगी तो ऐसा रोल प्ले करना चाहती हूं जहां एक बड़ी उम्र की औरत एक छोटे लड़के यानी कम उम्र के लड़के संग रोमांस करती है और नॉर्म्स तोड़ती है।

करीना ने कहा कि दो अलग-अलग जेनरेशन के लोग प्यार में पड़ते हैं! आप प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस का उदाहरण ले सकते हैं। मैं और सैफ भी अलग-अलग जेनरेशन से हूं। इसमें कोई बड़ी बात नहीं है और प्रोड्यूसर्स को अपना माइंड चेंज करने की जरूरत है।

अक्षय की फिल्म अधिक चलेगी :सलमान

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान ने अपनी फिल्म के खिलाड़ी कुमार अक्षय कुमार की फिल्म से होने वाले टकराव पर कहा कि अक्षय की फिल्म अधिक चलेगी।

अक्षय कुमार और सलमान खान साल 2020 में ईद के मौके पर आमने-सामने होंगे। जहां सलमान खान की फिल्म 'राधे' रिलीज होगी वही अक्षय कुमार की फिल्म 'लक्ष्मी बॉम्ब' रिलीज होने जा रही है। दोनों सुपरस्टार्स की फिल्में ईद के मौके पर रिलीज होने के चलते फैंस में जबरदस्त उत्साह है।

सलमान ने इस फिल्म के क्लैश के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'मैं उम्मीद करता हूं कि ये अक्षय की सबसे बड़ी हिट साबित हो। मैंने अक्षय के साथ काम किया है और वो मेरे अच्छे दोस्त हैं और मैं उन्हें हमेशा बेस्ट विशेज देना चाहूंगा। ये कहना कि मेरी फिल्म अच्छी कमाई करे और उसकी फिल्म ना करे, ये सही बात नहीं है। हम अगले साल ईद के मौके पर वापस आ रहे हैं और मैं उम्मीद करता हूं कि उनकी फिल्म अच्छा करेगी और हमसे बेहतर प्रदर्शन करेगी। मैं उन्हें शुभकामनाएं देना चाहता हूं, मुझे लगता है कि हर फिल्म को अच्छा करना चाहिए।

आर्थिक सुस्ती से निपटने के लिए पूंजीगत खर्च बढ़ाने, राजस्व घाटा कम करने की जरूरत: विशेषज्ञ

नई दिल्ली। आर्थिक क्षेत्र के विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा आर्थिक सुस्ती के दौर में सरकार को अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए पूंजीगत खर्च बढ़ाने की जरूरत है। उनका कहना है कि राजकोषीय घाटा बढ़ने की कीमत पर भी यदि पूंजीगत खर्च बढ़ता है तो इसे बढ़ाया जाना चाहिए, लेकिन राजस्व घाटे को नियंत्रित रखते हुये 'शून्य' पर लाने के प्रयास होने चाहिए।

देश- दुनिया में गहराती आर्थिक सुस्ती से निपटने के लिए सरकार ने कॉर्पोरेट कर में कटौती, रीयल एस्टेट क्षेत्र को प्रोत्साहन देने, बैंकिंग क्षेत्र में नई पूंजी डालने, गैर-बैंकिंग क्षेत्र में नकदी की तंगी दूर करने सहित हाल में कई कदमों की घोषणा की है। इसके बावजूद चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर कम होकर 4.5 प्रतिशत रह गई। इससे पिछली तिमाही में यह पांच प्रतिशत और उससे भी पिछली तिमाही में 5.8 प्रतिशत दर्ज की गई थी।

सिर्फ राजकोषीय घाटा कम करने पर केंद्र का ध्यान: नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनैंस ऐंड पॉलिसी (एनआईपीएफपी) के जाने माने प्रोफेसर एन.आर. भानुमूर्ति ने कहा, 'लगता है सरकार राजकोषीय जवाबदेही और बजट प्रबंधन (एफआरबीएम) कानून के मूल लक्ष्य को भूल गई है। इस कानून में राजस्व घाटे को शून्य पर लाने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन उसे भुला दिया गया है। अब केवल राजकोषीय घाटे पर ध्यान दिया जाता है। आर्थिक मजबूती के लिए राजस्व घाटे को कम करना और उसे शून्य पर लाना जरूरी है।'

राजस्व घाटा बढ़ने का अनुमान: चालू वित्त वर्ष 2019-20 के बजट में राजस्व घाटा 2018- 19 के 2.2 प्रतिशत से बढ़कर 2.3 प्रतिशत पर पहुंचने का अनुमान लगाया गया है। वहीं राजकोषीय घाटा पिछले वित्त वर्ष में 3.3 प्रतिशत के बजट अनुमान के बाद संशोधित अनुमान में 3.4 प्रतिशत पर पहुंच गया और चालू वित्त वर्ष के दौरान इसके 3.3 प्रतिशत पर रहने का बजट अनुमान है। कर्मचारियों के वेतन, नकद सब्सिडी, सरकारी सहायता पर होने वाला खर्च राजस्व व्यय में आता है, जबकि आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाने वाला कारखानों, बंदरगाहों, हवाईअड्डों, सड़क निर्माण पर होने वाला खर्च पूंजीगत खर्च कहलाता है।

पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़े

नयी दिल्ली (वार्ता)। देश में डीजल की कीमत लगातार तीसरे दिन बढ़ते हुये मार्च के बाद के उच्चतम स्तर पर पहुँच गयी। पेट्रोल भी 14 से 15 पैसे के बीच महँगा होकर दो सप्ताह से अधिक के उच्चतम स्तर पर पहुँच गया।

देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की वेबसाइट के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल आज 14 पैसे महँगा होकर 74.88 रुपये प्रति लीटर पर पहुँच गया जो 13 दिसंबर के बाद सबसे ज्यादा है। डीजल के दाम 19 पैसे बढ़कर 07 मार्च के बाद के उच्चतम स्तर 67.60 रुपये प्रति लीटर हो गया। पेट्रोल कोलकाता में 14 पैसे महँगा होकर 77.54 रुपये, मुंबई में 13 पैसे महँगा होकर 80.53 रुपये तथा चेन्नई में 15 पैसे महँगा होकर 77.85 रुपये प्रति लीटर पर पहुँच गया। डीजल की कीमत कोलकाता में 19 पैसे, मुंबई में 20 पैसे और चेन्नई में 21 पैसे बढ़ी। कोलकाता में आज एक लीटर डीजल 70.02 रुपये का, मुंबई में 70.93 रुपये का और चेन्नई में 71.48 रुपये का मिला।

खाद्य तेल सुस्त, दालें, चना, गेहूँ, गुड़, चीनी महँगी

नयी दिल्ली (वार्ता)। वैश्विक बाजारों में खाद्य तेलों में तेजी के बीच बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में भी इनके दाम स्थिर रहे। वहीं, दालों, चना, चीनी, गुड़ और गेहूँ के भाव बढ़ गये। तेल-तिलहन : समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान विदेशी बाजारों में खाद्य तेलों में तेजी रही। मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में मार्च का पाम ऑयल वायदा 227 रिंगिट चढ़कर 3,072 रिंगिट प्रति टन पर पहुँच गया। मार्च का अमेरिकी सोया तेल वायदा 1.04 सेंट चढ़कर सप्ताहांत पर 35.10 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

सोने के निवेशक हुए मालामाल

शेयर बाजार को पछाड़ा, 2020 में भी दे सकता है बंपर रिटर्न

- **सोने के निवेशकों के लिए साल 2019 बेहद खास रहा और खूब मालामाल किया**
- **हाल यह रहा कि बहुमूल्य धातु ने इस साल शेयर बाजार से ज्यादा रिटर्न दिया**
- **नए साल में 42,000 से 45,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की नई ऊंचाई को छू सकता है सोना**

नई दिल्ली। सोने में निवेश करने वाले निवेशकों के लिए 2019 अच्छा साल रहा है। वहीं शेयर बाजार निवेशक भी इस साल अच्छी कमाई करने में सफल रहे हैं। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि यदि सरकार ने आगामी बजट में भी सुधारों को आगे बढ़ाया तो निश्चित रूप से अगले साल भी शेयर बाजार के निवेशक अच्छी कमाई कर सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि दुनियाभर में जारी आर्थिक सुस्ती के बीच नए साल में सोना 42,000 से 45,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की नई ऊंचाई को छू सकता है।

शेयर बाजार को दी मात

सोने ने इस साल निवेशकों को 23 प्रतिशत से अधिक रिटर्न दिया है। वहीं शेयरों में निवेश करने वाले भी 'मालामाल' हुए हैं। उन्होंने बाजार में 15 प्रतिशत की अच्छी कमाई की है। विशेषज्ञों का कहना है कि शेयरों में निवेश पर हमेशा अधिक रिटर्न मिलने की गुंजाइश रहती है, लेकिन इसमें जोखिम भी अधिक होता है। वहीं सोने में निवेश एक सुरक्षित विकल्प है, लेकिन इसमें औसत रिटर्न शेयरों की तुलना में कम रहता है। लेकिन इस बार स्थिति पलट गई और सोने ने निवेशकों को शेयरों से अधिक मुनाफा दिया है।

सोने का भाव 23% से अधिक बढ़ा

दिल्ली बुलियन ट्रेडर्स वेलफेयर असोसिएशन के अध्यक्ष विमल गोयल ने कहा, 'इस समय देश-दुनिया में अर्थव्यवस्था की हालत अच्छी नहीं हैं। दुनिया में जब भी ऐसी स्थिति बनती है तो निवेशक निवेश के अन्य विकल्पों के बजाय सोने में निवेश को तरजीह देते हैं।' आंकड़ों के विश्लेषण के अनुसार पिछले साल के मुकाबले 2019 में सोने में निवेशकों को 23 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न मिला है। एक साल पहले 31 दिसंबर, 2018 को 24 कैरट या 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का दाम 32,270 रुपये प्रति 10 ग्राम था।

सोने में निवेश आगे भी फायदेमंद

एक और दिलचस्प तथ्य यह रहा सोने की तरह चांदी में भी निवेशकों को करीब 22 प्रतिशत तक रिटर्न मिला है। पिछले साल 31 दिसंबर को चांदी का भाव 39,100 रुपये प्रति किलोग्राम रहा था, जो इस साल के अंतिम सप्ताहांत 47,700 रुपये प्रति किलोग्राम रही।

बटुआ रखने से मिल सकती है आजादी, कैशलेस ट्रांजैक्शन में आएगा बड़ा उछाल

नई दिल्ली। डिजिटल इकॉनमी में तेजी लाने के लिए सरकार की तरफसे लगातार कोशिशें की जा रही हैं। हाल ही में यूपीआई से ट्रांजैक्शन को मर्चेंट डिस्काउंट रेट (MDR) से मुक्त किया गया। 2016 में नोटबंदी के फैसले के पीछे बहुत बड़ा ये भी एक कारण था, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद इकॉनमी में कैश फ्लो की रफ्तार नहीं घट रही है। अभी भी करीब 90 फीसदी ट्रांजैक्शन कैश में होते हैं।

वक्त आ गया है कि 2020 में हम सभी डिजिटल इकॉनमी की तरफ कदम आगे बढ़ाएं और कम से कम कैश का इस्तेमाल करें। क्योंकि कैश की छपाई में बहुत खर्च होता है साथ ही यह भ्रष्टाचार का बहुत बड़ा जरिया भी है। यही वजह है कि भ्रष्टाचार के कम मामले पकड़े जाते हैं। यह नहीं भूलना चाहिए कि कैश की चोरी भी होती है, लेकिन डिजिटल दुनिया में ये सब संभव नहीं है।

जितने भी विकसित देश हैं वहां कैश का कम से कम इस्तेमाल होता है। इंग्लैंड में टोटल ट्रांजैक्शन में कैश का योगदान महज 30 फीसदी है। साउथ कोरिया तो 100 फीसदी कैश फ्री लक्ष्य लेकर चल रहा है। इसी तरह सिंगापुर और चीन में भी तेजी से कैश के इस्तेमाल को घटाया जा रहा है।

नोटबंदी के बाद डिजिटल इकॉनमी में जरूर तेजी आई थी लेकिन, धीरे-धीरे हालात फिर से वैसे ही हो गए। कैश के इस्तेमाल में फिर से तेजी आ रही है। वैसे ऑनलाइन ऑर्डर में कैश ऑन डिलिवरी धीरे-धीरे घट रही है जो अच्छे संकेत हैं।

लिवाली से शक्कर-खोपरा बूरा में भाव वृद्धि

इंदौर (वार्ता)। सियागंज किराना बाजार में सप्ताहांत शक्कर. खोपरा बूरा के भाव लिवाली निकलने से तेजी लिए रहे। साबूदाना मांग कमी से सस्ता बिका। स्थानीय किराना बाजार में शक्कर में उपभोक्ता मांग बढ़ी रही जिससे हाजिर भाव तेजी लिए बताए गए। सोमवार को शक्कर 3410 से 3440 रुपये प्रति क्विंटल खुली। कारोबार के अंतिम दिन 3450 से 3480 रुपये प्रति क्विंटल बोली गई। कारोबारियों के अनुसार शक्कर की दैनिक आवक 06 से 07 गाड़ी की रही। खोपरा गोला में लिवाली रही। कारोबार में खोपरा गोला 145 से 165 रुपये प्रति किलो बिका। खोपरा बूरा में खरीदी से मजबूती दर्ज की गई। इसमें व्यापार 2300 से 3500 रुपये की रंगत पर चला।

विदेशी मुद्रा भंडार 454.95 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर

मुंबई (वार्ता)। देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार 13वें सप्ताह वृद्धि हुई है और 20 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में यह 45.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 454.95 अरब डॉलर पर पहुँच गया।

इन 13 सप्ताहों के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार में 25.99 अरब डॉलर की वृद्धि दर्ज की जा चुकी है। गत 13 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में यह 1.07 अरब डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 454.49 अरब डॉलर रहा था।

रिजर्व बैंक द्वारा जारी आँकड़ों के अनुसार, 20 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 31.1 करोड़ डॉलर के इजाफे के साथ 422.73 अरब डॉलर पर पहुँच गया। इस दौरान स्वर्ण भंडार भी 16.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 27.13 अरब डॉलर हो गया।

आलोच्य सप्ताह के दौरान अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पर आरक्षित निधि 1.7 करोड़ डॉलर घटकर 3.64 अरब डॉलर पर और विशेष आहरण अधिकार 10 लाख डॉलर की गिरावट के साथ 1.44 अरब डॉलर रहा।

न्यूज गैलरी

आज नवागढ़ में गुरू घासीदास जयंती समारोह में होंगे शामिल

बेमेतरा/साजा । राज्य के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सोमवार 30 दिसम्बर को बेमेतरा जिले के तहसील, ब्लाक व विधानसभा मुख्यालय नवागढ़ में आयोजित गुरू घासीदास जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री दोपहर 1.30 बजे रायपुर से हेलीकॉप्टर से प्रस्थान कर अपरान्ह 2 बजे नवागढ़ पहुंचेंगे। जहां वे 2 से 3 बजे तक शासकीय हायर सेकण्ड्री स्कूल मैदान में गुरू घासीदास जयंती समारोह 2019 में शामिल होंगे। तत्पश्चात मुख्यमंत्री श्री बघेल अपरान्ह 3 बजे हेलीकॉप्टर से रायपुर के लिए रवाना होंगे।

घासीदास जयंती मनाई गई

खरोरा। ग्राम मूरा में दिनांक 27 दिसंबर को संत शिरोमणि परम पूज्य बाबा गुरु घासीदास जी की जयंती कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जिसमें मुख्य अथिति धरसींवा विधायक श्री मति अनिता योगेंद्र शर्मा, पुष्पानन्द पाल सरपंच मुरा, टोकेंद्र गायकवाड़ उपसरपंच मुरा, छत्तीसगढ़ सतनामी समाज प्रदेश अध्यक्ष श्री दीपक मिरी, खूबीराम डहरिया,सुशील जांगड़े एवं अन्य गांव वालों की उपस्थिति में किया गया ।

वार्ड 8 की निर्दलीय पार्षद ज्योतिकिशोर राठी ने थामा कांग्रेस का हाथ

नवप्रदेश संवाददाता

साजा। नगर पंचायत साजा में सम्पन्न हुए चुनाव एक तरफ जहाँ कांग्रेस और भाजपा को बराबर सीटे 6-6 मिली वही 3 निर्दलीय पार्षद चुनकर आये थे। इससे नगर पंचायत में अध्यक्ष की कुर्सी को लेकर सियासी गतिविधियां लगातार तेज हो गई थी। राष्ट्रीय पार्टियां कांग्रेस व भाजपा लगातार निर्दलीय पार्षद से सम्पर्क साध अपनी पार्टी का नगर सरकार बनाने की कवायद में लगे हुए थे। वही निर्दलीयों से समर्थन की स्थिति साफ नही दिख रही थी। जिससे जनमानस में चर्चा का विषय बना हुआ था। वही कांग्रेस की समस्या से उबरने के शुभ संकेत मिल गया। जब नगर पंचायत के सबसे प्रभावी वार्ड 8 बाबा रामदेव में दिग्गजों को पराजय का मुह दिखाने वाली निर्दलीय पार्षद चुनकर आई ज्योति किशोर राठी ने 28 दिसम्बर को ग्राम मोहतरा में आयोजित गुरु

घासीदास जयंती के अवसर पर कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे के समक्ष पहुँच कर रविन्द्र चौबे एवं कांग्रेस के प्रति आस्था व्यक्त कर कांग्रेस प्रवेश कर लिया। जिसके परिणामस्वरूप कांग्रेसी खेमे में खुशियां बिखेर दिया। ग्राम मोहतरा के मंच पर कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे ने स्वयं ज्योति राठी के कांग्रेस प्रवेश की घोषणा की तथा ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष संतोष वर्मा ने ज्योति किशोर राठी को कांग्रेसी गमछा व पुष्पहार पहना कर स्वागत किया। इस दौरान जनपद पंचायत अध्यक्ष ओमप्रकाश वर्मा, नगर पंचायत अध्यक्ष मनोज जायसवाल, पूर्व ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष संतोष बघेल, सेवा सहकारी समिति साजा अध्यक्ष कृष्णा राठी मोहगांव समिति अध्यक्ष हेमंत साहू, ग्राम सरपंच खेलन बघेल, संदीप चौबे, डेनिस यादव सहित अन्य उपस्थित थे। श्री मति राठी के कांग्रेस प्रवेश से नगर पंचायत साजा में कांग्रेस की सत्ता का मार्ग पक्का हो गया।

अलग-अलग घटनाओं में 3 लोगों की मौत, 1 घायल

नवप्रदेश संवाददाता

खरोरा । थाना अन्तर्गत खरोरा रायपुर मार्ग मे दो अलग अलग सडक दुर्घटना मे तीन लोगो कि मौत हो गयी , वही एक घायल को रायपुर रिफर किया गया ,खरोरा पुलिस पुरे मामले की जाच कर रही है । प्राप्त जानकारी अनुसार खरोरा समीप अमेठी युनिवर्सिटी के पास बलौदाबाजार तरफ से तेज रफ्तार हाईवा क्रमाक सी जी04एम एन 5456 के चालक लपरवही पूर्वक वाहन चलाते दोस्तों के साथ अछौली उरला रायपुर निवासी मोटरसाइकिल चला रहे खिलेश साहू व मोटरसाइकिल क्रमाक सी जी 07एल एक्स 6898 मे पिछे बैठे साथी घनश्याम को अपनी चपेट मे

ले लिया जिसके चलते खिलेश साहू की मौत घटना स्थल पर हो गयी वही मोटरसाइकिल के पिछे बैठे घनश्याम को गभीर हालत मे रायपुर अस्पताल भेजा गया।

वही दुसरी घटना रायपुर मार्म के बगोली पिकरीडीह पुलिया के पास ग्राम बरतोरी चौकी थाना सिलयारी के मुकेश साहू पिता विष्णु साहू उम्र 35वर्ष व गोरे लाल साहू मढी थाना सिलयारी मोटरसाइकिल टी वी एस सी जी 04एफबी 2433 से अपने ससुराल इल्दा खरोरा जा रहा था तभी विपरीत दिशा से तेज रफ्तार सिटी बस सीजी 04ई3542ने अपनी चपेट मे ले लिया जिसके चलते दोनो व्यक्ति की मौत घटना स्थल पर हो गया खरोरा पुलिस मर्ग कायमी कर लाश का पंचनामा बना पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया है।

कड़ाके की ठंड से जनजीवन प्रभावित, अलाव का सहारा ले रहे लोग

नवप्रदेश संवाददाता

खरोरा। नगर में मौसम परिवर्तन ने अंचल में बढ़ाई ठंड मौसम का मिजाज विगत 2 दिनों से बिगड़ा हुआ था लेकिन गुरुवार को सुबह के समय नगर में घना कोहरा छा गया और शाम को बारिश शुरू हो गई .ऐसे में लोगों को ठंड का भी अधिक एहसास होने लगा है .तापमान में गिरावट आने से सर्दी बढ़ गई है बारिश के कारण ठंडी हवा चलने से लोग गर्म कपड़े पहने दिखाई दिये. मौसम के मिजाज मौसम के बदलते मिजाज देखकर ठंड के मौसम में बसा जैसे नजारा गुलाबी ठंड के बीच बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया दिनभर रुक-रुक कर हुई बूंदाबांदी के चलते न केवल लोगों की दिनचर्या प्रभावित हुई बल्कि बारिश से ठंड बढ़ी ठंड ने लोगों को बेहाल कर दिया है.बाजारो में चहल-पहल काफी कम हो रही है. ठंड से बचने के लिए लोग घरों में ही अलाव ताप रहे हैं .ठंड के चलते वृद्धों ,बच्चों युवाओं ,बुजुर्गों सुबह ठंड के चलते घरों के अंदर ही अलाव जलाकर ठंड से निजात । क्षेत्र में अचानक शीतलहर से जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है ।

अभनपुर में बुलबुल प्रतियोगिता का आयोजन, पुरस्कार वितरित

नवप्रदेश संवाददाता

खरोरा। चतुर्थ चरण हीराक पंख शिविर दिनांक 27 दिसंबर से 31 दिसंबर तक आयोजित राज्य प्रशिक्षण केंद्र झांकी अभनपुर रायपुर में आज कब बुलबुल निम्नांकित प्रतियोगिता में भाग लिए नदी पहाड़ हितेश बालोद प्रथम पारलेश्वर मुंगेली द्वितीय कुर्सी दौड़ पारस बालोद प्रथम लोकेश बालोद ज्योति बाल्टी बाल दो मेंद्र प्रथम इमेज द्विती आलू दौड़ दीपचंद्र दुर्ग जदीदी मेंढक दौड़ चंद्रेश प्रथम दीप चंद्र युति चम्मच पाटीदार हर्ष रजवाड़े सूरजपुर प्रथम अनुराग कोरबा द्वितीय बुलबुल बाल्टी बाल अंजली शर्मा महासमुंद प्रथम

खुशबू कोरबा जूती बोलो भाई कितने चंचल साहू दुर्ग प्रथम रिया पटेल महासमुंद द्विती कुर्सी दौड़ सुरुचि सी सूरजपुर प्रथम प्रेरणा साहू बलोदा बाजार द्विती गोली चम्मच सरस्वती टांडे मुंगेली प्रथम सरस्वती कोरबा द्विती सुई धागा दौड़ पल्लवी बीमार मुंगेली प्रथम दीपेश्वरी कुर्रे दुर्ग द्वितीय रस्सी कूद पायल बालोत प्रथम खुशबू कोरबा द्वितीय किम गेम पल्लवी बालोद प्रथम खिलेश्वरी जूती इसके बाद लाल फूल में लोक नृत्य प्रतियोगिता संपन्न होगा

गबन के आरोप में सरपंच को नोटिस

खरोरा । 10 लाख रूपये गबन के आरोप मैं घिरी जिम निर्माण पर एसडीएम रायपुर द्वारा आरोपी को समंस जारी करने उपरांत जीम निर्माण कार्य प्रारंभ कर सरपंच व सचिव द्वारा लिपापोती किये जाने से ग्रामीणों मैं रोष।

ग्राम पंचायत केसला के ग्रामीणों ने बताया की पूर्व मैं जिला पंचायत रायपुर सी. ई . वो को शिकायत पत्र देकर सरपंच. व सचिव पर शौचालय निर्माण , नल जल योजना , जीम. व आक्सीजन जोन , चारागाह के लिये सुरक्षित मैदान मैं अवैध मुरम खनन सहित अनेक विकास मूलक कार्यो मैं लाखों रूपये का गबन करने का आरोप लगा जांच की मांग की थी ग्रामीणों की शिकायत पर जिला पंचायत की जांच टीम ग्राम पंचायत केसला पंहुच विडीयो ग्राफी के मध्य 122 ग्रामीणों से ब्यान कलम बद्ध कर शिकायत के सभी बिन्दुओ की स्थल निरीक्षण कर जांच रिपोर्ट जिला पंचायत सी. ई. वो सौपीं थी जांच रिपोर्ट के आधार पर एसडीएम रायपुर को आगे की वैधानिक कार्यवाही के लिये रिफर किया गया एसडीएम रायपुर प्रणव सिंह द्वारा सरपंच केसला को अपना पक्ष रखने के लिये समंस जारी कर 27 नवंबर को उपस्थित होने का आदेश जारी किये थे जनपद सदस्य मुकेश भारद्वाज , निलेश अग्रवाल शत्रुघ्न देवांगन , हरिश देवांगन नोहर देवांगन आदि ग्रामीणों ने बताया कि इसकी शिकायत क्षेत्रीय विधायक सहित सबंधित अधिकारीयो से की गई है।

> मुझे जीम निर्माण के संन्दर्भ मै जानकारी नहीं मैं तत्काल जांच के लिए जनपद पंचायत सी . ई. वो . को कहता हूँ।
>
> **प्रणव सिंह,** एसडीएम रायपुर

सूर्या फाउंडेशन आदर्श गांव योजना

नवप्रदेश संवाददाता

कवर्धा। ग्राम अचानकपुर में सात दिवसीय खेल प्रतियोगिता का समापन शनिवार को किया गया, जिसमें सभी युवा एवं बच्चे पूर्ण रूप से भाग लिया इस खेल प्रतियोगिता में विभिन्न प्रकार के खेलों का आनंद मिला जिसमें विजेताओं को सम्मानीय अतिथि सेवाराम साहू, बनवाली पटेल, परसोत्तम साहू, के द्वारा मेडल एवं शील्ड से सम्मानित किया गया वॉलीबॉल विजेता टीम रहे मुकेश, प्रहलाद, कुलेश्वर, जितेंद्र, पन्नालाल, मोहन, खोरकुमार, 100 मीटर दौड़ में कलेश्वर, प्रथम स्थान द्वितीय स्थान धनेश्वर, को मिला 50 मीटर दौड़ में प्रथम लवकेश, द्विती देवराज, सूर्य नमस्कार में प्रथम कुमारी सरोज, द्वितीय कलेश्वर, रहे कबड्डी में मनोज, जितेंद्र, मुकेश, हुलास उत्तरा, उमेश, कुलेश्वर, बने विजेता इस खेल प्रतियोगिता में हमारी सेवाभावी तथा ग्रामवासी के सहयोग से पूर्ण रूप से समापन का कार्यक्रम संपन्न किया गया।

त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन का नामांकन आज से

बिलाईगढ़। अनुविभागीय मुख्यालय बिलाईगढ़ के अंतर्गत जनपद पंचायत बिलाईगढ़ में त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन हेतु नामांकन प्रक्रिया के लिए 30 दिसंबर 2019 से 6 जनवरी 2020 तक का समय निर्धारित किया गया है। प्राप्त समाचार के अनुसार त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 2019 के तहत जनपद पंचायत बिलाईगढ़ के अंतर्गत पंच, सरपंच, जनपद सदस्य एवं जिला पंचायत सदस्यों के लिए नामांकन हेतु 30 दिसंबर 2019 से 6 जनवरी 2020 तक का समय निर्धारित किया गया है। जिसकी सभी तैयारियां पूरी की जा चुकी है रिटर्निंग ऑफिसर अमित श्रीवास्तव ने बताया कि बिलाईगढ़ जनपद पंचायत के अंतर्गत कुल 124 ग्राम पंचायतों में पंच एवं सरपंच पद हेतु तथा 25 जनपद क्षेत्र के लिए 25 जनपद सदस्य एवं 04 जिला पंचायत सदस्य हेतु नामांकन 30 दिसंबर 2019 दिन सोमवार से प्रारंभ होगा तथा 6 जनवरी तक नामांकन पत्र भरकर जमा किया जा सकता है। 07 जनवरी को प्राप्त नामांकन पत्रों की समीक्षा होगी तथा 09 जनवरी को नाम वापसी के लिए निर्धारित किया गया है इसके बाद सभी अभ्यर्थियों को प्रतीक चिन्ह आवंटित कर दिया जावेगा। श्रीवास्तव ने आगे बताया कि ब्लॉक बिलाईगढ़ के कुल 124 ग्राम पंचायतों के लिए पंच एवं सरपंच पद के नामांकन हेतु 12 सेक्टर सरसीवा, पेंड्रावन, बिलासपुर, सोहागपुर, गिरसा, पवनी ,नगरदा,तुन्दरी,जमगहन, धनसिर,एवं जनपद मुख्यालय बिलाईगढ़ को बनाया गया है। तथा 25 जनपद क्षेत्र हेतु जनपद सदस्यों का नामांकन के लिए तहसील मुख्यालय बिलाईगढ़ में नामांकन लिया जाएगा।

ठंड बढ़ने और मौसम बिगड़ने से धान खरीदी प्रभावित

- **धान की सुरक्षा ने किसानो की बढ़ाई चिंता**

गरियाबंद । बिते दो तीन दिनो से बढ़ी ठंड से धान खरीदी को प्रभावित किया है। सुस्त मौसम के चलते धान खरीदी केन्द्र में धान की आवक में कमी आई है। किसान मौसम देखकर पानी गिरने के डर से धान बेचने नही जा रहे है। वही धान खरीदी केन्द्रो में खरीदे गए धान को सुरक्षित रखने प्रभारी द्वारा धान को झिल्ली से ढक दिया गया है। बदलते मौसम के कारण वातावरण मे ठंडक आ गई है वही रात होते ही शीत भी गिरने लगती है ऐसे में खुले आसमान के नीचे रखे धान के सुस्त होने की

संभावना बढ़ गई है।

इस बार धान खरीदी विलंब से शुरू होने था रोज बदलते नियमो के कारण अधिकांश किसान अपना आधा धान भी नही बेच पाए है। मजबुरी में किसानो को रातजगा कर अपने खलियान में रखे धान की सुरक्षा करनी पड़ी है। क्योकि खेत हो या ब्यारा दोनो जगह धान चोरी होने की पूरी संभावना है। किसानो के पास धान सुरक्षित रखने की जगह नही है। ऐसे में चैतरफा समस्याओ से घिरा किसान के नसीब मे मौसम बदलने से एक और परेशानी आ खड़ी है। दो दिन ऐसा ही मौसम रहा तो धान से अधिक सुक्ती कटेंगी जिसका नुकसान किसान को ही होगा।

अनुसूचित जाति उप-योजना द्वारा प्रायोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

- **मात्स्यिकी महाविद्यालय में तीन दिवसीय मत्स्य कृषक प्रशिक्षण**

कवर्धा। प्रदेश के एक मात्र मात्स्यिकी महाविद्यालय, कवर्धा में मीठे जल की मछली का फसलोत्तर रख-रखाव और प्रसंकरण भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के केन्द्रीय कटाई उपरांत अभियांत्रिकी एंव प्रोद्यौगिकी संस्थान, सीफेट लुधियाना द्वारा प्रायोजित अनुसूचित जाति उप-योजना प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन शनिवार को हुआ। महाविद्यालय में मछली के मूल्यवर्धित उत्पाद बनाना एंव उनके स्वच्छता पूर्ण प्रबंधन विषय पर आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कम मूल्य के मछलियों का मूल्य संवर्धन करके किसानों के आय में वृद्धि करना है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ.नारायण पुरूषोत्तम दक्षिणकर, कुलपति, छत्तीसगढ कामधेनु विश्वविद्यालय,दुर्ग, डॉ.अरमान उल्लाह मुज्जाउदी, प्रधान वैज्ञानिक,(भा.कृ.अनु.प.-सीफेट), नोडल अधिकारी अनुसूचित जाति उप-योजना (एससीएसपी), विकास कुमार, वैज्ञानिक, (भा.कृ.अनु.प.-सीफेट), प्रशिक्षण सह-निदेषक, डॉ.जितेन्द्र कुमार जाखड, सहायक प्राध्यापक एंव प्रशिक्षण संयोजक के साथ अन्य सहायक प्राध्यापकगण डॉ. बी.नाईटिंगल देवी, डॉ.होन्नानंदा बी.आर, डॉ.कमलेश पण्डा के उपस्थिति में सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। समापन समारोह की अध्यक्षता डॉ. के.के.चैधरी, अधिष्ठाता, मात्स्यिकी महाविद्यालय ने की।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थी कृषके के रूप में गम्रम बिजाई, सेवाईकछार एंचव बरहटी के 66 पुरूष एंव महिला प्रशिक्षणार्थी शामिल हुयें। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने मछली में पाए जाने वाले पोषक तत्व एंव समन्वित मछली पालन करके किसान किस प्रकार अपनी आय में वृद्धि कर सकते है इस संदर्भ में चर्चा किया। डॉ. अरमान उल्लाह मुज्जाउदी, प्रधान वैज्ञानिक ने अनुसूचित जाति उपयोजना के बारे में बताया और प्रषिक्षणार्थियों को प्रोत्साहित किया कि वो ऐसे प्रशिक्षण से लाभ उठाकर अपने सामाजिक और आर्थिक प्रगति के लिए आगे बढे एंव विकास कुमार, वैज्ञानिक (भा.कृ.अनु.प.-सीफेट), कार्यक्रम के दौरान मछली कटाई के उपरांत रख-रखाव और प्रसंकरण के बारे मे चर्चा की और इनके द्वारा प्रशिक्षणार्थी कृषको को विभिन्न मत्स्य उत्पादों के प्रसंस्करण से होने वाले आर्थिक लाभ से अवगत कराया गया तथा निर्मित उत्पाद को स्वच्छता पूर्ण प्रबंधन करने हेतु जानकारी प्रदान की, साथ ही साथ उन्होने यह भी बताया कि हम ताजा मछली और सडी हुई मछली को कैसे पहचान सकते है।

कार्यक्रम के दूसरे दिन किसानो को मछली के उत्पाद (जैसे कि मछली का आचार और मछली की टिकिया) बनाने के लिए सिखाया गया। प्रशिक्षणार्थियों ने उत्साह पूर्वक उत्पाद बनाने में अपना हाथ बंटाया। डॉ. अरमान उल्लाह मुज्जाउदी ने लेक्चर में भारत मे पायी जाने वाली मीठे जल मछलियों के शीर्ष उम्मीदवार प्रजातियां जैसे कि कटला, रोहू, मृगल, ग्रास कार्प, कॉमन कार्प, एंव खारे पानी कि मछलियां जैसे रिबन फिश, सारडाइन, टूना से अवगत कराया तथा फसलोत्तर के बाद उसके जीवित स्थिति में परिवहन के लिए एक नई प्रणाली लाइव फिश कैरियर सिस्टम के बारे मे अवगत कराया, उन्होने बताया कि यह बैटरी चालित वाहन है जो कि एक बार चार्ज करने से 300 किलोग्राम के कुल वाहन क्षमता के साथ लगभग 80 किमी. चल सकता है इसमें परिवहन के दौरान मछली को जीवित रखने के लिए वातन, निस्पंदन और अमोनिया हटाने सहित सभी सुविधांए है। यह वाहन मीठे पानी और समुद्री मछली दोनो के लिए उपयोगी है। 0.5-1.5 किलोग्राम व्यक्तिगत वजन के कार्प के साथ 40 किमी. की यात्रा के दौरान मछली कि मृत्यु दर 1 प्रतिशत से कम है।

इस दौरान मछली के स्वच्छतापूर्ण प्रबंधन और इन्हे सडन से बचाने के लिये बर्फ की उपयोगिता के बारे मे बताया गया। कार्यक्रम के प्रशिक्षण संयोजन डॉ. जितेन्द्र कुमार जाखड ने किसानो को संबोधित करते हुये कहा कि मछली पोषक तत्व से भरपूर होता है। इसमें प्रोटीन, वसा, विटामिन एंव खनिज प्रचुर मात्रा में पाया जाता है जो कि मानव शरीर के विकास के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण होता है साथ ही किसानों को मछली के आचार एंव कटलेट बनाने की विधियों के बारे अवगत कराते हुये उनकी सहभागिता में बनाया भी गया।

न्यूज गैलरी

भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी महिला वर्ल्ड रैपिड चैंपियन बनीं

नई दिल्ली ए.। भारत की कोनेरू हम्पी ने रूस के मॉस्को में चल रही महिला वर्ल्ड रैपिड शतरंज चैंपियनशिप में चीन की लेई टिंगजी को टाईब्रेकर की सीरीज में हराकर खिताब अपने नाम किया। हम्पी विश्व महिला रैपिड चैंपियन बनीं तो नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन ने शनिवार को कुछ ही मिनट में पुरूष खिताब अपने नाम कर लिया। हम्पी ने फिडे को दिए इंटरव्यू में कहा, 'जब मैंने तीसरे दिन अपना पहला गेम शुरू किया तो मैंने नहीं सोचा था कि मैं टॉप पर रहूंगी। मैं टॉप-3 में रहने की उम्मीद कर रही थी। मैंने टाई-ब्रेक गेम खेलने की उम्मीद नहीं की थी। उन्होंने कहा, 'मैंने पहला गेम गंवा दिया लेकिन दूसरे गेम में वापसी की। यह गेम बहुत जोखिम भरा रहा लेकिन मैंने इसमें जीत हासिल की।

इंडियन एरोज ने चर्चिल ब्रदर्स को दी 2-1 से मात

गोवा (वार्ता)। हीरो आई-लीग में इंडियन एरोज ने चर्चिल ब्रदर्स एफसी गोवा को उसके ही घर में 2-1 से हरा दिया। यह गोवा की तीन मैचों में पहली हार है जबकि एरोज की चार मैचों में पहली जीत है। गोवा के कोच बर्नाडो तवारेस ने दावड़ा सीसै को बाहर बैठा खालिफ अल हसन के साथ शुरुआत की। मेजबान टीम को पहले हाफ में ही एरोज का खेल देख हैरानी हुई क्योंकि आज एरोज की टीम बहुत की अलग नजर आ रही थी। एरोज शुरू से ही आक्रामक खेल रही थी और गोल करने के लिए पूरी जद्दोजहद कर रही थी। मैच के पांचवें मिनट में ही मौका आया था जब कप्तान विक्रम प्रताप सिंह ने गोल करने के लिए क्रॉस दिया लेकिन गेंद सीधे गोवा के गोलकीपर के हाथों में चली गई।

ब्लंडेल का शतक बेकार, आस्ट्रेलिया का सीरीज पर कब्जा

मेलबोर्न (वार्ता)। नाथन लियोन (81 रन पर 4 विकेट) की जबरदस्त गेंदबाज़ी के सामने न्यूजीलैंड के टॉम ब्लंडेल की शतकीय पारी बेकार साबित हुई और आस्ट्रेलिया ने मेलबोर्न में रविवार को दूसरे टेस्ट के चौथे ही दिन 247 रन के बड़े अंतर से मैच अपने नाम कर लिया, इसी के साथ उसने तीन टेस्टों की सीरीज़ में 2-0 से कब्ज़ा जमा लिया है।

न्यूजीलैंड के सामने जीत के लिये आस्ट्रेलिया ने 488 रन का विशाल लक्ष्य रखा था, लेकिन जेम्स पैटिनसन के ओपनिंग क्रम को लुढ़काने के बाद लियोन ने निचले क्रम को अपना शिकार बनाया और कीवी टीम की दूसरी पारी 71 ओवर में 240 रन पर ढेर कर चौथे ही दिन मैच अपने नाम कर लिया।

न्यूजीलैंड की ओर से मैच में एकमात्र सफल बल्लेबाज़ ब्लंडेल रहे। ओपनिंग बल्लेबाज़ को हालांकि अपने जोड़ीदार टॉम लाथम से कोई मदद नहीं मिल सकी जो 8 रन ही बना पाये, लेकिन ब्लंडेल ने 210 गेंदों का सामना कर 15 चौकों की मदद से 121 रन की साहसिक पारी खेली और एक छोर संभालते हुये नौवें बल्लेबाज़ के रूप में आउट हुये। यह ब्लंडेल का दूसरा टेस्ट शतक है जबकि दो वर्षों में पहली शतकीय पारी भी है।

टीम के हैनरी निकोल्स ने 33 रन की दूसरी बड़ी पारी खेली। कीवी टीम के केवल चार ही बल्लेबाज़ दहाई के आंकड़े तक पहुंचे। पहली पारी में चोटिल हुये ट्रेंट बोल्ट अनुपस्थित रहे। आस्ट्रेलिया के लिये लियोन ने 81 रन पर सर्वाधिक चार विकेट और पैटिनसन ने 35 रन पर तीन विकेट निकाले। मार्नस लाबुशे को 11 रन पर एक विकेट हाथ लगा। न्यूजीलैंड की यह लगातार दूसरी बड़ी हार है, उसे पर्थ में 296 रन से शिकस्त मिली थी और अब सम्मान बचाने के लिये उसे सिडनी में फाइनल मैच में उतरना होगा जो परिणाम के लिहाज़ से अहम नहीं रह गया है। इससे पहले आस्ट्रेलिया ने सुबह पारी की शुरूआत कल के चार विकेट पर 137 रन से आगे की। मैथ्यू वेड 15 और ट्रेविस हैड 12 रन पर नाबाद थे और टीम की बढ़त पहले ही 456 रन पहुंच गयी थी। आस्ट्रेलियाई कप्तान टिम पेन ने हेड के 28 रन पर नील वेगनर के हाथों बोल्ड होने के बाद अपनी पारी पांच विकेट पर 168 रन के स्कोर पर घोषित कर दी और कुल बढ़त 467 रन पहुंचा दी। वेड 30 रन पर नाबाद रहे।

संक्षिप्त स्कोर

आस्ट्रेलिया पहली पारी- 467 रन, दूसरी पारी 168/5 पारी घोषित

न्यूजीलैंड पहली पारी-148 रन, दूसरी पारी 240 रन

पीटर सिडल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

मेलबोर्न (वार्ता)। आस्ट्रेलिया के दिग्गज तेज़ गेंदबाज़ पीटर सिडल ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया।

35 साल के सिडल को न्यूजीलैंड के खिलाफचल रही मौजूदा टेस्ट सीरीज़ के दो मैचों के लिये आस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया था। लेकिन उन्हें मेलबोर्न टेस्ट के लिये अंतिम टीम में नहीं चुना गया था। राष्ट्रीय कोच जस्टिन लेंगर ने सिडल की प्रशंसा करते हुये टीम के लिये उनके योगदान को सराहा।

अपने करियर में 67 टेस्ट खेलने वाले सिडल ने कहा, मुझे भी आस्ट्रेलिया की ओर से खेलने और इस ग्रीन जर्सी को पहनने का मौका मिला, जो महान क्रिकेटरों रिकी पोंटिंग, स्टीव वॉ जैसे खिलाड़ियों को मिला था। जब भी इसे पहनकर मैं मैदान पर खेलने उतरा वह पल मेरे लिये कमाल का था और मैं किसी एक क्षण को ही खास नहीं बता सकता हूं।

इस वर्ष इंग्लैंड में एशेज़ सीरीज़ को आस्ट्रेलिया के पास बरकरार रखने में अहम भूमिका निभाने वाले सिडल ने मेलबोर्न क्रिकेट ग्राउंड पर आस्ट्रेलियाई टीम के ड्रैसिंग रूम में जाकर व्यक्तिगततौर पर अपने संन्यास की बात बताई और सार्वजनिक रूप से इसकी घोषणा की। टीम के कोच लेंगर ने कहा,÷ जब मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा था, तब मैथ्यू हेडन और रिकी पोंटिंग जैसे खिलाड़ी पीटर सिडल से बहुत प्रभावित थे और उनकी बात करते थे। उन्होंने मुझे सिडल के बारे में बताया और अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के दौरान सिडल ने इस बात को साबित भी किया।÷

सिडल ने अपने करियर में 67 टेस्टों में आठ बार पारी में पांच विकेट हासिल करने की उपलब्धि हासिल की और कुल 221 विकेट लिये। वह आस्ट्रेलिया के सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज़ों की सूची में 13वें नंबर पर हैं। उनके करियर में 26वें जन्मदिन पर इंग्लैंड के खिलाफ ब्रिसबेन में वर्ष 2010 में हैट्रिक प्रदर्शन सबसे यादगार है। इसके अलावा उन्होंने 20 वनडे और 20 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेले।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद भी सिडल घरेलू क्रिकेट खेलना बरकरार रखेंगे, वह साथ ही बिग बैश लीग में एडिलेड स्ट्राइकर्स और शैफील्ड शील्ड में विक्टोरिया के लिये खेलेंगे।

टीम को और जुझारू जज्बा दिखाना होगा

न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने कहा कि अगर उनकी टीम को दूसरे टेस्ट में आस्ट्रेलिया से मिली करारी शिकस्त से वापसी करनी है तो उसे शतक जड़ने वाले टॉम ब्लंडेल जैसा जुझारू जज्बा अपनाना होगा। सलामी बल्लेबाज ब्लंडेल मेलबर्न में आउट होने वाले अंतिम खिलाड़ी रहे, वह 121 रन बनाकर क्रीज पर टिके रहे जबकि न्यूजीलैंड के अन्य साथी खिलाड़ियों ने 488 रन के असंभव लक्ष्य का पीछा करते हुए अपने विकेट गंवा दिये। विलियमसन ने उनकी इस पारी को 'अद्भुत' करार दिया। उन्होंने चार दिन के अंदर दूसरा टेस्ट 247 रन से गंवाने के बाद कहा, "निश्चित रूप से उसने अपनी पारी के लिये कड़ी मेहनत की, मुश्किल काम था। लेकिन आपको इसी तरह की सकारात्मक चीजें देखनी होंगी क्योंकि यह सचमुच शानदार पारी थी।

जीत का श्रेय 'टीम वर्क' को

आस्ट्रेलियाई कप्तान टिम पेन ने कहा कि मौजूदा घरेलू सत्र में एकजुट प्रदर्शन के कारण टीम सभी चार मैच जीतने में सफल रही। आस्ट्रेलिया ने इन चारों मुकाबलों को चार दिन के अंदर अपने नाम किया। न्यूजीलैंड से पहले टीम ने पाकिस्तान को दो मैचों की श्रृंखला में 2-0 से शिकस्त दी थी। न्यूजीलैंड के खिलाफमैच की पहली पारी में ट्रेविस हेड ने शतक लगाया जबकि स्टीव स्मिथ ने 85 रन और पेन ने 79 रन बनाकर जीत की नींव रखी जबकि पैट कमिंस, जेम्स पैटिंनसन और नाथन लियोन की अगुवाई वाले आक्रमण ने दो बार न्यूजीलैंड की पारी को समेटा। पेन ने कहा कि यह 'टीम वर्क' का नतीजा है, जब किसी खिलाड़ी का दिन खराब होता था तो दूसरे उसकी भरपायी करते थे। उन्होंने कहा यह दिखाता है कि हम एक दूसरे की जिम्मेदारी को साझा कर रहे हैं।

आस्ट्रेलियन ओपन में नहीं खेलेंगे मरे

लंदन (वार्ता)। ब्रिटेन के नंबर एक खिलाड़ी एंडी मरे वर्ष-2020 के पहले ग्रैंड स्लेम आस्ट्रेलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट में चोट के कारण नहीं खेल पाएंगे। 32 वर्षीय मरे को गत माह डेविस कप के दौरान ब्रिटेन की ओर से खेलते समय चोट लग गयी थी। वह आस्ट्रेलियन ओपन के अलावा जनवरी में होने वाले एटीपी टीम कप में भी हिस्सा नहीं ले सकेंगे जिसे आस्ट्रेलिया के तीन अलग अलग शहरों में खेला जाना है।

मरे ने कहा, मैंने खुद को शीर्ष स्तर पर लाकर खेलने के लिये काफी मेहनत की है। लेकिन मुझे इस बात का गहरा दुख है कि मैं जनवरी में होने वाले आस्ट्रेलियन ओपन में नहीं खेल सकूंगा। मुझे इस वर्ष के आस्ट्रेलियन ओपन के बाद यह सुनिश्चित नहीं था कि मैं वापिस आस्ट्रेलियन ओपन में खेलूंगा। लेकिन मैं यहां नहीं खेल पाने को लेकर काफी दुखी हूं।

ब्रिटिश खिलाड़ी ने कहा, दुर्भाग्यपूर्ण है कि मुझे हाल ही में चोट लगी है और एहतियातन मुझे कोर्ट पर वापसी करने से पहले इसे पूरी तरह ठीक करना होगा। मरे का जनवरी में ऑपरेशन हुआ था जिसके बाद उनकी वर्ष 2020 में मेलबोर्न में वापसी की उम्मीद थी। मरे चोट के कारण मियामी में भी ट्रेनिंग के लिये नहीं उतरे थे।

ओलंपिक पदक विजेता और दो बार के विंबलडन चैंपियन तथा 2012 के यूएस ओपन चैंपियन मरे ने कूल्हे की चोट के बाद जून में लंदन में हुये क्वींस क्लब ग्रॉस कोर्ट से वापसी की थी। उन्होंने अक्टूबर में एंटवर्प में यूरोपियन ओपन जीता था।

वर्ष का पहला ग्रैंड स्लेम आस्ट्रेलियन ओपन 20 जनवरी से 2 फरवरी तक खेला जाएगा जबकि 3 जनवरी से सिडनी, पर्थ और ब्रिसबेन में 10 दिनों तक एटीपी कप टूर्नामेंट होगा।

राष्ट्रमंडल खेलों में निशानेबाजी स्पर्धा की मेजबानी मिलने की उम्मीद

लखनऊ (वार्ता)। वर्ष 2022 में बर्मिंघम में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों से बाहर की गयी निशानेबाजी स्पर्धा की मेजबानी भारत को मिलने की उम्मीद है।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के महासचिव राजीव मेहता ने शनिवार को कहा राष्ट्रमंडल खेल 2022 से निशानेबाजी स्पर्धा को भले ही बाहर कर दिया गया हो लेकिन आईओए की पहल पर इस स्पर्धा की मेजबानी भारत को मिल सकती है। हमने प्रस्ताव दिया है कि यदि सीडब्लूजी समिति मंजूरी दे तो देश राष्ट्रमंडल खेल की निशानेबाजी स्पर्धा की मेजबानी कर सकता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खेलों के आयोजन को भविष्य में तीन-चार राज्यों में अलग-अलग स्पर्धाएं कराने पर भी विचार किया जा रहा है। आईओए महासचिव ने इसके साथ ही टोक्यो ओलंपिक-2020 में भारत के पदकों की संख्या में वृद्धि का भी विश्वास जताया।

मेहता ने कहा उम्मीद है कि टोक्यो ओलंपिक-2020 में इस बार हमारे खिलाड़ी 10 से ज्यादा पदक जीतेंगे। हमें बैडमिंटन, बाक्सिंग, कुश्ती में पदक की सबसे ज्यादा उम्मीद है। वहीं एथलेटिक्स में एशियाड-2018 में गोल्ड मेडलिस्ट जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा के चोट से उबरने पर उनके भी ओलंपिक में पदक जीतने का विश्वास है।

नहीं बता सकता कब वापसी करूंगा

नई दिल्ली ए.। भारतीय तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को अभी नहीं पता कि वह कब प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करेंगे, क्योंकि अब तक यह तय नहीं किया जा सकता है कि उनकी स्पोर्ट्स हर्निया के उपचार के लिए सर्जरी की जरूरत है या नहीं। यह अनुभवी तेज गेंदबाज कथित तौर पर अपने रिहैबिलिटेशन में खामी के लिए राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) को जिम्मेदार नहीं ठहराना चाहता। वह हालांकि हैरान है कि उनके हर्निया का पता पहले क्यों नहीं चला।

भुवनेश्वर ने कहा, 'विश्व टी20 में अब भी नौ महीने का समय है। मैं इस बारे में नहीं सोच रहा। सबसे पहले मुझे फिट होना है और मुझे नहीं पता कि मैं कब फिट हो पाऊंगा।' एनसीए की भूमिका पर 29 साल के इस तेज गेंदबाज ने कहा, 'यह बीसीसीआई पर निर्भर करता है कि वे इसे कैसे लेते हैं। उन्हें एनसीए से बात करनी चाहिए।' उन्होंने कहा, 'एनसीए ने निश्चित तौर पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया होगा, लेकिन मुझे नहीं पता कि क्या गलत हुआ और वे इसका पता क्यों नहीं लगा पाए। फिर भी इस बारे में टिप्पणी करने के लिए मैं सही व्यक्ति नहीं हूं क्योंकि शायद मैं कुछ और कहूं और बीसीसीआई किसी और निष्कर्ष पर पहुंचे।

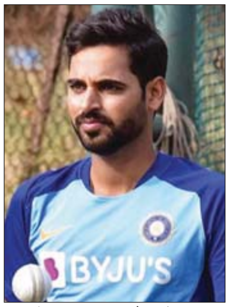

भारत के लिए 21 टेस्ट, 114 वनडे और 43 टी20 खेल चुके मेरठ के भुवनेश्वर से पूछा गया कि क्या खिलाड़ी एनसीए में जाने से डरते हैं तो उन्होंने कहा, 'यह किसी भी खिलाड़ी की व्यक्तिगत इच्छा है कि वह एनसीए जाना चाहता है या नहीं।' अपने उबरने की प्रक्रिया पर भुवनेश्वर ने कहा कि उन्हें डाक्टर से मुलाकात का इंतजार है जिसके बाद सर्जरी की जरूरत का स्पष्ट तौर पर पता चल पाएगा।

भुवनेश्वर ने कहा, 'सर्जरी को लेकर अभी कुछ भी तय नहीं है लेकिन स्पोर्ट्स हर्निया के मामले में आम तौर पर सर्जरी ही की जाती है। लेकिन इसके बावजूद डाक्टर से मिलना होगा। मुझे नहीं पता कि इसके बाद क्या होगा लेकिन हम जितना जल्दी संभव को इसका उपचार कराने का प्रयास कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'जब तक मैं डाक्टर से सलाह नहीं ले लेता तब तक नहीं बता सकता कि कब वापसी करूंगा क्योंकि यह उपचार पर निर्भर करेगा।

ईयर रिव्यू | **डोपिंग ने भी किया शर्मासार**

बॉक्सिंग में भारत के लिए शानदार रहा यह साल

नई दिल्ली ए.। भारतीय मुक्केबाजी के लिए रिंग में यह साल सफलताएं हासिल करने वाला रहा, जिसमें अमित पंघल ने सबसे ज्यादा प्रभावित किया। इसके साथ ही डोपिंग मामले में मुक्केबाजों का नाम आने से एक बार फिर शर्मशार होना पड़ा तो वहीं ओलिंपिक क्वॉलिफिकेशन के लिए टीम चयन भी विवादों में रहा।

सकारात्मक पहलुओं की बात करें तो 23 साल के पंघल पुरुष विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने, जबकि छह बार की विश्व चैंपियन मैरी कॉम भी लय में रहीं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई भारतीय मुक्केबाजों ने पदक अपने नाम किए। पेशेवर सर्किट में

विजेंदर सिह का अजेय क्रम इस साल भी जारी रहा। ओलिंपिक क्वॉलिफिकेशन के लिए चुनी गई टीम में मैरी कॉम विवादों में रहीं, जबकि नीरज फोगाट (महिला) और सुमित सांगवान (पुरुष) के डोप टेस्ट में विफल होने से भारतीय मुक्केबाजी को झटका लगा। यूरोप के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित स्ट्रैंड्जा मेमोरियल में पंघल ने 49 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। पूर्व जूनियर विश्व चैंपियन निकहत जरीन और मीना कुमारी भी इस टूर्नमेंट में शीर्ष पर रही। निकहत के ओलिंपिक क्वॉलिफिकेशन के लिए मैरी कॉम से ट्रायल करने की मांग सुर्खियों में रहीं। पंघल ने इसके बाद ओलिंपिक के सपने को पूरा करने के लिए मार्च में 52 किग्रा भार वर्ग में खेलने का फैसला किया। वह हालांकि शुरु में थोड़े नर्वस थे लेकिन नतीजों पर इसका असर नहीं दिखा। उन्होंने अप्रैल में एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की। पूजा रानी ने भी स्ट्रैंड्जा मेमोरियल में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी पहचान बनाई। इसके बाद सितंबर-अक्टूबर में विश्व चैंपियनशिप से ओलिंपिक क्वॉलिफिकेशन का दर्जा छीन लिया गया। टूर्नमेंट के लिए भारतीय महिला टीम के चयन को लेकर विवाद हुआ क्योंकि निकहत ने इसके लिए ट्रायल की मांग की।

हालांकि इस ट्रायल का ज्यादा असर नहीं पड़ा क्योंकि इंडिया ओपन और इंडोनेशिया में हुए टूर्नमेंट और राष्ट्रीय शिविर में प्रदर्शन के आधार पर मैरी कॉम का चयन हुआ। विश्व चैंपियनशिप में पुरुषों के वर्ग में पंघल ने फाइनल में पहुंचकर इतिहास बनाया, जबकि मनीष कौशिक (63 किग्रा) ने कांस्य पदक हासिल किया। यह विश्व चैंपियनशिप में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी रहा। इस रजत पदक ने पंघल को शीर्ष भारतीय मुक्केबाजों में शामिल कर दिया। मंजू रानी (महिला 48 किग्रा) को खुद की पहचान बनाने की ललक ने मुक्केबाजी दस्ताने पहनने को प्रेरित किया और रिंग में उतरने के बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। पहली बार महिला विश्व चैंपियनशिप में भाग लेने वाली 20 साल की मंजू को फाइनल में पराजय के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

हाईलैंड्र्स और ब्लास्टर्स ने खेला 1-1 से ड्रॉ

कोच्चि, (वार्ता)। मेज़बान केरला ब्लास्टर्स और नॉर्थईस्ट युनाइटेड एफसी के बीच शनिवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेला गया हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के छठे सीजन का मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ। दोनों गोल पेनल्टी पर हुए। इस सीजन में मेज़बान ब्लास्टर्स का यह 10वां मैच था। यह टीम चार हार, पांच ड्रॉ और एक जीत से आठ अंक लेकर 10 टीमों की तालिका में नौवें स्थान पर है। ब्लास्टर्स को सीजन के पहले मैच के बाद जीत नहीं मिली है। दूसरी ओर, नॉर्थईस्ट युनाइटेड एफसी का यह नौवां मैच था। इस टीम को दो मैचों में जीत मिली है और इतने ही मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। इसके पांच मैच ड्रॉ रहे हैं। यह टीम 11 अंकों के साथ सातवें स्थान पर है। हाईलैंडर्स नाम से मशहूर इस टीम को बीते पांच मैचों से जीत नहीं मिली है। पहला हाफ पूरी तरह मेजबान ब्लास्टर्स के नाम रहा। 67 फीसदी समय तक गेंद को अपने कब्जे में रखने के बाद मेजबान टीम को 43वें मिनट में उस समय सफलता मिली जब उसे पेनल्टी मिली। इस पेनल्टी पर गोल करते हुए बार्थोलोमेव ओग्बेचे ने मेजबान टीम को 1-0 से आगे कर दिया। मेजबान टीम को यह पेनल्टी नार्थईस्ट युनाइटेड एफसी के गोलकीपर सुभाशीष रॉय की गलती पर मिला। रेफरी ने बिना गलती किए पेनाल्टी दी और ओग्बेचे ने इस पर गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिला दी।

आदिवासी नृत्य महोत्सव के अंतिम दिन दिखी संस्कृति की झलक

बघरवाल, हन्ना, मरायुराट्टम, संथाली नृत्य सहित बस्तर के गौर नृत्य की धूम

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के अंतिम दिन उत्तराखण्ड, उत्तरप्रदेश, आन्ध्रप्रदेश, झारखण्ड सहित छत्तीसगढ़ के बस्तर के गौर नृत्य का प्रदर्शन मंच से हुआ, जिसमें कलाकारों ने अपने अप्रतिम नृत्य के हुनर का प्रदर्शन किया। एक ओर जहां उत्तराखण्ड से आए कलाकारों ने सैन्य पराक्रम पर आधारित बघरवाल नृत्य किया, वहीं केरल के मरायुराट्टम नृत्य ने प्रदेश के जवांरा पर्व की याद दिला दी। इसी प्रकार उत्तरप्रदेश के हन्ना नृत्य और हो व संथाली समुदाय के नर्तकों ने पारम्परिक विवाह उत्सव का प्रदर्शन गीत-संगीत से किया। इसके अलावा उत्तर प्रदेश के गरद नृत्य, माड़िया जनजाति का गौर व मांदरी नृत्य और आंध्रप्रदेश के डब्रू नृत्य के उत्कृष्ट प्रदर्शन ने दर्शकों को झूमने पर विवश कर दिया।

तीन दिवसीय महोत्सव के समापन दिवस पर स्थानीय साइंस कॉलेज मैदान परिसर में आयोजित सुबह से देश-प्रदेश से आये कलाकारों ने आदिवासी जनजातियों पर आधारित नृत्य कला का प्रदर्शन किया। देवभूमि उत्तराखण्ड से आए पुरूष कलाकारों ने हाथों में तलवार और ढाल लेकर विशेष अंदाज में शारीरिक भाव-भंगिमा का प्रदर्शन किया, वहीं महिलाएं आकर्षक पारम्परिक परिधानों के साथ नृत्य करती नजर आईं। इस नृत्य के माध्यम से शिव

नृत्य के जरिए कलाकारों ने वैवाहिक उत्सवों का किया प्रदर्शन

आराधना को भी दर्शाया गया। इसके बाद केरल राज्य से आए नर्तकों ने मरायुराट्टम नृत्य किया। इस नृत्य में छत्तीसगढ़ के जवांरा की भांति कलाकार झूपते नजर आए। महिला नर्तक खुले केश के साथ हाथों में लम्बी छड़ी लिए हुए एक ताल में नाचती रहीं। वहीं छड़ी को अलग-अलग अंदाज में घुमाकर नृत्यांगनाएं नाचती नजर आईं। उत्तरप्रदेश से आए कलाकारों ने मंच साझा करते हुए हन्ना नृत्य विशिष्ट अंदाज में किया। इसमें शामिल महिलाएं कमर के निचले हिस्से में लाचा तथा सिर पर दुपट्टा लिए हुए नृत्य कर रही थी, वहीं पुरूष नर्तकों ने सफेद कुर्ता और सफेद टोपी पहनकर टहनीनुमा लकड़ी में रंग-बिरंगे कपड़ों के टुकड़े बांधकर हास्य मुद्रा में नृत्य किया। इसके उपरान्त झारखण्ड के कलाकारों ने हो एवं संथाली जनजाति द्वारा विवाह के रस्मों-रिवाजों को नृत्य की भाव मुद्रा के माध्यम से प्रदर्शित किया। इस नृत्य की खासियत है कि वर के घर वधू पक्ष बारात लेकर जाता है, जिसमें वाद्य यंत्रों का प्रयोग मंत्रोच्चार के समान माना जाता है। यह नृत्य छत्तीसगढ़ की उरांव जनजाति के सरहुल नृत्य के समान प्रतीत हुआ। इसी तारतम्य में उत्तरप्रदेश के वाराणसी और सोनभद्र के गोंड़ जनजाति के कलाकारों ने वीरता और उत्साह पर आधारित गरद नृत्य किया, इसमें युवक शारीरिक कौशल और करतब के माध्यम से युवतियों को आकर्षित करने के लिए युद्ध कला का प्रदर्शन करते हैं। इसमें प्रयुक्त होने वाले वाद्य यंत्र छत्तीसगढ़ के गाड़ा बाजा के समान थे, जिसमें गुदूम, मोहरी और ताशा, झांझ की ताल पर नर्तक झूमते नजर आए।

छत्तीसगढ़ के माड़िया जनजाति के द्वारा विभिन्न उत्सवों में किया जाने वाला गौर नृत्य का पारंपरिक लोक वाद्य यंत्र तुरही व मांदर की थाप पर गोंडी गीत में थिरकते हुए कलाकारों ने सम्मोहक प्रस्तुति दी। पुरूष नर्तक मोर की कलगी, कौड़ियों से लकदक बायसन की सींग से बने मुकुट पहने हुए तथा महिलाएं हाथों में घुंघरूयुक्त छड़ी के साथ एक ताल में थिरकीं। इस नृत्य की खासियत यह है कि लय-परिवर्तन के साथ ही नर्तक अपने नृत्य की गति में भी बदलाव लाते हैं।

डांग नृत्य ने बटोरी तालियां

रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के अंतिम दिन गुजरात के जनजातीय कलाकारों ने मनोहारी डांग नृत्य प्रस्तुत किया। डांग नृत्य में बस्तर के जनजातीय समुदाय द्वारा किए जाने वाले नृत्य की झलक दिखाई दी। डांग नृत्य गुजरात में होली एवं अन्य त्यौहार के अवसर पर किया जाता है। डांग नृत्य तेज गति से किए जाने वाला नृत्य है। गुजरात के आदिवासी लोक नृत्य डांग उनके पारंपरिक विधा पर आधारित है।

महोत्सव में जम्मू-कश्मीर के कलाकारों द्वारा गोजरी बैट नृत्य प्रस्तुत किया गया। गोजरी बैट नृत्य श्री राम जय राम जय जय राम, अल्लाह हो अकबर और सत्यनाम वाहेगुरू के बोल पर भांगडा नृत्य के तर्ज में जम्मू-कश्मीर के कलाकारों ने किया। गोजरी

गोजरी बैट नृत्य में सर्व धर्म सद्भाव की झलक

बकरवाल नृत्य में विवाह कार्यक्रम की जीवंत प्रस्तुति

बैट नृत्य में सर्व धर्म सद्भाव की झलक दिखाई दी। गोजरी बैट नृत्य को दर्शकों ने खूब पंसद किया। जम्मू-कश्मीर के बकरवाल समुदाय के कलाकारों ने बकरवाली नृत्य प्रस्तुत किया। यह नृत्य विवाह संस्कार पर आधारित था। नृत्य में कलाकारों ने विवाह होने और बिदाई के क्षण का जीवंत अभिनय कर प्रस्तुत किया। त्रिपुरा के कलाकारों ने संगाई नृत्य प्रस्तुत किया। त्रिपुरा में उत्सव के समय यह नृत्य किया जाता है। कलाकारों ने रंग बिरंगी छतरी के साथ नृत्य प्रस्तुत किया। नृत्य में जन्म से लेकर पूरे जीवन को एक उत्सव के रूप में बताया गया। नृत्य में सोला श्रृंगार की भी झलक दिखी। संगाई नृत्य में गायक कलाकारों ने बुद्धम शरणम गच्छामि, धम्म शरणम गच्छामि और संगेरे चलव रे के मुधूर गीत के साथ नृत्य का आनंद और बढ़ गया।

महोत्सव में हिमांचल प्रदेश के कलाकारों ने हरनातर नृत्य प्रस्तुत किया। इस नृत्य में राक्षसों को भगाने का अभिनय किया गया। असम के कलाकारों ने बारदो शुक्ला नृत्य प्रस्तुत किया। इस नृत्य में धरती माता की वंदना की गई। इस नृत्य में स्त्रियों के सम्मान की सीख दी गई। बारदो शुक्ला असम के बोड़ो जनजातियों का पारंपरिक नृत्य है। सिक्किम के कलाकारों ने फसल कटाई के समय किए जाने वाला नृत्य लेचा प्रस्तुत किया। लद्दाख के कलाकारों ने लद्दाखी गजल नृत्य प्रस्तुत किया। यह नृत्य लद्दाख में होने वाले मेला मड़ाई के समय किया जाता है। अरूणांचल के कलाकारों ने इडू नृत्य प्रस्तुत किया। मध्यप्रदेश छिंदवाड़ा के जनजातीय कलाकारों ने पारंपरिक नृत्य शैला गेंडी प्रस्तुत किया। शैला गेंडी नृत्य में पुरूष कलाकारों ने गेंडी पर चढ़कर नृत्य किया।

मनमोहक छाया चित्र...

आदिवासी महोत्सव से बढ़ी छत्तीसगढ़ की शान

कला और संस्कृति किसी भी जनजाति समुदाय की अपनी पहचान है और इसी जनजाति की पहचान को अक्षुण्ण बनाए रखने राजधानी रायपुर में राष्ट्रीय आदिवासी महोत्सव का आयोजन हर किसी को भा रहा है। नृत्य के साथ गीत एवं धुनों की जुगलबंदी के बीच जनजाति संस्कृति की जीवंत प्रस्तुति ने छत्तीसगढ़ ही नही देश के अन्य राज्यों एवं दूसरे देश के कलाकारों को मंच देकर इस आयोजन से दर्शकों और कलाकारों से खूब वाहवाही बटोरी। आयोजन के माध्यम से दर्शकों ने हर्ष,उल्लास के वातावरण में जनजाति कलाकारों द्वारा मनोरंजन के सीमित संसाधनों के बीच एक से बढ़कर एक मनमोहक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी।

आदिवासियों को जब राष्ट्रीय स्तर के आयोजन में पहली बार मंच मिला तो वे स्व रचित गीत, छोटे छोटे मनोरंजन के उपकरणों से तैयार धुन के माध्यम से आकर्षक वेशभूषा, आभूषण में सज धजकर इस तरह नृत्य कला का प्रदर्शन किया कि देखने वाले दर्शक भी पल भर के लिए प्रकृति के करीब पहुँच गए,उनके रहन-सहन,बोली-भाषा, रंगबिरंगी पोशाकों में गुम होकर टकटकी निगाहों से मंच की ओर ही निहारते रहें। नृत्य

कलाकारों को मंच से मिली पहचान

के साथ बाँसुरी, मादर, ढोल, झांझ, मंजीरे की कर्णप्रिय धुन और गायकों के उत्साह से भरे बोल ने सबकों भावविह्वल करते हुए थिरकने से भी मजबूर कर दिया। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद पहली बार राष्ट्रीय स्तर के इस आयोजन को देखकर हर किसी ने जहाँ तारीफकिया वहीं इस आयोजन में शामिल आदिवासी कलाकारों ने मंच मिलने पर खुशी जताते हुए कहा कि जनजाति समुदाय के संस्कृति को जन-जन तक पहुचाने का इससे बढ़िया माध्यम हो नही सकता है। जीवन के उत्साह और उल्लास को नृत्य के माध्यम से पिरोकर आदिवासी कलाकारों ने मंच पर आकर्षक ढंग से प्रस्तुत कर अपने साथ छत्तीसगढ़ की पहचान को भी स्थापित किया।

इस महोत्सव में 6 देश के विदेशी कलाकारों, 25 राज्यों सहित 1800 से अधिक कलाकारों ने भाग लिया। युगांडा, बेलारूस, मालदीव, श्रीलंका, थाईलैंड, बांग्लादेश सहित भारत के विभिन्न राज्यों से आए जनजाति कलाकारों ने इस आयोजन में भाग लेकर जनजाति शैली में मंच पर कार्यक्रम प्रस्तुत किया। अपनी विशिष्ट शैली और परंपराओं की वजह से देखने वालों का ध्यान खींचकर उसे थिरकने को मजबूर कर देना ही आदिवासी नृत्य की पहचान होती है।